आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

तरुण छत्तीसगढ़

■ रायपुर,शनिवार 1 अगस्त 2026 ■ श्रावण कृष्ण पक्ष-3 ■ वर्ष -42 ■ अंक-124 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 02 अगस्त 2026 ■ मूल्य-2.00 रुपये

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in
Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

एंटी पेपर लीक बिल' कानून बना,राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने परीक्षा संशोधन विधेयक पर लगाई मुहर, पूरे देश में लागू

नई दिल्ली,1 अगस्त। लोक परीक्षा संशोधन विधेयक-2026 यानी एंटी पेपर लीक बिल अब कानून बन गया है। संसद (लोकसभा और राज्यसभा) से पारित होने के बाद इसे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के पास भेजा गया था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 'लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन अधिनियम, 2026' को मंजूरी दे दी। इसी के साथ संशोधित कानून पूरे देश में लागू हो गया है। नए कानून में पेपर लीक माफिया, संगठित नकल और परीक्षा में धांधली करने वालों के खिलाफ पहले से कहीं अधिक सख्त सजा, भारी जुर्माना और त्वरित सुनवाई का प्रावधान किया गया है। इसमें अधिकतम 10 वर्ष तक की जेल और 10 करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। नए कानून का मुख्य उद्देश्य प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक, नकल, तकनीकी सेंधमारी और अन्य प्रकार की धांधली पर पूरी तरह रोक लगाना है। इसके तहत परीक्षा में गड़बड़ी करने वाले गिरोह, कोचिंग संस्थान, सेवा प्रदाता और किसी भी तरह की मिलीभगत करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

संशोधित कानून के तहत संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी), रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी), राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) तथा केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों द्वारा आयोजित सभी सार्वजनिक परीक्षाएं इसके दायरे में आएंगी। बता दें कि नीट परीक्षा पेपर लीक के बाद कॉकरोच जनता पार्टी ने पूरे देश में प्रदर्शन किया था। पार्टी के छात्रों का भरपूर साथ मिला था। इसे लेकर दिल्ली में जमकर बवाल भी हुआ था। स्थिति यह हो गई कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा तक देना पड़ा। इसके बाद मोदी सरकार पेपर लीक पर रोक लगाने और अपराधियों को कड़ी सजा दिलाने के उद्देश्य से लोक परीक्षा संशोधन विधेयक-2026 लेकर आई। सरकार ने 29 जुलाई को लोकसभा और 30 जुलाई को राज्यसभा से इसे पारित कराया था। इसके बाद इसे राष्ट्रपति के पास कानून बनाने के लिए भेजा गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने एक दिन के भीतर इस विधेयक पर अपनी सहमति देकर इसे कानून का रूप दे दिया।

परीक्षा अपराधों पर सख्त सजा और भारी जुर्माना

संशोधित कानून में परीक्षा से जुड़े अपराधों के लिए सजा और जुर्माने के प्रावधान पहले से अधिक कठोर किए गए हैं। अनुचित साधनों का इस्तेमाल करने पर कम से कम 5 वर्ष और अधिकतम 10 वर्ष तक की सजा होगी। अधिकतम जुर्माना 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 50 लाख रुपये कर दिया गया है। संगठित अपराधों में 7 से 10 वर्ष तक की सजा और 10 करोड़ रुपये तक जुर्माने का प्रावधान किया गया है। दोषी सेवा प्रदाताओं पर 5 करोड़ रुपये तक जुर्माना लगाया जा सकेगा।

दो महीने में जांच, तीन महीने में ट्रायल पूरा होगा

नए कानून के तहत पेपर लीक और परीक्षा संबंधी अपराधों की जांच के लिए विशेष कार्यबल गठित की जाएगी। आरोपपत्र दाखिल होने के बाद विशेष त्वरित न्यायालय प्रतिदिन सुनवाई करेंगे और तीन महीने के भीतर मामले का निपटारा करने का प्रयास करेंगे। इसके लिए विशेष लोक अभियोजकों की नियुक्ति का भी प्रावधान किया गया है।

गैस सिलेंडर हुआ सस्ता, महीने के पहले दिन मिली राहत

नई दिल्ली,1 अगस्त। अगस्त के पहले दिन आम उपभोक्ताओं के लिए अच्छी खबर आई है। देश की सरकारी तेल विपणन कंपनियों ने 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 209 रुपये तक की कटौती की है। इससे उपभोक्ताओं को पहले की तुलना में 202 रुपये तक कम कीमत पर सिलेंडर मिलेगा। तेल विपणन कंपनियों ने 1 अगस्त को केवल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कटौती की है, जबकि घरेलू सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।सूत्रों के मुताबिक, आज कोलकाता में 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 209 रुपये और दिल्ली में 202 रुपये की कटौती की गई है। इस बदलाव के बाद आज से कोलकाता में 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक सिलेंडर की कीमत 2,872.50 रुपये होगी। घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में इस कटौती से रेस्तरां, होटल, सड़क किनारे खाने-पीने की दुकानें और खानपान सेवाओं के संचालन की लागत कम होने की उम्मीद है। बता दें कि तेल विपणन कंपनियों ने पिछले महीने भी 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 183.50 रुपये की कटौती की थी।

भाई ने बहन की गला काटकर ले ली जान

अंबिकापुर,1 अगस्त। छत्तीसगढ़ के सीतापुर से एक सनसनीखेज खबर सामने आई है, जहां ऑनर किलिंग की खौफनाक वारदात को अंजाम दिया गया है।क्राइम रिपोर्ट के मुताबिक, एक भाई ने अपनी ही 17 साल की नाबालिग बहन की गला काटकर दर्दनाक हत्या कर दी। हत्या की वजह बहन का गांव के ही एक युवक के साथ प्रेम संबंध होना बताया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार नाबालिग किशोरी कुछ दिनों पहले अपने प्रेमी के साथ घर छोड़कर चली गई थी। इस कदम से परिवार, खासकर उसका भाई, सख्त नाराज था। बहन के वापस लौटने या उसके प्रेमी के साथ जाने से तिलमिलाए भाई ने खौफनाक कदम उठाया। उसने सनक और 'झूठी शान' के नाम पर अपनी ही बहन का गला रेतकर उसे मौत के घाट उतार दिया। घटना के तुरंत बाद इलाके में हड़कंप मच गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। किशोरी के माता-पिता ने रामपुर मथुरा थाने पहुंचकर अपने ही बेटे सहित गांव के 3 अन्य लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में नामजद शिकायत दर्ज कराई है।

अभिजीत दीपके की तबीयत फिर बिगड़ी

नई दिल्ली,1 अगस्त। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके की तबीयत शनिवार सुबह अचानक बिगड़ गई। वह महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर स्थित अपने आवास की पार्किंग में समर्थकों से मुलाकात कर रहे थे, जब उन्हें घबराहट महसूस हुई और उन्होंने उल्टी कर दी। जानकारी के अनुसार, दीपके सुबह 11:45 बजे अपने घर की पार्किंग में इंतजार कर रहे लोगों के एक समूह से मिलने नीचे आए थे। इसी दौरान उन्हें बेचैनी महसूस हुई और वे घर के पिछले हिस्से में चले गए, जहां उन्हें उल्टी हुई। इसके बाद, मीडियाकर्मियों से बिना बात किए वे सीधे अपने घर की ऊपरी मंजिल पर चले गए।

छात्रावास में छात्रा की मौत

कवर्धा,1अगस्त। कवर्धा जिले के बोड़ला विकासखंड से एक दर्दनाक मामला सामने आया है। वनांचल क्षेत्र की रहने वाली छात्रा बबीता पद्राम की मौत के बाद परिजनों ने छात्रावास प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। परिजनों का कहना है कि छात्रा पिछले एक सप्ताह से बीमार थी, लेकिन उन्हें समय पर इसकी जानकारी नहीं दी गई। जानकारी के मुताबिक, बबीता पद्राम अमेरा कन्या छात्रावास में रहकर पढ़ाई कर रही थी। परिजनों का आरोप है कि तबीयत लगातार खराब होने के बावजूद उन्हें इसकी सूचना नहीं दी गई। जिस रात छात्रा की हालत ज्यादा बिगड़ी, उस दिन भी रात करीब 3 बजे फोन कर जानकारी दी गई। परिजन तुरंत छात्रावास पहुंचे और छात्रा को इलाज के लिए अस्पताल लेकर निकले, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। इसके बाद परिजन शव को गांव ले गए और अंतिम संस्कार कर दिया। परिवार का आरोप है कि जिस समय छात्रा की तबीयत बिगड़ी, उस वक्त छात्रावास अधीक्षिका हॉस्टल में मौजूद नहीं थीं। उनका कहना है कि अगर समय पर इलाज मिलता और सूचना पहले दी जाती, तो शायद छात्रा की जान बच सकती थी। अब पूरे मामले में छात्रावास प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

हाईकोर्ट का अदालतों को निर्देश, सांसद और विधायकों से जुड़े आपराधिक मामलों की जल्द हो सुनवाई

बिलासपुर,1 अगस्त। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने सांसद, विधायक, पूर्व सांसद और पूर्व विधायकों के खिलाफ दर्ज आपराधिक प्रकरणों की जल्द सुनवाई करने के निर्देश विभिन्न अदालतों को दिए हैं। न्याय मित्र डॉ. एन.के. शुक्ला ने डिवीजन बेंच को बताया कि पिछली बार जारी स्टेटस रिपोर्ट की तुलना में जनप्रतिनिधियों से जुड़े लंबित आपराधिक मामलों की संख्या में दो मामलों की कमी आई है। एक मामला रायपुर और दूसरा कबीरधाम जिले का बताया गया है। दोनों प्रकरणों का इस अवधि में निराकरण हो चुका है। डिवीजन बेंच ने स्थिति को रिकॉर्ड पर लेते अगली सुनवाई, 25 अगस्त को तय की है। साथ ही अद्यतन रिपोर्ट प्राप्त कर पेश करने का निर्देश दिया गया है।

सुनवाई के दौरान बात सामने आई कि जून 2026 की स्थिति में बिलासपुर जिले में संबंधित आपराधिक प्रकरण शामिल है। इसमें कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव अव अन्य के खिलाफ मामला विचाराधीन है। इसके साथ ही बलौदाबाजार जिले में तृतीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा सीजेएम कोर्ट में भिलाई के विधायक देवेंद्र यादव, पूर्व विधायक प्रमोद शर्मा और अन्य से संबंधित मामलों में सुनवाई जारी है। अदालतों में इन प्रकरणों की अलग-अलग स्तर पर सुनवाई चल रही है। जांजगीर-चांपा जिले में विधायक बालेश्वर साहू और अन्य से जुड़े मामलों की सुनवाई चल रही है। रिपोर्ट के अनुसार आपराधिक प्रकरण में अभियोजन पक्ष के साक्ष्य दर्ज किए जाने की प्रक्रिया जारी है। इसी तरह रायपुर में जनप्रतिनिधियों से जुड़े कई महत्वपूर्ण आपराधिक मामले विभिन्न अदालतों में विचाराधीन हैं। पीएमएलए, ईडी के स्पेशल कोर्ट में देवेंद्र यादव, चंद्रदेव प्रसाद राय और कवासी लखमा से संबंधित मामलों में सुनवाई चल रही है। सीजेएम रायपुर के कोर्टमें संजीव शुक्ला, देवेंद्र यादव, उद्देश्वरी करा, आकाश शर्मा और पूर्व सीएम भूपेश बघेल से जुड़े पुराने मामलों की न्यायिक प्रक्रिया चल रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने रजिस्ट्रार ज्यूडिशियल को अगली सुनवाई तक संबंधित सभी ट्रायल कोर्ट से ताजा स्थिति रिपोर्ट प्राप्त कर हाईकोर्ट के समक्ष पेश करने का निर्देश दिया है। अगली सुनवाई के लिए कोर्ट ने 25 अगस्त 2026 की तिथि तय कर दी है।

तालाब में डूबने से दो बच्चों की मौत

सूरजपुर,1अगस्त। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के चम्पानगर गांव में शनिवार को तालाब में डूबने से दो बच्चों की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है। जानकारी के अनुसार, दोनों बच्चे गांव के तालाब में नहाने के लिए गए थे। नहाने के दौरान वे गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। काफी देर तक बच्चों के घर नहीं लौटने पर ग्रामीणों ने उनकी तलाश शुरू की। घंटों की मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने दोनों बच्चों को तालाब से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

पाइप बिछा रहा मजदूर जिंदा मिट्टी में दबा

भानुप्रतापपुर,1 अगस्त। कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर थाना क्षेत्र से एक बेहद दर्दनाक और चौंकाने वाली घटना सामने आई है. नल-जल योजना के तहत पाइपलाइन बिछाने के दौरान एक मजदूर जिंदा ही मिट्टी में दब गया, जिसकी किसी को भनक तक नहीं लगी. चार दिन बाद उसी जगह की खुदाई करने पर मजदूर का शव बैठी हुई अवस्था में मिला. घटना के बाद गांव में आक्रोश फैल गया. भानुप्रतापपुर थाना क्षेत्र के कच्चे चौकी अंतर्गत ग्राम हिंगनझर में नल-जल योजना के तहत पाइपलाइन बिछाने और घरेलू कनेक्शन देने का कार्य चल रहा है. 28 जुलाई को 30 वर्षीय रामदेव आंचला पाइपलाइन के नाली में उतरकर घरेलू कनेक्शन जोड़ रहा था. पीछे-पीछे जेसीबी चालक दूसरी ओर से गड्ढे में मिट्टी भरते हुए आगे बढ़ रहा था, जिसके चालक ने अनजाने में उसी स्थान पर भी मिट्टी डाल दी, जहां रामदेव काम कर रहा था. बताया जा रहा है कि मजदूर को संभलने या मदद के

लिए आवाज लगाने तक का मौका नहीं मिला और वह जिंदा ही मिट्टी में दब गया. घटना के समय अन्य मजदूर लगभग 20 से 40 मीटर की दूरी पर काम कर रहे थे, इसलिए किसी को भी हादसे की भनक तक नहीं लगी. दोपहर के भोजन के समय जब रामदेव नहीं पहुंचा तो साथियों ने उसकी तलाश शुरू की. मोबाइल पर कॉल करने पर शुरुआत में घंटी गई, लेकिन बाद में मोबाइल भी बंद हो गया. परिजनों और गांव में भी खोजबीन की गई, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला. गुमशुदगी की सूचना कच्चे चौकी में दर्ज कराई गई. 31 जुलाई को पुलिस, ग्रामीणों और सरपंच की मौजूदगी में उस स्थान पर दोबारा खुदाई कराई गई, जहां से रामदेव लापता हुआ था. लगभग 10 मीटर की खुदाई के बाद मजदूर का शव गड्ढे के भीतर बैठी हुई अवस्था में मिला. शव निकलते ही ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने जेसीबी चालक के साथ मारपीट कर दी। पुलिस ने तत्काल चालक को हिरासत में लेकर स्थिति को नियंत्रित किया. आरोपी जेसीबी चालक नें बताया "मैं दूसरी तरफ से गड्ढा भरते हुए आ रहा था. वहां कोई दिखाई नहीं दिया.

मोदी पर विवादित टिप्पणी करने वाली रुचिका सिंह का माफीनामा

नोएडा,1 अगस्त। दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए छात्र प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी का वीडियो वायरल होने के बाद चर्चा में आई रुचिका सिंह ने अब सार्वजनिक रूप से माफी मांग ली है. सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में वह हाथ जोड़कर अपने बयान पर खेद जताती नजर आ रही है. हालांकि, इस वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है. वीडियो में रुचिका कहती है कि वह अपने दोस्तों के साथ कनॉट प्लेस घूमने गई थी. वहां छात्र प्रदर्शन चल रहा था और आसपास मौजूद कुछ लोग प्रधानमंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक नारे लगा रहे थे. उसने दावा किया कि वह उसी माहौल और भीड़ के प्रभाव में आ गई और उसने भी अनुचित भाषा का इस्तेमाल कर दिया. रुचिका ने वीडियो में कहा, "मैं सिर्फ 15 साल की हूं. मैंने जो कुछ कहा, वह बिल्कुल गलत था. मुझे अपने किए पर बहुत शर्मिंदगी है. मैं पूरे देश से हाथ जोड़कर माफी मांगती हूं. यह मेरी पहली और आखिरी गलती होगी। भविष्य में ऐसी गलती कभी नहीं दोहराऊंगी." मामला उस समय तूल पकड़ गया जब जंतर-मंतर प्रदर्शन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ. वीडियो में रुचिका पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप लगा. इसके बाद शिकायत के आधार पर नोएडा के एक्सप्रेसवे थाने में जीरो एफआईआर दर्ज की गई थी. जांच के दौरान पुलिस सेक्टर-18 स्थित उस फ्लैट पर भी पहुंची, जहां रुचिका के रहने की जानकारी मिली थी, लेकिन वह वहां नहीं मिली. इसके बाद पुलिस ने उसके संभावित ठिकानों और परिचितों से भी जानकारी जुटाई.

एविएशन सेक्टर को मिलेगी नई उड़ान देश में खुलेंगे 11 नए फ्लाइंग स्कूल

नई दिल्ली ,1 अगस्त । देश में तेजी से बढ़ रहे एविएशन सेक्टर की जरूरतों को पूरा करने के लिए सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। पायलटों की कमी को दूर करने के उद्देश्य से देशभर में 11 नए फ्लाइंग ट्रेनिंग ऑर्गनाइजेशन शुरू किए जाएंगे। एयरपोर्ट्र्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (र्ढ्ढ) ने फरवरी 2026 में जारी ई-टेंडर के तहत सात एयरपोर्ट पर 11 नए एफटीओ स्लॉट की टेंडर प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी कर ली है।

सिविल एविएशन मंत्रालय के अनुसार, अगले 10 वर्षों में देश को लगभग 30 से 31 हजार अतिरिक्त पायलटों की आवश्यकता होगी। वहीं, अगले पांच वर्षों में भारतीय एयरलाइंस अपने बेड़े में करीब 500 नए विमान शामिल कर सकती हैं। इसके अलावा देश में लगभग 50 नए एयरपोर्ट विकसित होने की भी संभावना है।

एविएशन सेक्टर की तेज रफ्तार का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि टाटा समूह की एयरलाइन एयर इंडिया अगले 18 महीनों में अपने बेड़े में 50 से 60 नए विमान शामिल करने की तैयारी कर रही है।

संसद में भगवा पहनकर विरोध करना पड़ा भारी, पप्पू यादव पर एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली, 1 अगस्त। संसद परिसर में शुक्रवार को कथित राम मंदिर चंदा गबन मामले को लेकर किए गए विरोध प्रदर्शन के बाद पूर्णिया से सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव की मुश्किलें बढ़ गई हैं। राष्ट्रीय राजधानी के जहांगीरपुरी थाने में उनके खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि प्रदर्शन के दौरान उन्होंने धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई। यह शिकायत सूर्य मैथिल ने दर्ज कराई है। उनका आरोप है कि संसद परिसर के बाहर हुए प्रदर्शन के दौरान पप्पू यादव ने धार्मिक प्रतीकों का अपमान किया। शिकायतकर्ता का कहना है कि प्रदर्शन में भगवान रामलला विराजमान की तस्वीर को पैरों के नीचे रखा गया, जिससे सनातन धर्म को मानने वालों की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इस प्रदर्शन को राहुल गांधी, डिंपल यादव, अवधेश प्रसाद समेत इंडिया गठबंधन के कई सांसदों का समर्थन प्राप्त था। शुक्रवार को संसद परिसर में विपक्षी सांसदों ने कथित राम मंदिर चंदा चोरी के आरोपों को लेकर प्रतीकात्मक प्रदर्शन किया। इस दौरान 'चंदा चोर, गद्दी छोड़', 'जवाब तुमको देना होगा' और 'अमित शाह, सदन में आओ' जैसे नारे लगाए गए।

घास काटकर लौट रही तीन मासूम बच्चियां उफनती नहर में डूबीं

कुशीनगर ,1 अगस्त । उत्तर प्रदेश के कुशीनगर से दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। यहां दुबौली गांव के पास एक ही परिवार की तीन मासूम बच्चियों की गहरे पानी में डूबने से खौफनाक मौत हो गई। हंसती-खेलती ये बच्चियां खेत से घास काटकर अपने घर लौट रही थीं, तभी काल ने उन्हें अपने आगोश में ले लिया। इस हृदयविदारक घटना के बाद से पूरे इलाके में कोहराम मचा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। करीब 12 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद शनिवार सुबह तीनों बच्चियों के शव बरामद कर लिए गए हैं, जिसके बाद पूरे गांव में मातम का सन्नाटा पसर गया है। जानकारी के मुताबिक, यह घटना स्थानीय थाना क्षेत्र के दुबौली गांव के पास स्थित सिधरिया ड्रेन (नहर) की है। शुक्रवार की शाम गांव के रहने वाले शंभू की दो बेटियां, 10 वर्षीय सपना और 8 वर्षीय छोटी, रंजीत की 12 वर्षीय बेटी कुंचन के साथ खेत गई थीं। तीनों बच्चियां खेत से घास काटकर वापस घर की तरफ आ रही थीं।

केरावाहारा में पकड़ा गया तेंदुआ

गरियाबंद,1 अगस्त। गरियाबंद वनमंडल के ग्राम केरावाहारा में पिंजरे में सुरक्षित पकड़े गए तेंदुए को स्वास्थ्य परीक्षण के बाद देर रात करीब 2 बजे उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व के सुरक्षित वन क्षेत्र में छोड़ दिया गया। वन विभाग के अधिकारियों, वन्यप्राणी चिकित्सकों और प्रशिक्षित रेस्क्यू टीम की निगरानी में पूरी प्रक्रिया सावधानीपूर्वक संपन्न कराई गई। पिछले कई दिनों से ग्राम केरावाहारा और आसपास के क्षेत्रों में तेंदुए की लगातार मौजूदगी से ग्रामीणों में भय का माहौल था। तेंदुए द्वारा पालतू मवेशियों पर हमले तथा स्कूल परिसर और आबादी के नजदीक देखे जाने की घटनाओं के बाद वन विभाग ने क्षेत्र में निगरानी बढ़ाते हुए केज ट्रैप लगाया था। रणनीति सफल रही और तेंदुआ सुरक्षित रूप से पिंजरे में कैद हो गया। नमंडलाधिकारी ससिगानंदन के. (भा.व.से.), उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व के अधिकारियों तथा वन्यप्राणी चिकित्सा अधिकारी डॉ. राकेश वर्मा की देखरेख में तेंदुए का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जांच में तेंदुआ स्वस्थ पाए जाने के बाद विशेषज्ञों की सलाह पर उसे उसके प्राकृतिक आवास में वापस छोड़ने का निर्णय लिया गया। वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, देर रात वन अधिकारियों, चिकित्सकों और कर्मचारियों की मौजूदगी में तेंदुए को उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व के घने जंगल में सुरक्षित छोड़ दिया गया। इसके साथ ही केरावाहारा और आसपास के गांवों के लोगों ने राहत की सांस ली। वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि किसी भी वन्यजीव की गतिविधि

दिखाई देने पर अफवाह फैलाने के बजाय तुरंत वन अमले को सूचना दें। विभाग ने स्पष्ट किया है कि मानव जीवन और वन्यजीवों की सुरक्षा दोनों उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

चावल कारोबारी की हत्या का खुलासा

धमतरी,1 अगस्त। छत्तीसगढ़ के धमतरी में चावल कारोबारी की हत्या का खुलासा पुलिस ने कर दिया है और मामले में उसके साथी को भी गिरफ्तार कर लिया है, जिसने चावल के बिजनेस में कॉम्पिटिशन और जलन के चलते कैंची और पाना मारकर उसकी हत्या की थी। यह पूरा मामला 22 जुलाई की है, जब नारी महानदी पुल के मुख्य मार्ग पर नीरज साहू (27) का खून से लथपथ शव मिला था। उसके गले और माथे पर गंभीर चोट के निशान थे और घटनास्थल पर ही मृतक का बोलेरो पिकअप वाहन भी खड़ा पाया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी भावना पांडे के निर्देश पर कुरूद, मगरलोड पुलिस और साइबर टीम की एक विशेष संयुक्त टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सैकड़ों सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और वैज्ञानिक साक्ष्यों का बारीकी से विश्लेषण किया। इसके आधार पर पुलिस संदेही बिरेंद्र कुमार साहू निवासी सांकरा, थाना मगरलोड तक पहुंची। पुलिस पूछताछ में आरोपी बिरेंद्र ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। उसने बताया कि दोनों चावल का व्यापार करते थे। मृतक नीरज साहू का व्यवसाय अच्छा चल रहा था और उसकी कमाई अधिक थी, इसी बात को लेकर आरोपी उससे गहरी रंजिश रखता था। रंजिश के चलते आरोपी ने सुनसान इलाके का फायदा उठाकर नारी महानदी पुल के पास नीरज को रोका और कैंची-पाना से ताबड़तोड़ हमला कर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल की गई कैंची और पाना भी बरामद कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि गंभीर मामलों में तकनीकी और वैज्ञानिक साक्ष्यों का सहारा लेकर अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का सिलसिला आगे भी जारी रहेगा।

सावन में बाबा भोरमदेव के आंगन में 2 अगस्त से सजेगा संभागीय सरस मेला

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा,1 अगस्त। सावन के पवित्र महीने में बाबा भोरमदेव के आंगन पर संभागीय सरस मेला का आयोजन हो रहा है। जिसमें स्व-सहायता समूहों की लखपति दीदियों द्वारा निर्मित शुद्ध स्वदेशी प्राकृतिक एवं गुणवत्तापूर्ण उत्पादों का भव्य प्रदर्शन एवं विक्रय किया जाएगा।यह आयोजन 02 अगस्त से 06 अगस्त 2026 तक भोरमदेव मंदिर के पास ग्राम पंचायत चौरा विकासखंड बोडला में होगा। विश्व प्रसिद्ध भोरमदेव मंदिर की पावन एवं ऐतिहासिक धरा पर आयोजित यह मेला केवल खरीदारी का अवसर नहीं बल्कि ग्रामीण उद्यमिता महिला सशक्तिकरण और स्थानीय संस्कृति का महोत्सव भी है। यहाँ आपको एक ही स्थान पर ताज़े एवं पौष्टिक मिलेट उत्पाद, स्वादिष्ट घरेलू खाद्य सामग्री, वनोपज आधारित उत्पाद जैसे चार चिरौंजी, महुआ एवं अन्य स्थानीय उत्पाद मिलेंगे।इसके साथ ही हस्तशिल्प एवं हस्तकरघा सामग्री बाँस एवं बेंत से बने आकर्षक उत्पाद घरेलू सजावटी वस्तुएँ, पारंपरिक परिधान तथा अनेक प्रकार के अन्य उपयोगी स्वदेशी सामग्रियां भी उपलब्ध होगी।2 अगस्त से प्रारंभ होने वाले पांच दिवसीय संभागीय सरस मेला के संबंध में जानकारी देते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कबीरधाम श्री अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान योजना से जुड़ी महिला स्व सहायता समूह की दीदियों द्वारा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध सामग्रियों से निर्मित विभिन्न उपयोगी वस्तुओं एवं जैविक खाद्य सामग्रियों का उत्पादन करते हुए बहुत ही कम दर पर आम जनता के लिए विक्रय हेतु उपलब्ध कराया जाता है। इन उत्पादों में ग्रामीण महिलाओं की मेहनत और आत्मनिर्भर भारत का संदेश है। सीईओ श्री अभिषेक अग्रवाल ने आगे कहा की आपकी प्रत्येक खरीदारी एक ग्रामीण परिवार की आय बढ़ाती है और महिला उद्यमी का आत्मविश्वास मजबूत करते हुए वोकल फॉर लोकल के संकल्प को साकार करता है। मेले के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन होगा जिसमें लोकनृत्य, लोकगीत की प्रस्तुति विभिन्न कलाकारों द्वारा दी जाएगी। संभागीय सरस मेला में आकर्षक उत्पादकों की प्रदर्शनी सह विक्रय के साथ कला एवं परंपरा की रंगारंग प्रस्तुतियाँ आपका मन मोह लेंगी।मेले में सभी आयु वर्ग के लिए अनेक सामग्रियां उपलब्ध है। उल्लेखनीय है कि संभागीय सरस मेला में दुर्ग संभाग के कबीरधाम सहित जिला दुर्ग, बालोद, राजनंदगांव, बेमेतरा, मोहला- मानपुर- अंबागढ़ चौकी एवं खैरागढ़- छुईखदान- गंडई के अतिरिक्त अन्य ज़िलों की महिला स्व सहायत समूह की दीदियों द्वारा उत्पादित आकर्षक सामग्रियों की प्रदर्शनी सह विक्रय के लिए लगभग 45 से 50 स्टॉल लगाया जाएगा। आप सब 2 अगस्त से 6 अगस्त तक भोरमदेव मंदिर के पास ग्राम चौरा में आयोजित होने वाले संभागीय सरस मेला में अपने परिवार,मित्रों और प्रियजनों के साथ आकर इसका आनंद उठाइए।

पटरीपार वार्ड-59 में 10 लाख रुपये की लागत से सी.सी. रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन

दुर्ग, 1 अगस्त। नगर पालिक निगम दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा शहर के विभिन्न वार्डों में आधारभूत अधोसंरचना को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से निरंतर विकास कार्य कराए जा रहे हैं। इसी क्रम में निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत पटरीपार वार्ड क्रमांक-59 में रंजीता पाटिल निवास के समीप 10 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाले सी.सी. रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने विधि-विधान के साथ संपन्न कराया।भूमिपूजन कार्यक्रम में लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, वार्ड पार्षद नीलम शिवेंद्र परिहार, रंजीता पाटिल, शिवेंद्र परिहार, अरुण सिंह, मनमोहन सिंह सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

एक नजर

हेरोइन को पंजाब से मंगाकर तस्करी करने वाले 6 युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार

भिलाई, 1 अगस्त (तछसं.)। भिलाई हेरोइन को पंजाब से मंगाकर तस्करी करने वाले 6 युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) शोभराज अग्रवाल ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर जुनवानी स्थित शंकराचार्य अस्पताल के पीछे दबिश दिया गया जहां हेरोइन को बेचते हुए विवेकानंद नगर चौकी स्मृति नगर सुपेला निवासी गुरमीत सिंह रंधावा, हाउसिंग बोर्ड जामुल गगनदीप सिंह, शुभम कुमार बैस, क्वार्टर नं. 23-एफ, सड़क नं. 28, सेक्टर-04 जी. विनित, कैंप 02, चटाई क्वार्टर छावनी उत्तम सिंह उर्फ बॉबी, एलआईजी-1/1203, प्रगति नगर, जामुल अब्दुल कादिर को पकड़ा गया। इन के पास से पुलिस ने करीब 18 ग्राम हेरोइन (चिट्टा), 6 नग मोबाइल, नशा सेवन सामग्री जब्त किया गया है कुल कीमत 3.50 लाख रुपए आंकी गई है। पूछताछ करने पर मुख्य आरोपी गुरमीत सिंह रंधावा ने पुलिस को बताया कि चिट्टा को पंजाब से 3 हजार रुपए प्रति ग्राम की दर से खरीदकर लाया जिसे भिलाई-दुर्ग में अपने दोस्तों के साथ मिलकर तस्करी करना स्वीकार किया जिसे 6 हजार रुपए प्रति ग्राम की दर से बेचता था 18 ग्राम हेरोइन 6 मोबाइल जब्त, तीन हजार रुपए प्रति ग्राम विवेचना के दौरान यह भी स्पष्ट हुआ कि आरोपी आपस में गैंग बनाकर मादक पदार्थों के परिवहन, भंडारण और बेचने का काम करते थे स्मृति नगर चौकी पुलिस ने आरोपियों के मोबाइल फोन, अन्य साक्ष्यों के आधार पर उनके संपर्क में रहने वाले युवको सप्लायर, ग्राहकों, वित्तीय लेन-देन करने वालो का नेटवर्क तक पहुंची।

जेवरात चोरी,युवक गिरफ्तार

भिलाई, 1 अगस्त (तछसं.)। भिलाई सुपेला टीआई एस एन सिंह ने बताया कि एसी मरम्मत करने पहुंचे युवक ने जेवरात चोरी करने के मामले में पुलिस ने ब्लॉक-2/10, आईएसएचडीपी आवास, जवाहर नगर निवासी आशुतोष साव को गिरफ्तार किया गया घटना की शिकायत सुपेला निवासी मनोज अग्रवाल ने की थी पत्नी मंजु अग्रवाल ने घर के बेडरूम में रखा जेवरात गायब होने की जानकारी दी खोजबीन करने के बाद जेवरात नहीं मिला आशुतोष साव एसी मरम्मत करने घटना के दो दिन पहले ही आया था घटना के बाद उससे संपर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन युवक बहाने बनाकर मिलने से बचता रहा। संदेह होने पर पुलिस में शिकायत कर उसे पकड़ा गया। बाद में संदेह होने पर प्रार्थी द्वारा संपर्क किए जाने पर आरोपी लगातार बहाने बनाकर बचने का प्रयास करता रहा उसके पास से 2 सोने की अंगूठी, 3 चांदी की अंगूठी, 1 जोड़ी सोने की छोटी बाली जब्त किया गया उक्त सामानों की कीमत 1.50 लाख रुपए की आंकी गई है।

जेवरात हड़पने पर ज्वेलर गिरफ्तार

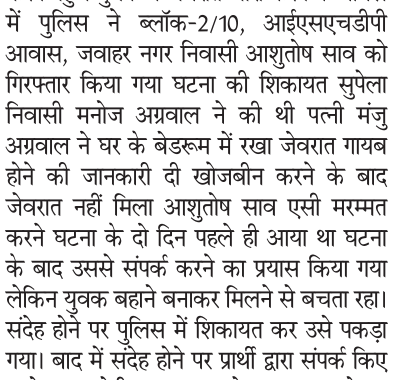

भिलाईनगर,1 अगस्त। भिलाई गिरवी किए गए जेवरात को हड़पने वाले ज्वलर्स संचालक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) शोभराज अग्रवाल ने बताया कि पार्षद भूपेन्द्र यादव की लिखित शिकायत के बाद पुलिस ने? मामले की जांच में जुटी रही दिसंबर 2025 में रकम की आवश्यकता होने पर पत्नी के जेवरात 44.300 ग्राम सोने को जय मातादी ज्वेलर्स, सुभाष मार्केट खुर्सीपार के अमित सोनी के पास रखा था उससे जेवरात को 4.50 लाख में गिरवी पर रखा था। पीड़ित के द्वारा गिरवी राशि वापस लेकर अपने जेवरात छुड़ाने गया लेकिन ज्वेलर्स संचालक अमित सोनी राशि मिलने के बाद भी टालमटोल कर रहा था परेशान होकर घटना की शिकायत पुलिस से की गई जांच के बाद पुलिस ने अमित सोनी को पकड़ा गया।

जिला एवं मंडल स्तर के कार्यक्रम संयोजकों एवं सह-संयोजकों की बैठक तिरंगा यात्रा एवं संगठनात्मक सशक्तिकरण पर की गई चर्चा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई,1 अगस्त। भारतीय जनता पार्टी जिला भिलाई द्वारा आगामी तिरंगा यात्रा के सफल आयोजन एवं संगठनात्मक सशक्तिकरण को लेकर जिला कार्यालय, प्रियदर्शिनी परिसर, सुपेला में जिला एवं मंडल स्तर के कार्यक्रम संयोजकों एवं सह-संयोजकों की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में तिरंगा यात्रा की रूपरेखा, संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों तथा आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए दुर्ग संभाग प्रभारी जगन्नाथ पाणिग्रही ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सबसे बड़ी शक्ति उसका सशक्त संगठन और समर्पित कार्यकर्ता हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मंडल एवं बूथ तक संगठन को मजबूत करते हुए तिरंगा यात्रा को जनभागीदारी का अभियान बनाया जाए, जिससे राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे।जिला प्रभारी श्री रामजी भारती ने कहा कि संगठन की मजबूती निरंतर सक्रियता, अनुशासन और कार्यकर्ताओं के समर्पण से संभव होती है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों, संयोजकों एवं सह-संयोजकों से अपने-अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करने तथा बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ है और उसकी सक्रिय भागीदारी से ही हर अभियान सफल बनता है।जिला अध्यक्ष श्री पुरुषोत्तम देवांगन ने कहा कि तिरंगा यात्रा राष्ट्र के प्रति सम्मान और गौरव का प्रतीक है। उन्होंने सभी जिला एवं मंडल पदाधिकारियों से आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए अधिक से अधिक युवाओं, महिलाओं एवं नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जिला भिलाई की तिरंगा यात्रा अनुशासन, भव्यता और व्यापक जनसहभागिता का उत्कृष्ट उदाहरण बनेगी।बैठक में तिरंगा यात्रा की जिला संयोजक श्रीमती पूनम शुक्ला तथा सह-संयोजक मनोज तिवारी, भारती साहू एवं रश्मी सिंह ने कार्यक्रम की विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तुत की। उन्होंने सभी जिला एवं मंडल स्तर के संयोजकों एवं सह-संयोजकों को समयबद्ध तैयारियां पूर्ण करने, व्यापक जनसंपर्क करने तथा प्रत्येक बूथ तक कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में तिरंगा यात्रा के मार्ग, स्वागत स्थलों, प्रचार-प्रसार, सोशल मीडिया अभियान, अनुशासन व्यवस्था तथा विभिन्न समितियों के गठन पर विस्तार से चर्चा की गई। अंत में सभी उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा तिरंगा यात्रा को ऐतिहासिक एवं सफल बनाने का संकल्प लिया।बैठक में मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष त्रिलोचन सिंह, गोपाल कृष्ण वर्मा, पूनम शुक्ला, जिला महामंत्री मनीष अग्रवाल एवं सुषमा जेठानी, जिला मंत्री विनोद सिंह, रश्मि सिंह, भारती साहू, मनोज तिवारी, जिला कोषाध्यक्ष शैलेंद्र सिंह,कार्यालय प्रभारी योगेंद्र सिंह, कार्यालय सह प्रभारी राजेंद्र सिंह, तिलक राज यादव, कार्यालय मंत्री सचिन ताम्रकार, जिला प्रवक्ता प्रेम लाल साहू एवं विजय सिंह, मीडिया सह प्रभारी सूरज जायसवाल, सोशल मीडिया प्रभारी ज्ञानदास मानिकपुरी एवं दीप पटेल, आईटी सेल बॉबी चौहान, सुभाष शर्मा, मो. जाकिर हुसैन, युवा मोर्चा अध्यक्ष सौरभ जायसवाल,अनुसूचित जनजाति मोर्चा अध्यक्ष तुलसी राम ध्रुव, पिछड़ा वर्ग मोर्चा अध्यक्ष दिनेश देवांगन, अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष खगेश केसरिया, मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह, हीरामन रोहित साहू, गोल्डी सोनी, शशि भगत, तरुण सिंह, रामजी निर्मलकर, कुमन साहू, घनश्याम साहू सहित मंडल महामंत्री, पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हर-हर महादेव के जयघोष के साथ बाबा धाम के लिए श्रद्धालुओं का जत्था रवाना

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 1 अगस्त। सावन माह में भगवान भोलेनाथ की आराधना के पावन अवसर पर नरसिंह राजभर के नेतृत्व में श्रद्धालुओं का एक जत्था शनिवार को झारखंड स्थित विश्व प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ धाम (बाबा धाम) की तीर्थयात्रा के लिए रवाना हुआ। यात्रा प्रारंभ होने से पहले श्रद्धालुओं ने भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर परिवार, समाज, प्रदेश एवं देश की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। इस दौरान ÷हर-हर महादेव÷ और ÷बोल बम÷ के जयघोष से वातावरण पूरी तरह शिवमय हो गया।यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं में असित देव, जे.पी. तिवारी, गोपाल, बी.एल. राजभर, धनंजय शाह, संजय साहू, दीपक राजभर, रितेश (मोबाइल रिपेयर शॉप), रंजीत गुप्ता, शंकर गजपाल, नायुष, कुंभकरण साहू, उदित साहू, फत्ते साहू, पी.सी. राय तथा रवि राजभर प्रमुख रूप से शामिल हैं। यात्रा संयोजक नरसिंह राजभर ने बताया कि सभी श्रद्धालु बाबा बैद्यनाथ के दरबार में जलाभिषेक एवं विशेष पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-शांति, समृद्धि तथा सभी नागरिकों के मंगल की प्रार्थना करेंगे। उन्होंने कहा कि सावन में बाबा धाम की यात्रा का विशेष धार्मिक महत्व है और इस पवित्र यात्रा में शामिल होना प्रत्येक शिवभक्त के लिए सौभाग्य की बात है।श्रद्धालुओं के रवाना होने के दौरान परिजनों, मित्रों एवं शुभचिंतकों ने उनका तिलक लगाकर और पुष्पमालाएं पहनाकर स्वागत किया तथा सफल एवं मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं दीं। पूरे उत्साह और भक्ति भाव के साथ श्रद्धालुओं का जत्था बाबा भोलेनाथ के जयघोष करते हुए बाबा धाम के लिए रवाना हुआ।

दुर्ग की पेयजल व्यवस्था को मिलेगी नई मजबूती, महापौर अलका बाघमार ने ली जल विभाग की समीक्षा बैठक

दुर्ग, 1 अगस्त। नगर पालिका निगम दुर्ग क्षेत्र में नागरिकों को वर्षभर निर्बाध एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने शुक्रवार को जल कार्य विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक लेकर विभागीय कार्यों की समीक्षा की तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जल कार्य विभाग प्रभारी श्रीमती लीना दिनेश देवांगन विशेष रूप से उपस्थित रहीं। महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने कहा कि शहर के प्रत्येक वार्ड में पर्याप्त एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराना नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जलापूर्ति संबंधी शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पेयजल व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने की कार्ययोजना पर प्रभावी ढंग से कार्य किया जाए।

साइकिल वितरण

जामुल, 1 अगस्त। शासकीय हाई स्कूल जामुल में साइकिल वितरण का कार्यक्रम रखा गया था जिसमें शाला विकास समिति के अध्यक्ष श्री लक्ष्मी छतरी प्राचार्य थॉमस मैडम सहमति से नवी क्लास के छात्राओं को साइकिल वितरण किया गया जिसमें उपस्थित मुख्य रूप से जामुल के पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष श्री रेखराम बंछोर शाला विकास समिति के सदस्य संतोष ठाकुर बी आर रामटेके सुनीता देवांगन पूर्व मंडल महामंत्री नूतन वर्मा एवं स्कूल के शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित थे

दो लोगों से मोबाइल छीन लिया

भिलाई,1 अगस्त। भिलाई भट्ठी थाना क्षेत्र के डॉ. भीमराव अंबेडकर पार्क सेक्टर-1 भिलाई में तीन अज्ञात लोगों ने जोमेटो में डिलीवरी ब्वाय और युवती से मरपीट करते हुए मोबाइल छीन लिया। प्रार्थी आयन अली ने भट्ठी ने बताया कि वे जोमेटो में डिलीवरी ब्वाय का काम करते हैं उनके साथ महिला कर्मचारी श्रुति सिंह भी मौजूद थी खुर्सीपार से जोमेटो का डिल्वरी कर अगले आर्डर मिलने पर अपने महिला साथी श्रुति सिंह के साथ अपने स्कूटी से सेक्टर-1 जा रहे थे पार्क के पास पहुंचे थे कि बारिश तेज होने के कारण रेनकोर्ट पहनने रूके थे।

निगम के 7 कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति पर दी गई विदाई

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाईनगर,1 अगस्त। नगर पालिक निगम भिलाई में लंबे समय तक अपनी सेवाएं देने वाले 7 कर्मचारियों के सेवानिवृत्त होने पर विदाई समारोह आयोजित किया गया। निगम आयुक्त स

सुरूचि सिंह की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में सेवानिवृत्त कर्मचारियों को शाल, श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मानित किया गया तथा उनके सेवाकाल के दौरान किए गए कार्यों की सराहना की गई। सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों में सहायक राजस्व अधिकारी धीरज साहू, स्वच्छता पर्यवेक्षक हरिश चन्द्र बारले, पम्प सहायक मदन मोहन तिवारी, नारायण साहू, मजदूर मिलत्तीन बाई, प्रोसेस सर्वर सरोज कन्नौजे एवं सफाई कामगार दुजराम शामिल हैं। निगम आयुक्त ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ एवं सुखद भविष्य की कामना किए। उन्होंने कहा कि शासकीय सेवा में कर्मचारियों द्वारा दी गई जिम्मेदारियों का निर्वहन महत्वपूर्ण होता है। सेवानिवृत्त कर्मचारी अपने अनुभव और कार्यों के माध्यम से निगम की सेवाओं को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देते रहे हैं। समारोह में निगम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के साथ अपने अनुभव साझा किए और उनके कार्यकाल को याद करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर निगम के अधिकारी, कर्मचारी एवं कर्मचारी संघ के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

क्षेत्र की जनता के लिए होता है विकास : विधायक ललित चंद्राकर

1.65 करोड़ से चार वार्डों में होंगे विकास कार्य

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रिसाली, 1 अगस्त। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर और महापौर शशि सिन्हा ने रिसाली के विकास कार्य के लिए शुक्रवार चार अलग-अलग वार्डों में भूमिपूजन किया। क्षेत्र में 1 करोड़ 65 लाख 94 हजार से सड़क, नाली, भवन और सौंदर्यीकरण का कार्य किया जाएगा। इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ने कहा कि क्षेत्र का विकास जनता के लिए होता है।

विधायक ललित चंद्राकर ने भूमिपूजन कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें जनता ने चुनकर अपना प्रतिनिधि बनाया है। विकास कार्य कभी भी व्यक्तिगत नहीं होता। जनता की मांग पर ही योजनाएं तैयार कर उसे अमल पर लाया जाता है। निर्वाचित जनप्रतिनिधि जनता की मंशा अनुरूप कार्य करता है। यही कारण है कि वें लगातार निगम क्षेत्र के अलग-अलग वार्डो तक पहुंच रहे है और मांग अनुरूप भूमिपूजन कर रहे है। उन्होंने नागरिकों को आश्वस्त किया कि विकास कार्य में कभी पैसा बाधा नहीं बनेगा। इस अवसर पर महापौर शशि सिन्हा ने कहा कि क्षेत्र के विकास में सभी का सहयोग आवश्यक है। रिसाली निगम गठन के बाद क्षेत्र में विकास हुआ है और आगे भी कार्य होते रहेंगे। विकास कार्य एक सत्त प्रक्रिया है। भूमिपूजन कार्यक्रम को नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर पार्षद परमेश्वर देवदास, राहुल राय, ममता सिन्हा, ईश्वरी साहू, सरिता देवांगन, सारिका साहू, शीला नारखेड़े, डॉ सीमा साहू, सविता ढवस, गजेन्द्र कोठारी, रमा साहू, मनीष यादव, धर्मेन्द्र भगत समेत मण्डल अध्यक्ष राजू जंघेल व अनुपम साहू उपस्थित थे।

वार्ड क्र. 32 नेवई भाठा में नाली, सीसी रोड व सौंदर्यीकरण के तीन कार्यों के लिए कुल 19.48 लाख शासन ने स्वीकृत की है। इसी तरह वार्ड क्र. 33 नेवई बस्ती पूर्व में 45 लाख 48 हजार की राशि से कुल दस कार्य, वार्ड क्र. 34 नेवई बस्ती पश्चिम में 29 लाख 45 हजार से चार कार्य और वार्ड क्र. 21 सूर्या नगर में 71 लाख 53 हजार की राशि से कुल सात विकास कार्य होंगे।

पूर्व मुख्यमंत्री पं रविशंकर शुक्ल एवं विद्याचरण शुक्ल जयंती समारोह 2 को

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 1 अगस्त। स्वतंत्रता सेनानी, अविभाजित मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री पंडित रविशंकर शुक्ल तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री पंडित विद्याचरण शुक्ल की जयंती 2 अगस्त को सेक्टर-9 स्थित पंडित रविशंकर शुक्ल प्रतिमा स्थल पर मनाई जाएगी। समारोह सुबह 9 बजे से प्रारंभ होगा।जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग के अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर एवं शुक्ल सांस्कृतिक एवं सामाजिक समिति के महासचिव मनोज मिश्रा ने बताया कि कार्यक्रम में कांग्रेसजन, शुक्ल समर्थक और भिलाई इस्पात बिरादरी के सदस्य श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे। उन्होंने सभी नागरिकों से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है। पंडित रविशंकर शुक्ल को भिलाई इस्पात संयंत्र की स्थापना में उनकी दूरदर्शी भूमिका के लिए याद किया जाता है। वहीं, नौ बार लोकसभा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री रहे विद्याचरण शुक्ल ने राष्ट्रीय राजनीति में महत्वपूर्ण योगदान दिया। दोनों महान नेताओं की स्मृति में यह आयोजन प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है।

पुलिस ने गुम 201 मोबाइल ढूंढकर लोगों को लौटाए

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दुर्ग, 1 अगस्त। दुर्ग पुलिस की एंटी क्राइम एवं साइबर यूनिट तथा जिले के थानों की टीम ने जनसेवा और सुरक्षा की दिशा में एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने विभिन्न स्थानों से खोज निकाले गए कुल 201 गुम मोबाइल फोन उनके वास्तविक स्वामियों को वापस लौटा दिए हैं। बरामद मोबाइल फोन की कीमत लगभग 45 लाख रुपए आंकी गई है दुर्ग डीआईजी विजय अग्रवाल ने पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित एक पत्रकार वार्ता में इस पूरी कार्रवाई का सविस्तार खुलासा किया और अपने हाथों से मोबाइल मालिकों को उनके फोन सौंपे खोया हुआ फोन वापस मिलते ही आवेदकों के चेहरे खुशी से खिल उठे दुर्ग डीआईजी विजय अग्रवाल ने बताया कि मोबाइल गुम होने पर पीड़ितों ने संबंधित थानों में शिकायत दर्ज कराने के साथ-साथ भारत सरकार के सीईआईआर पोर्टल में अपनी रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसके बाद एंटी क्राइम एवं साइबर यूनिट तथा थानों की संयुक्त टीमों ने तकनीकी विश्लेषण, आईएमईआई ट्रैकिंग और निरंतर निगरानी के माध्यम से इन 201 मोबाइलों को ट्रेस कर सफलता पूर्वक बरामद किया उन्होंने बताया कि पुलिस की इस बरामदगी अभियान का दायरा काफी व्यापक रहा। भिलाई और दुर्ग शहर के अलावा छत्तीसगढ़ के बालोद, बेमेतरा तथा राजनांदगांव जिलों से गुम फोन बरामद किए गए। वहीं, पुलिस टीमों ने अंतर्राज्यीय स्तर पर कार्रवाई करते हुए बिहार, आंध्र प्रदेश और मध्य प्रदेश जैसे दूरस्थ राज्यों से भी मोबाइल फोन ट्रैक कर वापस मंगाए मोबाइल स्वामियों ने जताया आभार पत्रकार वार्ता के दौरान कंट्रोल रूम में कई मोबाइल स्वामी भी व्यक्तिगत रूप से उपस्थित थे। लंबे समय से खो चुके अपने कीमती मोबाइल और उसमें मौजूद महत्वपूर्ण डेटा को वापस पाकर उन्होंने दुर्ग पुलिस की कार्यप्रणाली, तत्परता और साइबर टीम के प्रयासों की जमकर सराहना की तथा पुलिस प्रशासन के प्रति अपना आभार व्यक्त किया। इस दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने साइबर सुरक्षा के प्रति तकनीकी जानकारी देकर मौजूद लोगों को जागरूक किया

एक नजर

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने भारत में लॉन्च की ऑल-न्यू हीलक्स

रायपुर, 1 अगस्त। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने भारत में अपनी नई ऑल-न्यू हीलक्स लॉन्च कर एसयूवी पोर्टफोलियो को और मजबूत किया है। नौवीं पीढ़ी की यह पिकअप टोयोटा की विश्वसनीयता, मजबूती और दमदार प्रदर्शन का नया उदाहरण है। आईएमवी प्लेटफॉर्म पर विकसित नई हीलक्स को हेवी-ड्यूटी कार्यों, शहरी ड्राइविंग और एडवेंचर तीनों जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इसमें साइबर सूमो डिज़ाइन से प्रेरित नया फ्रंट-एंड, चौड़ा ग्रिल, स्कल्प्टेड हुड और मस्कुलर लुक दिया गया है, जो इसे पहले से अधिक आकर्षक और दमदार बनाता है। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के चेयरमैन, एमडी एवं सीईओ मसाकाजु योशिमुरा ने कहा कि कंपनी ग्राहकों की बदलती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए भरोसेमंद और टिकाऊ मोबिलिटी समाधान उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। वहीं डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर तदाशी असाजुमा ने कहा कि नई हीलक्स आधुनिक ग्राहकों की लाइफस्टाइल और प्रोफेशनल जरूरतों के अनुरूप बेहतर डिजाइन, दमदार परफॉर्मेंस और टोयोटा की प्रसिद्ध ड्यूरेबिलिटी का बेहतरीन संयोजन है। नई हीलक्स को हेडलैम्प गार्निश, डोर गार्निश, साइड वाइज़र और अन्य जेन्युइन एक्सेसरीज़ के साथ कस्टमाइज़ करने का विकल्प भी मिलेगा, जिससे ग्राहक अपनी पसंद के अनुसार इसे और आकर्षक बना सकेंगे।

रायपुर में नई काइनेटिक ईवी डीलरशिप का शुभारंभ, छत्तीसगढ़ में नेटवर्क हुआ मजबूत

रायपुर 1 अगस्त। काइनेटिक इंडिया की इलेक्ट्रिक वाहन इकाई काइनेटिक वाट्स एंड वोल्ट्स लिमिटेड ने रायपुर में अपनी नई ईवी डीलरशिप 'काइनेटिक ईवी ङ्क श्री श्याम मोटर्स' का शुभारंभ किया है। इसके साथ ही कंपनी ने छत्तीसगढ़ में अपने रिटेल नेटवर्क का विस्तार करते हुए इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को ग्राहकों के और करीब पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। नई डीलरशिप पर बिक्री, सर्विस और स्पेयर पार्ट्स की एकीकृत सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जिससे ग्राहकों को बेहतर आफ्टर-सेल्स सपोर्ट और सहज स्वामित्व अनुभव मिलेगा। कंपनी का लक्ष्य रायपुर एवं आसपास के क्षेत्रों में बढ़ती इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग को भरोसेमंद और किफायती विकल्पों के माध्यम से पूरा करना है। काइनेटिक वाट्स एंड वोल्ट्स के वाइस चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर अजिंक्य फिरोदिया ने कहा कि रायपुर जैसे उभरते शहर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के लिए बड़े अवसर प्रदान करते हैं और कंपनी अपने विश्वसनीय उत्पादों के जरिए ग्राहकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए प्रतिबद्ध है। वहीं, श्री श्याम मोटर्स के डीलर प्रिंसिपल आकाश अग्रवाल ने कहा कि काइनेटिक की मजबूत विरासत और उत्कृष्ट ग्राहक सेवा के साथ कंपनी रायपुर के ईवी बाजार में मजबूत पहचान बनाने के लिए उत्साहित है। कंपनी ने बताया कि रायपुर डीलरशिप के बाद छत्तीसगढ़ के अन्य प्रमुख शहरों में भी अपने रिटेल और सर्विस नेटवर्क का विस्तार किया जाएगा। काइनेटिक की नई ईवी रेंज में आधुनिक तकनीक, मजबूत मेटल बॉडी, 37 लीटर अंडर-सीट स्टोरेज और परिवारों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किए गए फीचर्स शामिल हैं।

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में बंधन बैंक के कारोबार में 11% की बढ़ोतरी

रायपुर 1 अगस्त। बंधन बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के वित्तीय नतीजे घोषित करते हुए बताया कि बैंक का कुल कारोबार सालाना आधार पर 11 प्रतिशत बढ़कर 3.2 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। इस दौरान कुल लोन बुक 16 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1.56 लाख करोड़ रुपये और कुल डिपॉजिट 7 प्रतिशत बढ़कर 1.65 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। कुल जमा में रिटेल डिपॉजिट की हिस्सेदारी 74 प्रतिशत रही, जबकि कासा अनुपात 29.4 प्रतिशत और कैपिटल एडिक्वेसी रेश्यो 18.2 प्रतिशत दर्ज किया गया। पहली तिमाही में बैंक का शुद्ध मुनाफा 502 करोड़ रुपये रहा। बंधन बैंक वर्तमान में देश के 35 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में करीब 6,400 बैंकिंग आउटलेट्स के माध्यम से 3.2 करोड़ ग्राहकों को सेवाएं दे रहा है। बैंक के एमडी एवं सीईओ पार्थ प्रतिम सेनगुप्ता ने कहा कि पहली तिमाही का प्रदर्शन बैंक की मजबूत कारोबारी रणनीति, टीम की प्रतिबद्धता और ग्राहकों के विश्वास का परिणाम है। उन्होंने बताया कि बैंक ग्राहक-केंद्रित सेवाओं, डिजिटलीकरण, रिटेल पोर्टफोलियो के विस्तार और वितरण नेटवर्क को मजबूत बनाकर संतुलित एवं सतत विकास की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा है।

हर-हर महादेव के जयकारे से शुरू होगा प्राण प्रतिष्ठा समारोह

राजनांदगांव , 1 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। न्यू खंडेलवाल कॉलोनी स्थित राम - लक्ष्मण वाटिका में भगवान भोलेनाथ के साथ शिव गणों की स्थापना का शुभारंभ कल 1 अगस्त को भगवान भोलेनाथ की शोभा यात्रा एवं कलश यात्रा के साथ होगा । मंदिर समिति के सदस्यों ने सभी श्रद्धालुओं से उक्त अवसर पर उपस्थिति दर्ज कराते हुए पुण्य प्राप्त करने का आव्हान किया है । भगवान भोलेनाथ की स्थापना का तीन दिवसीय आध्यात्मिक एवं धार्मिक आयोजन 1 अगस्त को कलश यात्रा के साथ प्रारंभिक चरण पर होगा । शनिवार की सुबह 10 बजे मंदिर प्रांगण राम - लक्ष्मण वाटिका से भोलेनाथ की शोभायात्रा निकाली जाएगी । श्रावण मास के तीसरे दिन न्यू खंडेलवाल कॉलोनी से लेकर आसपास की कॉलोनियों में हर ..हर महादेव के जयकारों के साथ आयोजन का संदेश श्रद्धालुओं तक पहुंचाया जाएगा । मंदिर समिति ने पवित्र श्रावण मास में देवों में देव भोले शिव शंकर का आशीर्वाद सभी को मिलता रहे इस उद्देश्य से कॉलोनी में शिव गणों के साथ शिवजी की स्थापना का निर्णय लिया है , जो मानवीय जीवन में आने वाली हर विपत्ति से सभी की रक्षा करने वाला सिद्ध होगा । भगवान भोलेनाथ सभी की मनोकामना पूर्ण करते हुए सभी को स्वस्थ रखें।

संस्कारधानी में कल बिखरेगा वृहद हरेली महोत्सव का रंग

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 1 अगस्त। छत्तीसगढ़ का प्रथम लोक पर्व 'हरेली' इस बार संस्कारधानी नगरी राजनांदगांव में बेहद धूमधाम से मनाया जा रहा है. पर्व के सप्ताह भर पहले, 2 अगस्त को शहर के स्टेट स्कूल मैदान में ÷प्रदेश स्तरीय वृहद हरेली महोत्सव एवं पर्यावरण नवजागरण सभा÷ का विशाल आयोजन होने जा रहा है. 'सद्गुरु कबीर धर्मदास वंशावली मिशन' (स्यष्ठङ्क मिशन) द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी लोक-संस्कृति, पारंपरिक खेल, लोक-संगीत और पर्यावरण संरक्षण का अनूठा संगम देखने को मिलेगा.

प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में एसकेडीवी मिशन के महासचिव एमन दास, प्रगतिशील कृषक एवं सामाजिक कार्यकर्ता बिसेसर दास, मिशन के राष्ट्रीय प्रतिनिधि प्रमोद साहू, राज्य प्रतिनिधि महंत आरती दास, जिला प्रतिनिधि उत्तम साहू आदि) ने बताया कि सद्गुरु कबीर साहेब की कृपा तथा पंथ हुजूर प्रकाशमुनि नाम साहेब व पंथ हुजूर उदितमुनि नाम साहेब के आशीर्वाद से यह आयोजन किया जा रहा है. जिसमें पूरे प्रदेश भर के कबीर अनुयाई और हरित प्रेमी जनों सहित छत्तीसगढ़ी लोक कला अनुरागियों का जमावड़ा होने जा रहा है.

प्रेस वार्ता में बताया गया है कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाना और वृक्षारोपण करना है. इसके साथ ही अचंल के प्रथम त्यौहार हरेली का आयोजन वृह रूप से किया जाएगा जिसमें टेड़ेसरा आश्रम में वृक्षारोपण पश्चात बाईक रैली शोभायात्र के रूप में शहर के कबीर चौक पहुंचेगी फिर वहां से हरेली रैली शोभायात्रा छत्तीसगढ़ के पारंपरिक सांस्कृतिक लोक गीत नृत्य के साथ आगे बढ़ते हुए कार्यक्रम स्थल स्टेट स्कूल मैदान पहुंचेगी. जहाँ पर छत्तीसगढ़ के लोक खेल- जैसे फुगड़ी, गेड़ी दौड़, रस्सी खिच जैसे अनेक खेल का आयोजन किया गया है.

कबीर अनुयाई बिसेसर दास ने बताया कि इस पारंपरिक खेल आयोजन में कबीर पंथियों के अलावा कोई भी आम जन निःशुल्क भाग ले सकते है. भाग लेने वाले एवं विजेता खिलाड़ी को एसकेडीवी मिशन द्वारा प्रशस्ति पत्र से सम्मानित कर लोक खेल के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा.उन्होंने बताया कि इस आयोजन में छत्तीसगढ़ी व्यंजन का स्वाद लिया जा सकेगा. जिसका सामुहिक आनंद हेतु सबके लिए बराबर का अवसर रखा गया है. इसके अलावा सुप्रसिद्ध गायिका कविता वासनिक का गायन, तरूणा साहू की पंडवानी,हिमानी वासनिक का भरथरी की प्रस्तुति के साथ ही छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध बांसगीत का भी मंचीय प्रस्तुति आयोजित है. इसके साथ ही बस्तर के कलाकारों को भी लोक नृत्य पारंपरिक प्रस्तुति हेतु आमंत्रित किया गया है.कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमनसिंह, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, सांसद संतोष पाण्डे, महापौर मधुसूदन यादव की गरिमामय उपस्थिति सहित एसकेडीवी मिशन के राष्ट्रीय एवं राज्य प्रतिनिधि ,शासन-प्रशासन के अनेक जन प्रतिनिधि, समाज प्रमुख, एसकेडीवी मिशन के तहसील एवं ग्रामीण प्रतिनिधि सहित लगभग 15 से 20 हजार कबीरपंथी अनुयायी एवं आमजन के शामिल होने जा रहे है. कार्यक्रम में शामिल होने वाले सभी आगंतुकों के लिए सद्गुरू भोजन भण्डारे, भोजन प्रसाद की व्यवस्था की गई है।

मेहनतकश श्रमिकों के जीवन में शासन की योजनाएं ला रही महत्वपूर्ण परिवर्तन : रमन सिंह

राजनांदगांव 1 अगस्त। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह आज पद्मश्री गोविंदराम निर्मलकर ऑडिटोरियम राजनांदगांव में आयोजित श्रमिक सम्मलेन एवं श्रम विभाग की जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत हितग्राहियों को राशि वितरण कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने श्रम विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत 1802 हितग्राहियों को 3 करोड़ 43 लाख 74 हजार 970 रूपए की राशि डीबीटी के माध्यम से बैंक खाते में हस्तांतरित किया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि श्रम विभाग की विभिन्न योजना अंतर्गत राजनांदगांव जिले के श्रमिक हितग्राहियों के खाते में डीबीटी के माध्यम से राशि अंतरित की गई है। प्रदेश की आबादी जिसमें 45 प्रतिशत हिस्सा संगठित एवं असंगठित क्षेत्र के श्रमिक हैं, जिनके लिए शासन द्वारा विभिन्न योजनाएं प्रारंभ की गई। जिसका उद्देश्य झुग्गी, झोपड़ी में रहने वाले, मेहनत करने वाले, ईट-पत्थर उठाने वाले, सड़क, पुल-पुलिया एवं भवन निर्माण करने वाले, तेंदूपत्ता संग्राहक, खेती-किसानी एवं मजदूरी करने वाले मेहनतकश श्रमिकों के जीवन में परिवर्तन लाने के लिए शुरू की गई थी एवं सहायता राशि का प्रावधान किया गया था।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना अंतर्गत छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल के बोर्ड परीक्षा में प्रावीण्य सूची के प्रथम 10 में आने पर 1 लाख रूपए की प्रोत्साहन राशि तथा दो पहिया वाहन क्रय किए जाने हेतु 1 लाख रूपए अनुदान राशि प्रदान की जाती है। इसके साथ ही दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना अंतर्गत गुणवत्तायुक्त ई-रिक्शा लिए अधिकतम 1 लाख 50 हजार रूपए का अनुदान दिया जाता है। उन्होंने अधिकारियों को जिले में श्रमिकों के पंजीयन का लक्ष्य बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभी वर्तमान में छत्तीसगढ़ भवन एव अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल अंतर्गत राजनांदगांव में 1 लाख 53 हजार 383 श्रमिक पंजीकृत है। वहीं छत्तीसगढ़ असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल में 1 लाख 18 हजार 608 श्रमिक पंजीकृत है। उन्होंने कहा कि श्रम विभाग की क्षमता एवं संभावनाओं से परिचित है। इसके अनुरूप जिले में श्रमिकों का पंजीयन 1 वर्ष बाद दोगुना करने के निर्देश दिए। जिला पंचायत के माध्यम से हर ग्राम पंचायत में शिविर लगाकर श्रमिकों का पंजीयन बढ़ाने के निर्देश दिए।

छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष श्री राम प्रताप सिंह ने कहा कि गांव, गरीब, किसान, मजदूरी के हित के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है। लाखों परिवारों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। श्रमिक परिवारों को 886 करोड़ रूपए की सहायता प्रदान की गई है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में गांव, गरीब, किसान, मजदूरी के हित में निरंतर कार्य किए जा रहे है। श्रमिकों के बच्चों के लिए अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना प्रारंभ की गई है। जिसके तहत निर्माण श्रमिकों के प्रथम दो बच्चों को कक्षा 6वीं से 12वीं आवासीय विद्यालयों में गुणवत्तायुक्त निःशुल्क शिक्षा प्रदान किया जाता है। श्रमिकों को रोजगार के बेहतर अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। वहीं पात्र श्रमिक शासन की योजनाओं से वंचित न हो इसके लिए लाभ पहुंचाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मंडल के अध्यक्ष श्री योगेश दत्त मिश्रा ने कहा कि राजनांदगांव जिले में श्रमिकों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ मिल रहा है। श्रमिकों के कल्याण के लिए सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं को लागू किया गया है। उन्होंने कहा कि छात्रवृत्ति एवं विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से श्रमिकों के हित के लिए कार्य किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में शिविर लगाकर श्रमिक पंजीयन करने से उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ मिलेगा।

कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि श्रम विभाग की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए श्रमिक सम्मेलन का आयोजन किया गया है। जिले में छत्तीसगढ़ भवन एव अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल अंतर्गत राजनांदगांव में 1 लाख 53 हजार 383 श्रमिक पंजीकृत है। वहीं छत्तीसगढ़ असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल में 1 लाख 18 हजार 608 श्रमिक पंजीकृत है। श्रम विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत 1802 हितग्राहियों को 3 करोड़ 43 लाख 74 हजार 970 रूपए की राशि डीबीटी के माध्यम से बैंक खाते में हस्तांतरित किया गया है। शासन की यह लाभप्रद योजनाएं महत्वपूर्ण स्तंभ की तरह है। जिससे स्वास्थ्य, शिक्षा एवं विभिन्न आयामों में जनमानस को लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि मिनीमाता महतारी जतन योजना अंतर्गत गर्भवती माताओं को 2 प्रसव के लिए एक मुश्त 20 हजार रूपए की सहायता राशि प्रदान की जाती है। यह गर्भवती माताओं के बच्चों के लिए कुपोषण को दूर करने के लिए महत्वपूर्ण योजना है। वही महतारी वंदन योजना के तहत महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रूपए की राशि प्राप्त हो रही है, जो महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा योजना, अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना, मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना, सियान सहायता योजना, मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना, दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना सहित विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदान की।

काँवर यात्रा श्री शिव मंदिर रामनगर से 16 अगस्त को निकलेगी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

सिमगा 1 अगस्त। कर सावन मास में भव्य काँवर यात्रा निकालने एक समिति गठित किया गया जिसमें सिमगा नगर के सभी मोहल्ले के महिला सदस्यों को समिति में रखते हुवे काँवर यात्रा दिनांक 16/08/2026 दिन रविवार को श्री शिव मंदिर कोष्टा तालाब से सुबह 10 बजे निकलेगी यात्रा जयस्तम्भ चौक से होते हुवे पुरानी बस्ती आजाद चौक, सोनकर पारा से श्री सिद्धिश्वर शिव मंदिर नदी किनारे तक जाएगी जहाँ सभी भक्त जल अभिषेक कर भगवान का आशीर्वाद लेंगी समिति में शामिल सदस्य आज शाम 6 बजे श्री शिव मंदिर कोष्टा तालाब सिमगा में महिला काँवर यात्रा 16 तारीख दिन रविवार को निकालने का निर्णय लेते हुवे कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये एक समिति गठित किया गया है जिसमें सभी मोहल्ले से प्रमुख सदस्यों को शामिल किया गया है, यात्रा सुबह 10 बजे निकलेगी यात्रा में सभी माता, बहन पीली साड़ी में रहेगी, कांवड़ स्वयं से लेना है समिति के सभी सदस्य अपने अपने मोहल्ले की माता, बहन को यात्रा में भाग लेने के लिये एकत्रित करेंगे, काँवर यात्रा की समिति में शामिल महिला सदस्य :- रामनगर से - प्रमिला गुप्ता,गौरी शर्मा,ईश्वरी वर्मा, सीमा देवांगन, गायत्री देवांगन, फोकट पारा से :- रुखमणी साहू, दुर्गा राजपूत, उमा पाल, कर्मचारी कॉलोनी से - रजनी दुबे, सरोज साहू, चितरेखा साहू, ब्राम्हण पारा से -सुनीता यादव, राखी भोंसले, रीता पाण्डेय,शंकर नगर से - शारदा सोनी, सीमा देवांगन, वर्षा सोनी, एकता नगर से -संतोषी पटेल, शीतला पारा से - शीतल रमेश सोनी,दुर्गा देवांगन, शारदा भोंसले, बसंती गुप्ता, रत्ना सोनी, उत्तरा, सिविल लाईन से - सरोज देवांगन, रुखमनी मानिकपुरी, सत्यभामा ध्रुव, अहिमन देवांगन,सविता देवांगन, कंकालीन पारा से - नीतू देवांगन,प्रमिला रजक, गायत्री जायसवाल, रेखा देवांगन,अविका विहार कॉलोनी से - लक्ष्मी देवांगन आदि।

नगर पालिका परिषद के ग्राम पंचायत औरठी रकूल में सरस्वती साइकिल योजना के तहत छात्राओं को मिलीं साइकिलें

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

सिमगा 1 अगस्त। ग्राम पंचायत औरठी रकूल में राज्य सरकार की सरस्वती साइकिल योजना के अंतर्गत पात्र छात्र-छात्राओं को साइकिलों का वितरण किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को साइकिलें प्रदान करते हुए अतिथियों ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य दूर-दराज़ के क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थियों को विद्यालय तक आने-जाने में सुविधा उपलब्ध कराना तथा शिक्षा के प्रति उन्हें प्रोत्साहित करना है। उन्होंने छात्रों से नियमित रूप से विद्यालय आने, मन लगाकर पढ़ाई करने और अपने उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया। साइकिल प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि अब उन्हें विद्यालय आने-जाने में काफी सुविधा होगी। अभिभावकों ने भी सरकार की इस पहल की सराहना करते हुए इसे विद्यार्थियों के लिए लाभकारी बताया। कार्यक्रम का समापन सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देने एवं शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालने के साथ हुआ।

सेवानिवृत्त होने पर विष्णु सिंह को दी विदाई

राजनांदगांव 1 अगस्त। (**तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता**)। सेवानिवृत्त प्रधान आरक्षक विष्णु सिंह राजपूत के सम्मान में पुलिस अधीक्षक कार्यालय, राजनांदगांव में आयोजित समारोह में पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा ने उन्हें शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह (मोमेंटो) भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके स्वस्थ, सुखद एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कीर्तन राठौर, नगर पुलिस अधीक्षक श्री के.पी. मरकाम, रक्षित निरीक्षक श्री लोकेश कसेर, पुलिस कार्यालय के मुख्य लिपिक, स्टेनो तथा पुलिस अधीक्षक कार्यालय एवं रक्षित केन्द्र के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने सेवानिवृत्त अधिकारियों के योगदान की सराहना करते हुए उन्हें भावभीनी विदाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह जब दीदी सरिता वर्मा के ई-रिक्शा में बैठकर स्पीकर हाउस के लिए हुए रवाना

- **महिलाएं हो रही सशक्त एवं सक्षम : विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह**
- **महिलाएं चला रही वाहन एवं हवाई जहाज**
- **ई-रिक्शा चालक दीदी सरिता वर्मा के चेहरे पर झलकी खुशी**
- **विधानसभा अध्यक्ष ने श्रमिक महिलाओं को किया प्रोत्साहित**

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 1 अगस्त। संवेदनशील विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह आज पद्मश्री गोविंदराम निर्मलकर ऑडिटोरियम राजनांदगांव में आयोजित श्रमिक सम्मेलन में आयी नया ढाबा की हितग्राही ई-रिक्शा चलाने वाली दीदी श्रीमती सरिता वर्मा के ई-रिक्शा में बैठकर स्पीकर हाउस के लिए रवाना हुए। ई-रिक्शा चालक दीदी श्रीमती सरिता वर्मा के चेहरे पर खुशी झलक रही थी। डॉ. रमन

सिंह ने कहा कि आज के समय में महिलाएं सायकिल, मोटरसायकिल, कार यहां तक की पायलेट बनकर हवाई जहाज भी चला रही हैं। महिलाओं ने शिक्षा के साथ ही सक्षम एवं सशक्त, आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कदम बढ़ाएं हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने श्रमिक महिलाओं का हौसला बढ़ाया। इस दौरान ई-रिक्शा में उनके साथ जिला पंचायत सीईओ श्री दुर्गा प्रसाद अधिकारी एवं श्री सुमीत उपाध्याय उपस्थित रहे। गौरतलब है कि शासन की विभिन्न जनहितकारी योजनाओं से जनमानस की जिंदगी बदल रही है और सामाजिक परिवर्तन एवं जागृति दिखाई दे रही है। जिसकी एक बानगी श्रमिक सम्मेलन में दिखाई दी। श्रमिक महिलाओं ने अपने अनुभव साझा किए।

श्रमिक सम्मेलन के दौरान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने वहां आयी हितग्राही ई-रिक्शा चालक दीदी श्रीमती उषा साहू से बातचीत की। उन्होंने शिक्षा के बारे में जानकारी ली और कहा कि 10वीं के बाद आगे की पढ़ाई जरूर जारी रखें। विधानसभा अध्यक्ष ने श्रीमती उषा साहू के पति से पूछा कि पत्नी जब ई-रिक्शा चलाती है, तो डर तो नहीं लगता। उनके पति श्री भावेश साहू ने बताया कि उन्होंने अपनी पत्नी को ई-रिक्शा चलाना सिखाया है और उसे प्रोत्साहित करते हैं, जिससे उनका घर-परिवार आर्थिक तौर पर मजबूत बनेगा और बचत भी होगी।

अंतर्राज्यीय शातिर चोर गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 1 अगस्त। प्रार्थी उमाशंकर साहू, निवासी कौरिनभांठा, बजरंग वार्ड, राजनांदगांव द्वारा दिनांक 18.07.2026 को थाना बसंतपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि वे अपनी पत्नी के साथ दिनांक 13.07.2026 को नवा रायपुर स्थित अपनी पुत्री से मिलने गए थे। दिनांक 17.07.2026 की रात्रि लगभग 11:30 बजे घर लौटने पर मुख्य गेट एवं चैनल गेट के ताले टूटे मिले। घर के भीतर अलमारी का लॉकर भी टूटा हुआ था तथा उसमें रखे सोने-चांदी के आभूषण, चांदी के सिक्के एवं नगद ?80,000 सहित कुल लगभग ?2.48 लाख मूल्य की संपत्ति अज्ञात चोर चोरी कर ले गए थे। रिपोर्ट पर थाना बसंतपुर में अपराध क्रमांक 339/2026 अंतर्गत धारा 331(4), 305 भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव सुश्री अंकिता शर्मा (भा.पु.से.) के निर्देशन पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन में नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती वैशाली जैन (भा.पु.से.) के पर्यवेक्षण में थाना बसंतपुर एवं साइबर सेल की संयुक्त विशेष टीम गठित की गई।

निरीक्षक कौशलेश देवांगन , थाना प्रभारी बसंतपुर एवं निरीक्षक विनय पम्मार साइबर थाना के नेतृत्व में पुलिस टीम ने घटनास्थल का सूक्ष्म निरीक्षण कर शहर के विभिन्न चौक-चौराहों एवं मार्गों पर लगे सैकड़ों सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का बारीकी से विश्लेषण किया। लगातार तकनीकी एवं भौतिक साक्ष्य संकलित करते हुए पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग प्राप्त हुए, जिससे आरोपियों के राष्ट्रीय राजमार्ग के रास्ते महाराष्ट्र भागने की पुष्टि हुई। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर संयुक्त पुलिस टीम तत्काल नागपुर (महाराष्ट्र) रवाना हुई। वहां संदेहियों रमाकांत उर्फरामभाऊ एवं वाल्सल सातपुटे को हिरासत में लेकर गहन पूछताछ की गई। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने कौरिनभांठा स्थित सूने मकान में चोरी की घटना को स्वीकार कर लिया। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि आरोपियों ने चोरी किए गए सोने के आभूषणों को गलाकर सोने का डल्ला तैयार कर लिया था।

सिमगा 1 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जगह जगह मे बाढ़ जैसे हालत और जल भराओ से जनता परेशान है पिने के जल की भी पूर्ति नहीं हो पा रही है ऐसे मे आफत के रूप मे सिमगा से बेमेतरा पूराना पुल अवरुद्ध होने से जल आपूर्ति व मार्ग अवरुद्ध से सिमगा की जनता परेशान सिमगा बेमेतरा पुराने पुल मे बेरीकेट लगा कर जन रक्षा करने की कोशिश।

ईमानदार नहीं होने पर ईमानदार बनाना पड़ता है

आदमी ईमानदार होता है तो उसे ईमानदा्र बनाने की जरूरत नहीं होती है। आदमी ईमानदार नहीं होता है तो उसे ईमानदार बनाना पड़ता है। आदमी ईमानदार होता है तो घर,समाज व सरकार को किसी तरह की परेशानी नहीं होती है,क्योंकि वह अपना काम ईमानदारी से करता है,ईमानदारी से काम किया जाता है तो काम के परिणाम अच्छा होता है यानी काम के परिणाम से ही पता चल जाता है कि काम करने वाला काम के प्रति कितना ईमानदार है।इसी तरह जब आदमी ईमानदार नहीं होता है तो वह काम भी ईमानदारी से नहीं करता है।इस वजह से उसके काम का रिजल्ट भी अच्छा नहीं आता है।उसके काम के रिजल्ट से पता चल जाता है कि वह काम ईमानदारी से नहीं कर रहा है। आदमी ईमानदार नहीं है तो उसे घर हो,समाज हो,सरकार हो वह उसे कई तरह से ईमानदार बनाने का प्रयास करते है।घर वाले डांटते हैं,समझाते हैं,समाज वाले भी कई तरह के आयोजन कर समझाते हैं कि ईमानदार होने के क्या फायदे हैं और ईमानदार न होने के क्या नुकसान है। इसके बाद सरकारी दफ्तर हो या निजी संस्थान वहां भी पहले तो समझाया जाता है ईमानदारी के अपना काम करो।समय पर दफ्तर आओ,लोग समय पर दफ्तर आते और अपना काम ईमानदारी से करते तो आज भी हर सरकारी दफ्तर व निजी दफ्तर में एक रजिस्टर होता जिसमें लोग समय पर दस्तखत करके और आने का समय डाल देते और मान लिया जाता कि कर्मचारी समय पर आकर अपना काम कर रहा है। समय के साथ लोग दफ्तर आने व काम के प्रति ईमानदार नहीं रहे तो उनको ईमानदार बनाने के प्रयास शुरु हुए। यानी तुम ईमानदार नहीं हो तो हम तुमको ईमानदार बनाएंगे। जब आदमी ईमानदार नहीं रह जाता है और उसे ईमानदार बनाने का प्रयास किया जाता है तो वह विरोध करता है लेकिन वह जितना विरोध करता है और बेईमानी करने का प्रयास करता है तो उसे ईमानदार बनाने के प्रयास और कड़े होते जाते हैं। पहले दस मिनट देरी हो जाती थी तो ध्यान नहीं दिया जाता था तब हाजिरी के लिए दफ्तर में अंगूठा लगाने वाला मशीन लगा दी गई यानी पर जिस वक्त अंगूठा लगाएंगे तो मशीन समय दर्ज करेगी और यह बतायेगी कि आप लेट आए हो या समय पर आए हो।दफ्तर से गए तो कब गए। बहुत सारे लोग आज भी काम के प्रति ईमानदार नहीं हैं इसलिए आज भी लोगों को नई नई तकनीक के जरिए ईमानदार बनाने का प्रयास किया जा रहा है। चाहे सरकारी दफ्तर हो या निजी संस्थान आज तो आन लाइन व एप के जरिए उपस्थिति दर्ज कराई जा रही है। तकनीक के कारण आदमी जितनी बेईमानी पहले कर लेता था आज नहीं कर पा रहा है तो तकनीक का ही विरोध करता है और तकनीक से बचने के लिए वह कई तरह के बहाने बनाता है। राशन दुकान वाले तकनीक के कारण पहले की तरह धांधली नहीं कर पाते हैं तो तकनीक के विरोध के कई बहाने बनाते है। दफ्तर में काम करने वाले तकनीक के कारण पहले की तरह घूस नहीं ले पाते हैं तो वह लोगों को समय पर खुद काम नहीं करते हैं और उसका दोष तकनीक पर डालते हैं ताकि लोग सरकार से शिकायत करें कि तकनीक के कारण उनका काम जल्दी नहीं होता है।शिक्षा विभाग में भी शिक्षकों के समय पर स्कूल नहीं आने, रोज स्कूल नहीं आने, अपनी जगह किसी दूसरे को पढ़ाने भेजने आदि कई तरह की बेईमानी को देखते हुए यह व्यवस्था की गई है कि वह एक एप के जरिए अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं। जैसे बाकी लोग तकनीक के कारण बेईमानी नहीं कर पाते हैं वैसे ही वे शिक्षक जो अपना काम ठीक से नहीं कर रहे हैं,स्कूल समय पर नहीं आते है, कई दिन स्कूल नहीं आते हैं लेकिन वेतन सभी दिनों को लेते हैं। ऐसे शिक्षकों सुधारने के लिए,ईमानदार बनाने के लिए शिक्षा विभाग में व्यवस्था बनाई गई है कि अब सभी शिक्षकों को एप के माध्यम से उपस्थित दर्ज करानी है,यह शिक्षको को उनके संगठन को पसंद नहीं आ रहा है और उन्होंने कई बहानों से इसका विरोध शुरू कर दिया है क्योंकि तकनीक के जरिए तो उनको उतने ही दिन का वेतन मिलेगा जितने दिन उन्होंने एप के माध्यम से उपस्थिति दर्ज कराई है। शिक्षकों की आदत हो गई है कि वह काम करें या करे उनको पूरे तीस दिन का वेतन मिलना चाहिए।अब तकनीक के कारण उनको उतने ही दिन का वेतन मिलेगा जितने दिन स्कूल जाएंगे,काम करेंगे तो उनको बुरा लग रहा है। यह सच है कि नेटवर्क व एप की अपनी समस्या हो सकती है लेकिन इनका उपयोग वास्तव शिक्षकों को परेशान करने के लिए नहीं किया जा रहा है, इनका उपयोग इसलिए करना पड़ रहा है कि शिक्षकों के काम करने को जो समय है,वह समय पर स्कूल आए और अपना काम करें।यह नहीं होता है खास कर दूरस्थ इलाकों में कई कई दिन शिक्षक स्कूल नही जाते है और किसी को पता नहीं रहता है कि शिक्षक क्यों स्कूल नहीं आ रहा है।किसी जगह नेटवर्क की समस्या है, एप की समस्या है तो वहां पर वैकल्पिक तकनीक का उपयोग किया जा सकता है और शिक्षक हो या कोई कर्मचारी उसको ईमानदार बनाने का काम किया जा सकता है। जैसे कहीं पर मोबाइल से हाजिरी लगाने में कोई दिक्कत है तो वहां पर बायोमेट्रिक मशीन का विकल्प दिया जा सकता है।शिक्षकों सहित हर शासकीय कर्मचारियों को समझना होगा कि उनको तकनीक के जरिए काम के प्रति ईमानदार बनाने का प्रयास किया जा रहा है तो इसका मतलब है कि वह काम के प्रति जितने ईमानदार होने चाहिए उतने ईमानदार नहीं है।मशीनीकरण बढ़ रहा है तो इसकी एक वजह यही है कि आदमी को काम के प्रति जितना ईमानदार होना चाहिए वह समय के साथ उतना ईमानदार नहीं रह गया है।

खेल

खेल में अपनी प्रतिभा को पहचाने और भविष्य संवारें

तेजबहादुर सिंह भुवाल, सहायक जनसंपर्क अधिकारी

एक समय था जब यह माना जाता था कि केवल पढ़ाई-लिखाई ही उज्ज्वल भविष्य और अच्छी नौकरी का मार्ग है। इसी सोच को दर्शाते हुए कहा जाता था- 'पढ़ोगे-लिखोगे बनोगे नवाब, खेलोगे-कूदोगे बनोगे खराब।' लेकिन आज का भारत इस धारणा को पूरी तरह बदल चुका है। इसलिए आज के दौर में यह कहना उचित नहीं होगा कि केवल पढ़ाई-लिखाई ही सफलता का एकमात्र मार्ग है। यदि किसी में खेल के प्रति जुनून, अनुशासन और समर्पण है, तो वह खेलों के माध्यम से भी अपने सपनों को साकार कर सकता है। शिक्षा और खेल, दोनों मिलकर व्यक्तित्व का समग्र विकास करते हैं तथा जीवन में सफलता के नए द्वार खोलते हैं।

खेल केवल शरीर को स्वस्थ रखने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि यह व्यक्तित्व निर्माण, आत्मविश्वास, अनुशासन और सफलता की ऐसी पाठशाला है, जहाँ से भविष्य के विजेता तैयार होते हैं। आज खेलों में करियर की असीम संभावनाएँ हैं। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मान, रोजगार, आर्थिक सुरक्षा और वैश्विक पहचान मिल रही है। ऐसे समय में प्रत्येक युवा के लिए आवश्यक है कि वह अपनी खेल प्रतिभा को पहचाने और उसे सही दिशा देकर अपने भविष्य को संवारे।

हर बच्चे के भीतर कोई न कोई विशेष क्षमता होती है। किसी की गति उसे उत्कृष्ट धावक बनाती है तो किसी की फुर्ती कबड्डी, हॉकी, फुटबॉल, क्रिकेट, तीरंदाजी, बैडमिंटन, वॉलीबॉल या अन्य खेलों में सफलता दिला सकती है। यदि प्रतिभा को समय पर प्रशिक्षण और अवसर मिले, तो वही खिलाड़ी प्रदेश और देश का गौरव बनता है।

खेलों का सबसे बड़ा योगदान यह है कि वे जीवन के महत्वपूर्ण गुणों का विकास करते हैं। अनुशासन, धैर्य, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना, समय प्रबंधन और संघर्ष का साहस खेल के मैदान में ही सीखा जाता है। यही गुण आगे चलकर जीवन के हर क्षेत्र में सफलता की नींव रखते हैं।

छत्तीसगढ़ में खेलों को नया स्वरूप देने की दिशा में राज्य शासन ने उल्लेखनीय प्रयास किए हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी के नेतृत्व में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने, ग्रामीण और जनजातीय अंचलों के युवाओं को अवसर उपलब्ध कराने तथा खेल संस्कृति को मजबूत करने के लिए अनेक पहल की जा रही हैं। प्रदेश में आधुनिक खेल अधोसंरचना का विकास, प्रशिक्षण सुविधाओं का विस्तार, खेल अकादमियों को सुदृढ़ करना तथा विभिन्न स्तरों पर प्रतियोगिताओं का आयोजन इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। इसी के साथ ही इस वर्ष से छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय खेलों इंडिया ट्राइबल गेम्स का सफल आयोजन किया गया है।

विशेष रूप से बस्तर ओलंपिक और सरगुजा ओलंपिक जैसी अभिनव पहल ने खेलों को गाँव-गाँव तक पहुँचाया है। इन आयोजनों ने दूरस्थ वनांचलों और जनजातीय क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया है। परंपरागत खेलों के साथ आधुनिक खेलों को भी बढ़ावा देकर हजारों युवाओं, महिलाओं और बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला है। इन प्रतियोगिताओं ने यह साबित किया है कि अवसर मिलने पर ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों के खिलाड़ी अब राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचने की क्षमता रखते हैं।

इसके साथ ही विद्यालय और महाविद्यालय स्तर पर खेल प्रतियोगिताओं, ग्रामीण खेल आयोजनों, प्रतिभा खोज कार्यक्रमों तथा प्रशिक्षण शिविरों के माध्यम से नई प्रतिभाओं की पहचान की जा रही है। उत्कृष्ट खिलाड़ियों को प्रोत्साहन, सम्मान और विभिन्न सुविधाएँ उपलब्ध कराकर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ सरकार खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य स्तर पर कई पुरस्कार प्रदान करती है। जिसमे गुंडाधुर सम्मान शामिल है। यह छत्तीसगढ़ राज्य अलंकरण के तहत दिया जाने वाला सर्वोच्च खेल पुरस्कार है। यह पुरस्कार बस्तर के वीर नायक गुंडाधुर की स्मृति में, खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्य के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को दिया जाता है। दूसरा महाराज प्रवीरचंद भंजदेव के नाम पर है। यह पुरस्कार विशेष रूप से तीरंदाजी के खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिया जाता है। इसी के साथ छत्तीसगढ़ में खेल प्रोत्साहन योजना भी शुरू की गई है, जिससे युवाओं में खेल का अवसर प्राप्त हो सके।

छत्तीसगढ़ के कई ऐसे खिलाड़ी, जिन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है, जो छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत है। वर्तमान में ज्ञानेश्वरी यादव ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 (ग्लासगो) में महिला 53 किलोग्राम वेटलिफ्टिंग स्पर्धा में रजत पदक जीतकर देश और प्रदेश का नाम रोशन किया। अमितेश कुजूर ने राष्ट्रमंडल खेल में बेहतरीन प्रदर्शन किया। इसी प्रकार अन्य खिलाड़ियों ने भी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेलों में पदक जीतकर छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है।आज खेल केवल खिलाड़ी बनने तक सीमित नहीं हैं। खेल प्रशिक्षक, फिटनेस विशेषज्ञ, खेल प्रबंधन, खेल विज्ञान, खेल पत्रकारिता और खेल प्रशासन जैसे अनेक क्षेत्रों में भी युवाओं के लिए रोजगार और करियर के नए अवसर उपलब्ध हैं। इसलिए खेल को अब केवल शौक नहीं, बल्कि भविष्य निर्माण के प्रभावी माध्यम के रूप में देखा जाना चाहिए।अभिभावकों और शिक्षकों की भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है कि वे बच्चों की रुचि और क्षमता को पहचानें तथा उन्हें खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। पढ़ाई और खेल एक-दूसरे के पूरक हैं। स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन ही उत्कृष्ट शिक्षा और सफल जीवन का आधार बनते हैं। आज जब डिजिटल दुनिया बच्चों को मैदान से दूर कर रही है, तब आवश्यकता है कि उन्हें फिर से खेल मैदानों की ओर प्रेरित किया जाए। मैदान में बिताया गया समय केवल शरीर को ही नहीं, बल्कि व्यक्तित्व, सोच और नेतृत्व क्षमता को भी मजबूत बनाता है।

खेल हमें सिखाते हैं कि हर जीत के पीछे निरंतर अभ्यास, अनुशासन और संघर्ष छिपा होता है। इसलिए अपनी प्रतिभा को पहचानिए, शासन, प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे अवसरों का भरपूर लाभ उठाइए और बस्तर ओलंपिक, सरगुजा ओलंपिक, राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय जैसे आयोजनों को अपने सपनों की उड़ान का मंच बनाइए। आज का खिलाड़ी ही कल का चौंपियन, प्रदेश का गौरव और देश का भविष्य है।

सू- दोकू क्र.117

	8				1		5	
6			8			2		3
	3				2		1	
		3		9		5		4
5			3				9	
		4		2				6
4			2		3		6	
		6				8		7
	2	9	7		6			

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 116 का हल

5	3	9	7	4	8	6	2	1
2	1	6	5	9	3	4	7	6
4	7	8	1	6	2	3	5	9
3	6	1	8	5	9	2	4	7
8	5	2	3	7	4	1	9	6
7	9	4	2	1	6	8	3	5
6	4	7	9	2	1	5	6	3
1	8	5	4	3	7	9	6	2
9	2	3	6	8	5	7	1	4

शब्द सामर्थ्य -117

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :
1. लज्जत, जायका 2. मुकाबला, भेंट, होड़ 5. बंदी, कैद की सजा पाने वाला व्यक्ति 7. खल-पात्र, नाटक फिल्म आदि का बुरा पात्र 9. कामी, व्याभिचारी 10. इज्जत जाना, बेइज्जती होना (उपमा)11. ऊटपटांग, विचित्र, कठिन 13. वैभव, ठाट-बाट 14. साथ, सहित 15. कामदेव की पत्नी, प्रेम 16. मैं का बहुवचन 17. दरवाजे-दरवाजे 20. एक राशि, मगर 22. नमी, सीड़, मुहर, ठप्पा 23. औषधालय, चिकित्सालय।

ऊपर से नीचे
1. आत्मनिर्भर, स्वालंबन भावना से युक्त, स्वाश्रित 2. वर्ष, बरस 3. राजी करना, रूठे हुए को खुश करना, प्रसन्न करना 4. नाटक फिल्म आदि का मुख्यपात्र 6. दीवानगी, पागलपन, 7. दो वस्तुओं के टकराने से उत्पन्न ध्वनि, बैर-विरोध, अनबन 8. खीरे की प्रजाति का एक फल 11. बेवकूफ, मूर्ख 12. बादल, मेघ 13. बहुत चालाक, होशियार 14. जिसका मत दूसरे से मिलता हो, 15. दांत, दंत 18. प्राप्ति, वस्तु आदि मिलने का प्रमाण पत्र 19. दंगा-फसाद, उपद्रव विप्लव 21. बचाव, सुरक्षा।

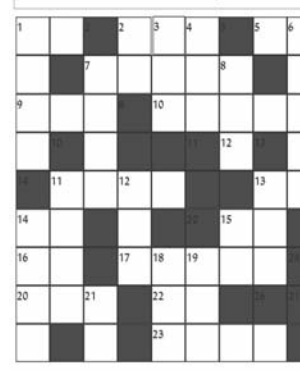

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 116 का हल

ग	ल	त				खा	म	खाँ
णे		ल		झ	प	की		
श	र	ब	त		रं			मि
	ज	गा	ना		प	रा	का	ष्ठा
	नी	र		वि	रा	ज	मा	न
ना	च			प			य	
म	र	णा	स	न्न		पा	नी	
ची			प		पा			भो
न	ज	रा	ना		स	मा	चा	र

मेष राशि-आज का दिन आपके लिए ऊर्जा और उत्साह से भरा रहेगा। आपके सम्मान और मान में बढ़ोतरी होगी, जिससे मन में गर्व और संतोष महसूस होगा। सामाजिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेने से आपकी छवि और निखरेगी। आप अपने धन का कुछ हिस्सा दान-पुण्य में लगाने के लिए सोचेंगे। भाई-बहनों के साथ बेवजह विवाद से बचें, और प्रॉपर्टी संबंधी किसी निर्णय में जल्दबाजी न करें। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी भी मिल सकती है।

वृषभ राशि-आज आप अपने नेतृत्व कौशल और समय प्रबंधन में निखार महसूस करेंगे। अनजान लोगों से दूरी बनाए रखना आपके लिए लाभकारी रहेगा। परिवार के सदस्यों के साथ कहीं घूमने-फिरने का आनंद भी मिलेगा। सेहत पर थोड़ा ध्यान दें और किसी पुराने बिजनेस या निवेश संबंधी समस्या को बातचीत के जरिए सुलझाने की कोशिश करें। परिवार में किसी सदस्य के विवाह प्रस्ताव से माहौल खुशनुमा रहेगा।

मिथुन राशि-आज का दिन आपके लिए अप्रत्याशित लाभ और खुशियों से भरा रहेगा। जीवनसाथी के साथ तालमेल बढ़ाने से रिश्तों की परेशानियां दूर होंगी। नया वाहन खरीदने के अवसर मिल सकते हैं। धन उधार देने में सावधानी बरतें, क्योंकि वापस मिलने की संभावना कम है। राजनीतिक या सामाजिक आयोजनों में हिस्सा लेने से आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कर्क राशि-आज का दिन मिश्रित अनुभव लेकर आएगा, लेकिन फलदायक साबित होगा। श्रेष्ठ व्यक्तियों का मार्गदर्शन आपको अपने काम समय पर पूरा करने में मदद करेगा। भाई-बहनों के साथ संबंध मधुर रहेंगे और किसी विरोधी से बातचीत करने का अवसर मिलेगा। आपकी कोई मनोकामना पूरी होने से मन को बड़ी खुशी मिलेगी। जल्दबाजी में कोई निर्णय लेने से बचें।

सिंह राशि-आज का दिन सामान्य से बेहतर रहने वाला है। बेवजह विवादों से दूर रहें। नौकरी में कोई खुशखबरी मिलने के योग हैं और जिम्मेदारियों में जूनियर्स से सहयोग मिलेगा। संतान की पढ़ाई को लेकर गुरुजनों से बातचीत कर सकते हैं। शौक और मनोरंजन पर आप खर्च करेंगे, जिससे खर्चा बढ़ सकता है, लेकिन मन को संतोष मिलेगा।

कन्या राशि-आज का दिन आपके लिए अनुकूल और सुखद रहेगा। आपकी ऊर्जा और अनुभव आपके काम में लाभ देंगे। संतान से कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। अपनी वाणी और व्यवहार में सभ्यता बनाए रखें। संतान को पढ़ाई-लिखाई के लिए बाहर भेजने के अवसर बन सकते हैं। धार्मिक या सामाजिक आयोजनों में भाग लेने से मानसिक संतोष मिलेगा।

तुला राशि-आज आपको अपनी सेहत पर पूरा ध्यान देना होगा। वरिष्ठ सदस्यों का सहयोग मिलेगा और लंबे समय से रुके हुए काम गति पकड़ेंगे। घर के रिनोवेशन या छोटे निर्माण कार्य की शुरुआत हो सकती है। माताजी से किसी जरूरी काम को लेकर संवाद होगा। कुछ पुराने शत्रु मित्र बन सकते हैं, जिसे देखकर आपको हैरानी होगी।

वृश्चिक राशि-आज आपका रुका हुआ धन मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। नौकरी में समय से काम पूरा करने की कोशिश सफल होगी। साथी की समस्याओं का समाधान निकालेंगे और परिवार में पूजा-पाठ या धार्मिक आयोजन से सब व्यस्त रहेंगे। छोटे बच्चों के साथ कुछ समय मौज-मस्ती में बीतेगा। अगर आपका बिजनेस या धन डूबा हुआ था, तो उसे वापस पाने की संभावना है।

धनु राशि-आज का दिन आपके लिए लाभदायक और उत्साहवर्धक रहेगा। धर्म-कर्म के कामों में रुचि रहेगी। संतान की परीक्षा या कार्यक्षेत्र में अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। मौज-मस्ती में समय बिताएंगे और मेहनत का फल भी प्राप्त करेंगे। जरूरी जानकारी साझा करने में सतर्क रहें। पारिवारिक मामलों को मिल बैठकर सुलझाने की कोशिश करेंगे। बॉस से प्रमोशन को लेकर बातचीत हो सकती है।

मकर राशि-आज आपको विपरीत परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखना होगा। सोच-समझकर कदम उठाने से काम पूरे होंगे। पैतृक संपत्ति के मामलों में सफलता मिलेगी। यदि आपने किसी से धन उधार लिया था, तो वह वापस मांग सकता है। आर्थिक स्थिति मजबूत करने की कोशिश करेंगे। वाहन चलाने या किसी सहयोगी से मदद लेने में सतर्क रहें। नई कोशिशें सफल होंगी।

कुंभ राशि-आज जोखिम भरे कामों से दूर रहें। भाग्य आपका पूरा साथ देगा। कारोबार में आय के नए स्रोत खुल सकते हैं। किसी सहयोगी से अनावश्यक कहासुनी हो सकती है। शारीरिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें। कार्यक्षेत्र में कोई आपको धोखा देने की कोशिश कर सकता है, इसलिए सतर्क रहें। परिवार में किसी सदस्य के विवाह प्रस्ताव से माहौल खुशनुमा रहेगा।

मीन राशि-आज का दिन सोच-समझकर काम करने का रहेगा। संतान के करियर को लेकर चिंता हो सकती है। बिजनेस में जोखिम से बचें और अनजान लोगों से दूरी बनाए रखें। माता-पिता की सेहत पर ध्यान दें। परिवार के साथ मौज-मस्ती और घूमने-फिरने का समय अच्छा रहेगा।

एक अगस्त ओरल हाइजिन डे पर विशेष

दांत हमारे शरीर का अभिन्न अंग, दांतों के दर्द से निजात पाना रूट कैनाल उपचार प्रभावी समाधान : डॉ. नवाज

डॉ.एम.एस.नवाज ने मौखिक स्वच्छता दिवस के उपलक्ष्य जानकारी साझा करते हुए बताया की जिस प्रकार हमारे शरीर को अच्छा और स्वस्थ्य बनाए रखना महत्वपूर्ण है उसी प्रकार दांतों एवं ओरल हेल्थ की सही देखभाल करना उतना ही जरूरी है दांत हमारे शरीर का वो हिस्सा है जो भोजन को चबाने में हमारी मदद करते है एवं खूबसूरती के लिहाज से भी अहम भूमिका निभाते है।

ओरल हाइजीन क्यों महत्वपूर्ण है?-मुंह का स्वास्थ्य पूरे शरीर के स्वास्थ्य से जुड़ा होता है यदि मुंह में कोई संक्रमण है तो लार एवं थूक के माध्यम से पेट में फिर रक्त के माध्यम से बैक्टीरिया शरीर के अन्य हिस्सों तक पहुंच सकते है जिसमें ह्रदय रोग,डायबिटीज न्यूमोनिया,गर्भावस्था संबंधी जटिलताएं जैसे समय से पहले जन्म और कम वजन वाले बच्चे एवं अल्जाइमर रोग जो भूलने की बीमारी है एवं एचआईवी/एड्स और स्ट्रोक जैसी अन्य समस्या भी हो सकती है मौखिक स्वच्छता की देखभाल से दांतों की सड़न मसूड़ों की बीमारी मुंह से दुर्गंध और अन्य समस्याओं जैसी मौखिक स्वास्थ्य समस्याओं को शुरू होने से पहले ही रोक सकते है दांतों और मसूड़ों को स्वस्थ रखना समग्र स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

अच्छी मौखिक स्वच्छता के क्या फायदे हैं?-स्वास्थ्य दांत से एक खूबसूरत मुस्कान,सांसों में ताजगी,फिलिंग क्राउन ब्रिज इंप्लांट या डेंचर जैसे दंत उपचारों की आवश्यकता कम पड़ती है एवं मुंह के कैंसर का खतरा कम हो जाता है ह्रदय रोग,मधुमेह और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा कम हो जाता है आपातकालीन दंत चिकित्सा उपचार की तुलना में अधिक किफायती भी है। डॉ.मो.सबा नवाज ने बताया की उचित मौखिक स्वच्छता ही सर्वोत्तम मौखिक स्वच्छता की कुंजी है दांतों में कैविटी का बनना एक आम समस्या है जो अधिक लोगों को परेशान करती है दांत में दर्द आम है बच्चों से लेकर बूढ़े तक दांत में दर्द हो सकता है दांत में दर्द के कारण खाना पीना उठने-बैठने के साथ सोना लेटना भी मुश्किल होता है।डॉ.नवाज ने बताया की दांत में दर्द हुआ तो लोग मेडिकल शॉप यानी दवा दुकान से दवा बार बार लेकर खाते है जो इलाज नहीं है समस्या को और गंभीर बनाना और बढ़ावा देने जैसा है डॉक्टर के परामर्श अनुसार ही दवा लेना चाहिए जब दर्द अधिक होता है तो रूट कैनाल ट्रीटमेंट की सलाह दी जाती है पहले संक्रमित दांतों को निकालना ही इस समस्या का एक मात्र सामान्य समाधान था लेकिन अब इस प्रकार की समस्या से निपटने के लिए कई उपचार व समाधान सामने आए हैं ऐसे दंत समस्या से निपटने के लिए रूट कैनाल उपचार एक ऐसा उपाय है जो मरीज़ को राहत पहुँचाती है बहुत से लोग रूट कैनाल उपचार जानते हैं परन्तु जो लोग नहीं जानते उन्हें इस उपचार की जानकारी होना आवश्यक है।

कब पड़ती है रूट कैनाल की जरूरत?-अगर दांतों में दर्द है तो डॉक्टर के द्वारा पहले दर्द के कारण का पता लगाया जाता है ज्यादा तर मामलों में रूट कैनाल के द्वारा ठीक किया जा सकता है अगर दर्द दांतों में सड़न या चोट लगने से दांतों के नीचे मसूड़ों में सूजन या गांठ हो या दांतों का रंग बदल गया हो या अधिक समय जोड़ जोड़ से ब्रश या दातुन करने से दांत घिस गए हो या दांतों में झनझनाहट हो या ठंडा गर्म महसूस होता हो या दांतों में अधिक डेंटल एट्रिशन हो यानी दांत का क्राउन हिस्सा बुरी आदत या नींद में दांत घिसने के कारण दांत अधिक घिस गया हो या पेरिआपिकल संक्रमण पस सूजन मवाद आदि समस्याओं को रूट कैनाल के द्वारा ठीक किया जा सकता है अगर दांतों की स्थिति बहुत ही ज्यादा खराब हो चुकी है तभी दांत निकालने की सलाह दी जाती है.हर दांत के अंदर एक नरम हिस्सा होता है जिसे पल्प या दांतों की नस कहते है जब कैविटी बड़ी यानी दांतों की सड़न गहरी हो जाती तो यह नस तक पहुंच जाती है जिससे तेज दर्द सूजन या मवाद पस जैसी समस्या उत्पन्न होती है

रूट कैनाल में इस संक्रमित पल्प को बाहर निकालते है दांत के अंदर के हिस्सों को अच्छी तरह से साफ करके विशेष सामग्री भरकर सील कर दिया जाता है।प्रक्रिया दौरान मरीज को दर्द न हो इसके लिए एनेस्थीसिया दिया जाता है इस प्रक्रिया को शुरू करने से पहले सुन्न किया जाता है इसीलिए प्रक्रिया से पहले भोजन करके डेंटिस्ट के पास जाएं प्रक्रिया के दौरान एवं बाद में तुरंत भूख नहीं लगेगी सुन्नपन दूर होने में कुछ घंटे का समय लगता है सुन्न में खाने चबाने से ओंठ गाल कट सकते है कुछ खाने चबाने से दो घंटे तक परहेज करना चाहिए!

कैसे किया जाता है रूट कैनाल उपचार प्रक्रिया?

दांत के ऊपर एक छोटा छेद करके संक्रमित पल्प को बाहर निकाला जाता है।

* **एक्सेस ओपनिंग**-दांत के बीच में एक छोटा सा छेद किया जाता हैं ताकि पल्प को पूरी तरह निकाल सकें और रूट के अंत यानी दांतों के जड़ तक पहुंच सकें और सफाई अच्छी तरह से हो सके।
* **क्लीनिंग और शेपिंग**-संक्रमित या खराब हुए हिस्सा को विशेष उपकरणों का उपयोग करके पल्प को पूरी तरह हटा दिया जाता फिर बचे हुए बैक्टीरिया को पूरी तरह साफ करके अंदर के हिस्सों को आकार दिया जाता है ताकि बाद में फिलिंग किया जा सके।
* **डिसइंफेक्शन**-रूट कैनाल को कीटाणुरहित करके बचे हुए बैक्टीरिया को साफ किया जाता है जो संक्रमण का कारण बन सकता है प्रत्येक सिटिंग में अलग अलग दवा डाल कर दांत के अंदर छोड़ा जाता है फिर अस्थाई सीमेंट लगाया जाता है फिर अच्छे से साफ होने एवं दर्द खत्म होने के बाद साफ हुए दांत के नसों को भरा जाता है ताकी फिर संक्रमण न हो।
* **फिलिंग**-पूरी तरह से सफाई और कीटाणुशोधन के बाद,जगह को सील करने और पुनःसंक्रमण को रोकने के लिए खाली रूट को जिसे गट्टा-पर्चा कहा जाता है डेंटल सीलेंट या डेंटल सीलर या रूट कैनाल सीलर कहा जाता है उसमें में मिक्स करके कैनाल नसों को भर दिया जाता है।
* **रेस्टोरेशन एवं कैंपिंग**-ज्यादातर मामलों में जिस दांत की रूट कैनाल हो गई है उसे सुरक्षित रखने और उसके कार्य को बहाल करने के लिए चांदी या दांत के रंग की स्थाई सीमेंट डाल दिया जाता है पर रूट कैनाल वाले दांत कमजोर हो जाते है अधिक समय चलने के लिए डेंटल क्राउन जैसी मरम्मत की आवश्यकता होती है इसीलिए उसे सुरक्षा देने के लिए ऊपर से एक आर्टिफिशियल क्राउन कैप लगाया जाता है जो दांतों को मजबूत बनाता है जिससे रूट कैनाल वाले दांत अधिक समय तक चलता है।
* **रिकवरी**-प्रक्रिया के बाद मरीज को कुछ हल्की असुविधा या संवेदनशीलता महसूस हो सकती है लेकिन इसे दवा से राहत मिल जाती अधिकांश व्यक्ति प्रक्रिया के तुरंत बाद अपनी सामान्य गतिविधियों में लौट सकते हैं रूट कैनाल ट्रीटमेंट संक्रमित या क्षतिग्रस्त दांतों को बचाने में अत्यधिक सफल है जिससे रोगियों को अपने प्राकृतिक दांत बनाए रखने और दांत निकालने से बचने में मदद मिलती है।यह दर्द को कम करता है और मौखिक स्वास्थ्य को बहाल करता है जिससे यह जरूरतमंद लोगों के लिए एक मूल्यवान दंत प्रक्रिया बन जाती है नियमित दांतों की जांच और त्वरित रूट कैनाल थेरेपी समस्याओं को रोकने में मदद कर सकते हैं।

समय एवं खर्च-रूट कैनाल उपचार से ठीक होने में लगने वाला समय अलग अलग मरीजों के लिए अलग अलग होता है जो उनकी उम्र और मौखिक स्वास्थ्य की स्थिति पर निर्भर करता है अधिक मरीजों को पहली बार में ही राहत मिल जाती है एक से दो दिन के अंतराल से तीन से चार बार में प्रक्रिया सम्पन्न होती है कैप के साथ है जो ज्यादा सफल परिणाम होता है और लंबे समय तक रूट कैनाल चलता है नहीं तो सिंगल भी आरसीटी होता है जिसमें कुछ कठिनाई हो सकती है मरीज को सुन्न जाने के बाद तेज दर्द होना दर्द दो से चार दिन महसूस होना तुरंत राहत न मिलना आम है कुछ मामलों में दांत के स्थिति पर भी निर्भर करता है दांत में सूजन,मवाद,पस,

पेरीआपिकल संक्रमण है तो एक से दो सिटिंग ज्यादा भी लग सकता है कुछ दांतों पर निर्भर करता है सामने के दांतों में एक नस होती है पिछे के दांतों एक से अधिक कैनाल,नसे होती है उसपे भी निर्भर करता है। खर्च की बात करें तो डॉक्टर एवं जगह पर निर्भर करता है सिर्फ आरसीटी दो हजार से लेकर दस हजार तक भी हो सकती है। डेंटिस्ट के अनुभव एवं आधुनिक उपकरण सामग्रीयों पर भी काफी निर्भर करता है डेंटिस्ट अगर विशिष्ट एवं कीमती सामग्री का उपयोग किया हो तो मरीज से अधिक चार्ज कर सकते हैं।

रूट कैनाल ट्रीटमेंट के लाभ

* **दर्द से राहत**-कैनाल का प्राथमिक लक्ष्य संक्रमण या सड़न के कारण होने वाले गंभीर दांत दर्द से राहत दिलाना है ज्यादातर मरीजों को प्रक्रिया के बाद जल्द ही राहत मिलती है।
* **बेहतर मौखिक स्वास्थ्य**-रूट कैनाल ट्रीटमेंट संक्रमित हिस्से को हटा कर दांत को साफ करते है संक्रमण फैलने से रोकते है ताकी अन्य दंत भी खराब न हो सके।

जनपद पंचायत भोपालपटनम कार्यालय में एक महीने से नहीं बन रहे राशन कार्ड

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भोपालपटनम/बीजापुर 1 अगस्त। जनपद पंचायत भोपालपटनम का कार्यालय इन दिनों आम लोगों के लिए 'सफेद हाथी' साबित होता नजर आ रहा है। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने पहुंचे ग्रामीणों को रोजाना ÷सर्वर नहीं है या नेट नहीं चल रहा जैसे बहाने सुनकर खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। स्थिति यह है कि राशन कार्ड, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, बिल भुगतान सहित कई जरूरी शासकीय सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हो गई हैं।

मिली जानकारी के मुताबिक ग्राम पंचायत भद्रकाली सचिव ने 08 जुलाई को शासन के विशेष समाधान शिविर में आवेदन जमा किया था। शिविर से आवेदन जनपद पंचायत भोपालपटनम कार्यालय में शाखा प्रभारी को भेज दिया गया, लेकिन करीब

एक माह बीतने के बाद भी नाम नहीं जोड़ा गया और ना ही कोई जवाब भी नहीं दिया गया है।

वहीं अनेक हितग्राहियों का कहना है कि वह 5 से 6 बार जनपद पंचायत कार्यालय पहुंच चुका है, लेकिन हर बार कर्मचारियों द्वारा ÷नेट नहीं है÷ या ÷सर्वर डाउन है÷ कहकर वापस भेज दिया जाता है। अब स्कूल में बच्चों के प्रवेश एवं अन्य शासकीय कार्यों के लिए राशन कार्ड मांगा जा रहा है, जिससे पूरा परिवार परेशान है। ग्रामीणों का आरोप है कि यह समस्या केवल राशन कार्ड तक सीमित नहीं है। बिल भुगतान, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, ऑनलाइन डाटा एंट्री सहित विभिन्न योजनाओं के आवेदन और अन्य ऑनलाइन सेवाएं भी लगातार प्रभावित हो रही हैं। दूर-दराज के गांवों से आने वाले लोगों का समय और पैसा दोनों बर्बाद हो रहे हैं। हितग्राहियों का कहना है कि मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) को कार्यालय की बदहाल व्यवस्था सुधारने में कोई विशेष रुचि दिखाई नहीं दे रही है। यदि समय रहते व्यवस्था नहीं सुधारी गई तो लोगों का शासन की योजनाओं से भरोसा उठ सकता है। जनपद के कर्मचारियों से जानकारी चाही गई है तो उन्होंने बताया कि 15-20 से ऑनलाइन सेवाएं ठप्प हैं। व्यवस्था सुधारने में अभी तक कोई सकारात्मक कार्रवाई नहीं हो रही है। हमारा प्रयास रहता है कि सेवाओं का लाभ हितग्राहियों को उचित समय पर पर मिलना चाहिए। इस संबंध में सचिव संघ अध्यक्ष भोपालपटनम ने कहा कि हितग्राहियों के आवेदन अनावश्यक रूप से लंबित हैं और उन्हें तकनीकी कारणों का हवाला देकर परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने हेतु व्यवस्था में सुधार कराया जाना चाहिए, ताकि पात्र हितग्राहियों को समय पर योजनाओं का लाभ मिल सके।इस संबंध में जानकारी लेने जनपद पंचायत भोपालपटनम, मुख्य कार्यपालन अधिकारी के दूरभाष नंबर पर संपर्क किया गया, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया है।

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब शासन विशेष शिविर लगाकर लोगों से आवेदन ले रहा है, तो फिर जनपद पंचायत कार्यालय में तकनीकी अव्यवस्था और प्रशासनिक लापरवाही का खामियाजा आम ग्रामीण आखिर कब तक भुगतते रहेंगे? जिम्मेदार अधिकारियों से अपेक्षा है कि वे तत्काल व्यवस्था दुरुस्त कर लंबित आवेदनों का निराकरण सुनिश्चित करें।

एक नजर

स्वराधना म्यूजिकल परिवार ने स्वर सम्राट मोहम्मद रफ़ी को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

बीजापुर/जगदलपुर 1 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। स्वराधना म्यूजिकल परिवार द्वारा महान पार्श्वगायक स्वर सम्राट मोहम्मद रफ़ी की पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए एक यादगार संगीतमय संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत रफ़ी साहब के चित्र पर पुष्पांजलि एवं माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करने के साथ हुई। इस अवसर पर उपस्थित संगीत प्रेमियों एवं कलाकारों ने रफ़ी साहब के संगीत जगत में अतुलनीय योगदान को याद करते हुए कहा कि उनकी मधुर आवाज़ और अमर गीत आज भी करोड़ों लोगों के दिलों में जीवित हैं। कार्यक्रम में नलिन शुक्ला, डॉ राम गाउडा, सुमन सिंह, मनिता ज्योस, लारेंस सिंह, ऋषि भटनागर, शफीक हिन्दुस्तानी तथा रमन महंत सहित कई कलाकारों ने मोहम्मद रफ़ी के सदाबहार गीतों की शानदार प्रस्तुतियां दीं। कलाकारों की भावपूर्ण गायकी ने उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया और पूरा सभागार तालियों की गूंज से गूंज उठा। संगीत प्रेमियों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन नई पीढ़ी को भारतीय संगीत की समृद्ध विरासत से जोड़ने का कार्य करते हैं। अंत में आयोजकों ने सभी कलाकारों एवं उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

राज्यमंत्री लोकेश कांवड़िया ने बाढ़ राहत शिविरों का किया निरीक्षण

बीजापुर 1 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष (राज्यमंत्री दर्जा) लोकेश कांवड़िया ने अपने दो दिवसीय बीजापुर प्रवास के दौरान बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर राहत एवं बचाव कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने तिमेड पुल, रामपुरम तथा चंदनगिरी राहत शिविर पहुंचकर बाढ़ प्रभावित परिवारों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं। निरीक्षण के दौरान श्री कांवड़िया ने अधिकारियों को राहत शिविरों में भोजन, पेयजल, स्वास्थ्य सेवाएं तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं सुचारु रूप से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। इस अवसर पर उन्होंने राहत शिविर में रह रहे बुजुर्गों को बड़े कंबल तथा बच्चों को छोटे कंबल वितरित कर उनका हालचाल जाना और प्रशासन से राहत कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने की हिदायत दी।

मुख्यमंत्री भ्रष्टाचारी कुलपति को हटाकर न्यायिक जांच करवाएं : उमाशंकर शुक्ला

जगदलपुर, 1 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। छत्तीसगढ कांग्रेस रायपुर के संयुक्त महासचिव उमाशंकर शुक्ला ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय जगदलपुर में वर्ष 2025 में हुई शैक्षणिक पदों की अवैधानिक भर्ती की न्यायिक जांच एवं वर्तमान में चल रहे, अवैधानिक भर्ती प्रक्रिया को तत्काल निरस्त करने ज्ञापन सौंपा है, इस विषय पर पूर्व में हुए जांच को सार्वजनिक करने की भी मांग की गई है, साथ ही भ्रष्टाचारी कुलपति समेत जो चयनित उम्मीदवार हैं उन सभी के काल डिटेल, मोबाइल नंबर और बैक खातों तथा अचानक लिए लोन, जमीन खरीदी बिक्री आदि तथ्यो की जांच की जावे। वर्तमान में चल रहे अवैधानिक भर्ती को तत्काल निरस्त कर जांच तक कुलपति मनोज कुमार श्रीवास्तव को विश्वविद्यालय से हटाया जावे।

लोनिवि के नाली निर्माण के दौरान की लापरवाही के कारण महिला व्यापारी हुई गंभीर हादसे का शिकार

पीडब्ल्यूडी और ठेकेदार तन्मय चौधरी पर लगे सुरक्षा मानकों की अनदेखी के गंभीर आरोप; कलेक्टर और मुख्य अभियंता से की गई शिकायत

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता/ मृण्मय बारोई

जगदलपुर 1 अगस्त। शहर के मोतीतालाब पारा से बीएमएसएस मॉल मार्ग पर लोक निर्माण विभाग द्वारा कराए जा रहे नाली निर्माण कार्य में बरती जा रही कथित लापरवाही के कारण 26 जुलाई को एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना हो गई। हादसे में शहर के प्रतिष्ठित व्यापारी सौरभ दुल्हनी की पत्नी श्रीमती रूबी दुल्हनी गंभीर रूप से घायल हो गईं। उनके बाएं हाथ में गंभीर फ्रैक्चर आया है, जिसके इलाज के लिए डॉक्टरों को शल्य चिकित्सा सर्जरी कर टाइटेनियम प्लेट लगानी पड़ी है। पीड़िता रूबी दुल्हनी ने सोशल मीडिया पर अपनी आपबीती साझा करते हुए सड़क निर्माण में बरती जा रही लापरवाही पर तीखा आक्रोश व्यक्त किया है। उन्होंने कहा, बरसात के मौसम में व्यस्त सड़क पर गिट्टी-पत्थर बिखरे पड़े थे। राहगीरों की सुरक्षा के लिए न कोई बैरिकेडिंग थी और न ही चेतावनी बोर्ड। सड़कें लोगों का जीवन आसान बनाने के लिए होती हैं, उन्हें अस्पताल पहुँचाने के लिए नहीं।

हाईकोर्ट जाने की चेतावनीः

पीड़ित परिवार ने स्पष्ट किया है कि यदि मामले में समयबद्ध और निष्पक्ष कार्रवाई नहीं की जाती है, तो वे उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने के लिए बाध्य होंगे। ठेकेदार ने जताया खेद, कहा सुरक्षा के लिए लगाए थे पुलिस बैरिकेड पूरे मामले पर संबंधित ठेकेदार तन्मय चौधरी ने दुर्घटना पर गहरा दुख और खेद व्यक्त किया है। ठेकेदार का कहना है कि। घटना बेहद दुखद है। हमारी ओर से निर्माण सामग्री और मटेरियल को घेरने के लिए पुलिस बैरिकेड्स का इस्तेमाल किया जाता है। हालाँकि, दुर्घटना के समय घटनास्थल पर सुरक्षा घेरा क्यों नहीं पाया गया, यह जाँच का विषय है।

जनसुरक्षा पर उठे गंभीर सवाल ?

यह मामला अब केवल एक व्यक्तिगत हादसे तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि शहर में चल रहे विकास कार्यों के दौरान जनसुरक्षा और पीडब्ल्यूडी विभाग की कार्यप्रणाली पर बड़ा सवालिया निशान खड़ा कर रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि ठेकेदारों और विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत व लापरवाही का खामियाजा आम जनता को अपनी जान जोखिम में डालकर भुगतना पड़ रहा है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस पर क्या ठोस कार्रवाई करता है।

कलेक्टर व पीडब्ल्यूडी मुख्य अभियंता को ज्ञापन, उच्चस्तरीय जाँच की माँग!

घटना से आक्रोशित पीड़ित पति सौरभ दुल्हनी ने बस्तर कलेक्टर एवं लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता को लिखित शिकायत प्रेषित कर ठेकेदार तन्मय चौधरी, विभागीय अधिकारियों की भूमिका और कार्य की गुणवत्ता की स्वतंत्र व उच्चस्तरीय जाँच कराने की माँग की है।

सौरभ दुल्हनी ने अपनी शिकायत में प्रमुख बिंदु उठाए हैं

सुरक्षा मानकों का उल्लंघन !निर्माण स्थल पर गिट्टी-पत्थर अव्यवस्थित ढंग से फैले थे। बैरिकेडिंग, चेतावनी संकेतक, रिफ्लेक्टर, फ्लैशिंग लाइट और डायवर्जन का पूरी तरह अभाव था।

अनुबंध व नियमों की जाँच!

ठेकेदार द्वारा भारतीय सड़क कांग्रेस (ढ्ढ्रष्ट) के दिशा निर्देशों, पीडब्ल्यूडी मैनुअल और डीपीआर के तहत काम किया जा रहा था या नहीं, इसकी जाँच की जाए।

अधिकारियों की जवाबदेही!

कार्य का नियमित निरीक्षण न करने वाले संबंधित उप-अभियंता, सहायक अभियंता एवं कार्यपालन अभियंता की भूमिका तय हो। कठोर कार्रवाई की माँग !लापरवाही साबित होने पर ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट करने, अनुबंध निरस्त करने, सुरक्षा निधि जब्त करने तथा आर्थिक दंड लगाने की माँग की गई है।

लोक परीक्षा संशोधन विधेयक 2026 का स्वागत, युवाओं के भविष्य की सुरक्षा की दिशा में ऐतिहासिक कदमः दीपेश अरोरा

■ भाजपा जिला संगठन प्रभारी बोलेःपरीक्षा माफिया, पेपर लीक और नकल गिरोहों पर लगेगा प्रभावी अंकुश

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर 1 अगस्त। भाजपा जिला संगठन प्रभारी दीपेश अरोरा ने लोकसभा में लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 के पारित होने का स्वागत करते हुए इसे करोड़ों युवाओं के सुरक्षित भविष्य, ईमानदार प्रतिभा और पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था की दिशा में एक ऐतिहासिक एवं दूरदर्शी कदम बताया है।

दीपेश अरोरा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार युवाओं के सपनों, उनके परिश्रम और भविष्य की रक्षा के लिए लगातार प्रभावी निर्णय ले रही है। यह संशोधन उसी संकल्प का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाएं करोड़ों युवाओं की वर्षों की मेहनत और उम्मीदों का आधार होती हैं। ऐसे में प्रश्नपत्र लीक, नकल माफिया और संगठित परीक्षा अपराध जैसी गतिविधियां योग्य अभ्यर्थियों के साथ अन्याय करने के साथ-साथ परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता को भी नुकसान पहुंचाती हैं।

उन्होंने कहा कि संशोधन विधेयक के माध्यम से परीक्षा संबंधी अपराधों के विरुद्ध दंडात्मक प्रावधानों को और अधिक कठोर बनाया गया है। इससे परीक्षा माफिया, संगठित आपराधिक गिरोहों और किसी भी प्रकार की अनियमितता में शामिल लोगों के खिलाफ प्रभावी कानूनी कार्रवाई संभव होगी। साथ ही परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसियों और सेवा प्रदाताओं की जवाबदेही भी सुनिश्चित होगी, जिससे पूरी परीक्षा प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और विश्वसनीय बनेगी।

भाजपा जिला संगठन प्रभारी ने कहा कि केंद्र सरकार ने नई शिक्षा नीति, कौशल विकास, रोजगार सृजन और डिजिटल पारदर्शिता जैसे अनेक कदम उठाकर युवाओं को सशक्त बनाने का कार्य किया है। अब परीक्षा प्रणाली को सुरक्षित और निष्पक्ष बनाने की दिशा में यह संशोधन एक महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगा।

उन्होंने विश्वास जताया कि इस कानून से मेहनती और प्रतिभाशाली युवाओं का परीक्षा प्रणाली पर भरोसा और मजबूत होगा तथा निष्पक्ष चयन प्रक्रिया को नई मजबूती मिलेगी। साथ ही परीक्षा संबंधी अनियमितताओं पर प्रभावी अंकुश लगाकर ईमानदार प्रतिभा को उचित सम्मान और अवसर सुनिश्चित किए जा सकेंगे।

एक तरफ कीचड़ और एक तरफ गड्ढे को पार कर जाना पड़ रहा स्कूल

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

किरंदुल 1 अगस्त। वार्ड क्रमांक 8 के मटन मार्केट के पास एक मात्रा रोड जिन मैं भरी वाहनों के आवाजाही से सड़क पर कीचड़ जम जाती है उसे पार कर स्थानीय लोगों को जाना पड़ता है । यह एक मात्रा सड़क है पैदल चलने वाले के लिए जिस वजह से दूसरे जो मार्ग है उस से जाने पर किरंदुल नगर का एक पूरा चक्र लगा कर जाना पड़ता है और पैदल जाने मैं बहुत समय व्यर्थ होता है साथी ही साथ यही एक मार्ग है दो बड़े स्कूल स्थित है जिस वह से न ही सिर्फ स्थानीय लोगों के साथी ही साथ छोटे छोटे पहेली दूसरी कक्षा के छोटे छोटे बच्चों को भी पार कर स्कूल जाना पड़ता है । एक तरफसड़क कीचड़ और दलदल भरा हो चुका है । दूसरी तरफ ओवरब्रिज को पार करने पर लगातार हो रही बारिश की वजह से ओवर ब्रिज के पास वाली

सड़क जो अस्थाई तौर पर लोगों के लिए बनाया गया था वो बारिश मैं बहे गया है और लोगों को गड्ढों के पार कर जाना पड़ रहा है साथ ही स्कूली के बच्चों को भी यही से गड्ढे को पार कर स्कूल जाना पड़ रहा है। इन समस्याओं को बारे मैं ठ्ठद्बस्रष्ट एवं नगरपालिका को स्थानीय लोगों द्वारा अवगत कराया गया है परंतु इस पर अभी तक कोई कारवाही नहीं की गई है और लोगों को इन समस्या से किसी भी तरह का कोई निवारण निकलता नहीं दिखाई दे रहा है।

बस्तर के समग्र पर्यटन विकास के लिए सांसद महेश कश्यप ने केंद्रीय पर्यटन मंत्री से की मुलाकात

जगदलपुर, 1 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। बस्तर लोकसभा क्षेत्र के सांसद महेश कश्यप ने नई दिल्ली में केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत से मुलाकात कर बस्तर के समग्र एवं सतत पर्यटन विकास के लिए विशेष पर्यटन विकास कार्ययोजना तैयार कर स्वीकृत करने का आग्रह किया। इस अवसर पर सांसद ने केंद्रीय मंत्री द्वारा हाल ही में एक कार्यक्रम में बस्तर की प्राकृतिक सुंदरता और पर्यटन संभावनाओं की सराहना किए जाने पर उनका आभार भी व्यक्त किया। सांसद महेश कश्यप ने अपने पत्र में उल्लेख किया कि बस्तर अपनी प्राकृतिक सुंदरता,ऐतिहासिक धरोहरों,जनजातीय संस्कृति,भव्य जलप्रपातों, गुफाओं,राष्ट्रीय उद्यानों तथा धार्मिक स्थलों के कारण देश विदेश के पर्यटकों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र है।

72 घंटे की बारिश से तालाब की मेड़ कटी तो लाखों की मछलियां निकल गईं

■ नलमपल्ली निवासी की मेहनत पर फिरा पानी, बाढ़ में बह गईं मछलियां,

■ आय का जरिया बनी थी मत्स्य पालन योजना, अब मुआवजे की मांग

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर 1 अगस्त। बीजापुर जिले में लगातार 72 घंटे तक हुई मूसलाधार बारिश ने किसानों और मत्स्य पालकों की कमर तोड़ दी है। भोपालपटनम विकासखंड के ग्राम नलमपल्ली निवासी नागेश की वर्षों की मेहनत कुछ ही घंटों में पानी में बह गई। तेज बारिश और बाढ़ के कारण उनके मछली पालन तालाब की मेड कट गई, जिससे तालाब में तैयार हजारों मछलियां बहकर बाहर निकल गईं। जिससे उन्हें लाखों का नुकसान हुआ है।

हितग्राही ने शासन की मत्स्य पालन योजना का लाभ लेकर तालाब में मछली पालन शुरू किया था। बड़ी उम्मीदों के साथ उन्होंने तालाब तैयार किया, बीज डाला और महीनों तक देखभाल की, लेकिन लगातार हुई बारिश ने सारी मेहनत पर पानी फेर दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तेज बहाव के कारण तालाब की मेड अचानक टूट गई। देखते ही देखते पानी का तेज बहाव तालाब से मछलियों को बहाकर ले गया। कुछ ही मिनटों में पूरा तालाब खाली होने लगा और नागेश बेबस होकर अपनी आंखों के सामने अपनी मेहनत को बहते देखते रह गए।बारिश का असर केवल तालाब तक सीमित नहीं रहा। तालाब के आसपास की कृषि भूमि भी जलमग्न हो गई, जिससे खेतों में खड़ी फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। एक तरफ मछलियां बह गईं तो दूसरी ओर खेती भी चौपट हो गई। इससे परिवार के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है।

पीड़ित हितग्राही ने प्रशासन से आर्थिक सहायता और उचित मुआवजे की मांग करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी पूंजी और कड़ी मेहनत से मत्स्य पालन शुरू किया था। अब सब कुछ खत्म हो गया है। यदि समय पर सहायता नहीं मिली तो दोबारा इस व्यवसाय को शुरू करना संभव नहीं होगा।

ग्रामीणों ने भी प्रशासन से मांग की है कि क्षेत्र में बाढ़ से प्रभावित किसानों और मत्स्य पालकों का तत्काल सर्वे कराया जाए तथा शासन के नियमानुसार शीघ्र मुआवजा प्रदान किया जाए, ताकि प्रभावित परिवार फिर से अपने पैरों पर खड़े हो सकें।

बाढ़ प्रभावित गांवों में पहुंचे विधायक विक्रम मंडावी, राहत कार्यों का लिया जायजा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर 1 अगस्त। भोपालपटनम ब्लॉक के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का विधायक विक्रम मंडावी ने व्यापक दौरा कर हालात का जायजा लिया। उन्होंने प्रभावित ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और प्रशासन को राहत एवं बचाव कार्यों को पीड़ितों तक पहुंचाने के निर्देश दिए।

विधायक मंडावी ग्राम चंदनगिरी, नलमपल्ली, वरदली, देपला और तीमेड़ पहुंचे। उन्होंने बाढ़ से क्षतिग्रस्त क्षेत्रों का निरीक्षण किया तथा प्रभावित परिवारों से सीधे संवाद कर उनके नुकसान, आवास की स्थिति और राहत सामग्री की उपलब्धता की जानकारी ली। ग्रामीणों ने बाढ़ से हुई कठिनाइयों और आवश्यकताओं से उन्हें अवगत कराया। उन्होंने कहा कि राहत कार्यों में किसी प्रकार की कमी नहीं होने और जरूरतमंदों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराये जाने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर विधायक मंडावी ने राज्य सरकार से भविष्य में संभावित बाढ़ की परिस्थितियों को देखते हुए स्थायी सुरक्षा प्रबंध करने तथा पशुधन की सुरक्षा के लिए भी प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की।

उल्लेखनीय है कि बीते दिनों बीजापुर जिले में हुई मूसलाधार बारिश के कारण जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। भोपालपटनम क्षेत्र में बाढ़ का सबसे अधिक असर देखने को मिला, जहां कई गांवों का संपर्क टूट गया और बड़ी संख्या में लोगों को राहत शिविरों में शरण लेनी पड़ी।

इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष लालू राठौर, पूर्व जिला पंचायत सदस्य बसंत राव ताटी, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष कामेश्वर गौतम, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अशोक मड़े, सुनील उद्दे, रिंकी कोरम, के.जी. सत्यम, अरुण वासम, सुरेश सोढ़ी, कामेश मोरला, संजना चौहान, शेख रजिया, पार्षद सपना कटरेला सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

जिला प्रशासन की प्रभावी पहल रंग लाई, जिंदल पावर लिमिटेड ने प्रभावित 60 किसान परिवारों के लिए जारी की 40 करोड़ रुपए की पहली किस्त

मुख्यमंत्री के सुशासन में किसानों को मिला उचित मुआवजा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 1 अगस्त। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में सुशासन, पारदर्शिता और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आम नागरिकों की समस्याओं के समयबद्ध निराकरण की दिशा में लगातार प्रभावी पहल की जा रही है। इसी कड़ी में रायगढ़ जिले के तमनार क्षेत्र में जिंदल पावर लिमिटेड की ऐश स्लरी पाइपलाइन से प्रभावित किसानों की लंबे समय से लंबित मांग पर जिला प्रशासन ने संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्रवाई करते हुए महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। प्रशासन की पहल पर संबंधित उद्योग ने प्रभावित किसान परिवारों के लिए 40 करोड़ रुपए की पहली किस्त जारी कर दी है, जिससे वर्षों से उचित मुआवजे की प्रतीक्षा कर रहे किसानों को बड़ी राहत मिली है।

रायगढ़ जिले के घरघोड़ा विकासखंड अंतर्गत तमनार क्षेत्र में स्थापित जिंदल पावर लिमिटेड द्वारा ऐश स्लरी पाइपलाइन परियोजना के लिए लगभग 6.7 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाई गई, जिसके लिए चार गांवों के 60 किसान परिवारों की 52.64 एकड़ निजी भूमि का उपयोग किया गया। किसान लंबे समय से शासन से उचित मुआवजे की मांग कर रहे थे। प्रभावित किसानों ने अपनी मांग कलेक्टर जनदर्शन सहित विभिन्न माध्यमों से भी आवेदन दिए गए। जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन ने पूरे प्रकरण को प्राथमिकता के साथ संज्ञान में लिया।

कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने मामले की विस्तृत जांच के लिए घरघोड़ा के अनुविभागीय राजस्व अधिकारी को निर्देशित किया। जांच के दौरान किसानों की शिकायतें तथा नियमानुसार उचित मुआवजे की मांग तथ्यात्मक रूप से सही पाई गई। इसके बाद कलेक्टर ने जिंदल पावर लिमिटेड के जिम्मेदार अधिकारियों को तलब कर प्रभावित किसानों के वैधानिक हितों के अनुरूप मुआवजा उपलब्ध कराने के स्पष्ट निर्देश दिए। जिला प्रशासन की सतत पहल, प्रभावी समन्वय और निरंतर अनुश्रवण के परिणामस्वरूप संबंधित उद्योग द्वारा प्रभावित किसान परिवारों के लिए 40 करोड़ रुपए की पहली किस्त जारी कर दी गई।अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), घरघोड़ा श्री प्रवीण तिवारी ने बताया कि वर्ष 2025 में संबंधित उद्योग द्वारा किसानों की निजी भूमि पर लगभग 6.7 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाई गई थी। इस परियोजना से तमनार क्षेत्र के बुड़िया, बायंगड़ी, झिकाबहाल एवं लिबरा गांवों के कुल 60 किसान परिवार प्रभावित हुए हैं। जिंदल पावर लिमिटेड की ऐश स्लरी पाइपलाइन परियोजना से फ्लाई ऐश के वैज्ञानिक परिवहन, सड़क पर भारी वाहनों के दबाव में कमी, धूल प्रदूषण में कमी तथा पर्यावरण संरक्षण जैसे अनेक परिचालन लाभ प्राप्त हो रहे हैं। वहीं जिला प्रशासन ने यह भी सुनिश्चित किया कि विकास परियोजनाओं के साथ किसानों के वैधानिक अधिकारों और हितों का पूर्ण संरक्षण हो तथा उन्हें नियमानुसार उचित मुआवजा उपलब्ध कराया जाए। रायगढ़ जिला प्रशासन की यह पहल राज्य शासन की पारदर्शिता जनकेंद्रित और जवाबदेह प्रशासनिक व्यवस्था का सशक्त उदाहरण बनकर सामने आई है, जिसने प्रभावित किसानों को राहत पहुंचाते हुए शासन के प्रति उनका विश्वास और अधिक मजबूत किया है।

वार्ड क्रमांक-6 में सीसी रोड के भूमिपूजन के साथ विकास कार्य का शुभारंभ

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

छुरा,1 अगस्त। नगर पंचायत छुरा के वार्ड क्रमांक 06 (गादीकोट) में छत्तीसगढ़ शासन से प्राप्त अधोसंरचना मद के अंतर्गत सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन कार्यक्रम शनिवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, स्थानीय नागरिकों एवं कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

भूमिपूजन के साथ वार्ड में बहुप्रतीक्षित सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष लुकेश्वरी निषाद ने कहा कि इस निर्माण कार्य से क्षेत्रवासियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी तथा बरसात के दिनों में कीचड़ और जलभराव जैसी समस्याओं से काफी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि नगर के समग्र विकास के लिए विभिन्न आधारभूत सुविधाओं का विस्तार लगातार किया जा रहा है।कार्यक्रम के दौरान नगरवासियों ने विकास कार्य प्रारंभ होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शासन एवं जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया। स्थानीय लोगों ने विश्वास जताया कि सड़क निर्माण पूर्ण होने के बाद वार्ड की तस्वीर बदलेगी और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी।इस अवसर पर नगर पंचायत उपाध्यक्ष समीम खान, सभापति चित्ररेखा ध्रुव,रजनी लहरे, बलराज पटेल,गरिमा ध्रुव,पार्षद देवसिंह नेताम,हरीश यादव,सलीम मेमन, रामजी दीवान, शांतनु देवांगन,यामीन(ट्रांसजेंडर), दीप्ति यादव, एल्डरमैन तुलाराम साहू ,सफर सचदेव, धर्मेंद्र चंद्राकर ,अजय दीक्षित रामाधार यादव,निखिल साहू ,पीयूष सिन्हा, नारायण पटेल, भवानीशंकर सेन, तुलसीराम साहू, संतोष ध्रुव,कोपेश्वर साहू, अमान उल्ला,विजय देवांगन एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे ।

एक नजर

ड्राइविंग स्कूलों के लिए नए निर्देश जारी भीड़भाड़ वाले इलाकों में प्रशिक्षण पर रोक

रायगढ़, 1 अगस्त। जिले में सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के उद्देश्य से जिला परिवहन अधिकारी रायगढ़ ने जिले के सभी मोटर ड्राइविंग प्रशिक्षण विद्यालयों के संचालकों के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि प्रारंभिक प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे शिक्षार्थियों को अत्यधिक यातायात वाले मार्गों एवं शहर के भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में वाहन चलाने का प्रशिक्षण नहीं दिया जाएगा। निर्देशानुसार रेलवे स्टेशन, सुभाष चौक, घड़ी चौक, अटल चौक एवं हेमू कॉलोनी चौक सहित अन्य व्यस्त स्थानों पर प्रशिक्षण देने पर रोक लगाई गई है, ताकि आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और यातायात बाधित न हो।

जिला परिवहन अधिकारी ने सभी प्रशिक्षण विद्यालयों को प्रशिक्षण के दौरान सड़क सुरक्षा के नियमों, अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा तथा यातायात नियमों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही केंद्रीय मोटरयान नियम, 1989 के नियम-27 का अनिवार्य रूप से पालन करने को कहा गया है। निर्देशों में यह भी कहा गया है कि शहर के भीतर एंबुलेंस का नियमित संचालन होता है, इसलिए प्रशिक्षण के दौरान एंबुलेंस को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए तत्काल मार्ग उपलब्ध कराया जाए। जिला परिवहन अधिकारी ने सभी मोटर ड्राइविंग प्रशिक्षण विद्यालयों के संचालकों से जारी निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा है।

राष्ट्रपति भवन में बस्तर के आदिवासियों के सम्मान का उपहास करना पूरे जनजातीय समाज का अपमान : केदार कश्यप

जगदलपुर, 1 अगस्त। वनमंत्री केदार कश्यप ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज के बस्तर पंडुम और राष्ट्रपति भवन में बस्तर के आदिवासी प्रतिनिधियों की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से हुई भेंट को लेकर दिए गए बयान पर तीखा पलटवार करते हुए कहा कि यह केवल राजनीतिक हताशा नहीं, बल्कि बस्तर के जनजातीय समाज, उसकी संस्कृति, परंपराओं और अस्मिता का खुला अपमान उन्होंने कहा कि बस्तर पंडुम किसी सरकार या राजनीतिक दल का कार्यक्रम नहीं, बल्कि बस्तर की हजारों वर्षों पुरानी सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं और आदिवासी गौरव का महापर्व है। जिस आयोजन ने बस्तर के लोक कलाकारों, मांझी-चालकी व्यवस्था और जनजातीय संस्कृति को राष्ट्रीय मंच पर सम्मान दिलाया, उसी पर सवाल उठाना बताता है कि कांग्रेस आदिवासी समाज के सम्मान को भी राजनीतिक चश्मे से देख रही है। केदार कश्यप ने कहा कि कांग्रेस ने राष्ट्रपति भवन में बस्तर के आदिवासी प्रतिनिधियों की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी से हुई ऐतिहासिक भेंट का भी उपहास उड़ाने का प्रयास किया है। आज़ादी के दशकों बाद पहली बार बस्तर के पारंपरिक वेशभूषा में सजे जनजातीय प्रतिनिधियों को राष्ट्रपति भवन में सम्मानपूर्वक आमंत्रित किया गया, उनसे आत्मीय संवाद हुआ और उनकी संस्कृति को राष्ट्रीय पहचान मिली। यह हर बस्तरवासी और पूरे जनजातीय समाज के लिए गर्व का विषय है। ऐसे ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण क्षण का मज़ाक उड़ाना केवल राजनीतिक अपरिपक्वता नहीं, बल्कि आदिवासी अस्मिता का भी अपमान है।उन्होंने कहा कि जिस आदिवासी समाज को कांग्रेस ने दशकों तक केवल वोट बैंक समझकर देखा, आज जब उसी समाज को सम्मान, पहचान और राष्ट्रीय मंच मिल रहा है तो कांग्रेस को आखिर इतनी पीड़ा क्यों हो रही है? देशभर में बस्तर की संस्कृति की चर्चा हो रही है, लेकिन कांग्रेस इस गौरवपूर्ण अवसर में भी राजनीति खोज रही है। मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि कांग्रेस को पहले यह बताना चाहिए कि अपने लंबे शासनकाल में उसने बस्तर की संस्कृति, लोक कलाकारों और पारंपरिक व्यवस्थाओं को राष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए कौन-सा ऐतिहासिक कार्य किया था।

धान छोड़ सन की खेती की ओर बढ़े लैलूंगा के किसान सुखदेव सिदार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 1 अगस्त। धान की खेती के लिए पहचाने जाने वाले लैलूंगा क्षेत्र में किसान अब लाभकारी वैकल्पिक फसलों की ओर भी बढ़ रहे हैं। लैलूंगा विकासखंड के ग्राम केराटीकरा के किसान श्री सुखदेव सिदार ने इस वर्ष धान का रकबा कम कर चार एकड़ में सन बीज की खेती शुरू की है। करीब 40 से 50 एकड़ में खेती करने वाले श्री सिदार ने कृषि विभाग की सलाह पर यह फसल परिवर्तन किया है। सन की खेती के लिए उन्हें कृषि विभाग के माध्यम से बीज निगम रायगढ़ से आधार बीज उपलब्ध कराया गया है। चार एकड़ में बोई गई इस फसल से लगभग 30 क्विंटल उत्पादन होने का अनुमान है। तैयार बीज की खरीदी बीज निगम रायगढ़ द्वारा की जाएगी। 15 हजार रुपये प्रति क्विंटल की संभावित दर के आधार पर किसान को करीब चार लाख रुपये की आय होने की संभावना है।

सुखदेव सिदार केवल नई फसल को नहीं अपना रहे हैं, बल्कि क्षेत्र की पहचान मानी जाने वाली सुगंधित जवाफूल धान की खेती भी कर रहे हैं। इस वर्ष उन्होंने लगभग तीन से चार एकड़ में जवाफूल धान लगाया है। खेती के साथ वे डेयरी व्यवसाय भी संचालित कर रहे हैं। उनके पास चार से पांच अच्छी नस्ल की गाय हैं, जिनसे दूध उत्पादन हो रहा है। डेयरी से प्राप्त गोबर से वे जैविक खाद तैयार कर अपनी कृषि भूमि में उपयोग करते हैं। इससे खेती की लागत कम करने और भूमि की उर्वरता बनाए रखने में मदद मिल रही है। इसके अलावा इस वर्ष उन्होंने वन विभाग के सहयोग से लगभग तीन एकड़ में सागौन का पौधारोपण भी किया है।

फसल विविधीकरण को बढ़ावा दे रही कृषक उन्नति योजना

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की पहल पर संचालित कृषक उन्नति योजना के तहत धान के स्थान पर वैकल्पिक फसल लेने वाले किसानों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। पात्रता के अनुसार श्री सिदार को भी योजना का लाभ मिलेगा। योजना के तहत वैकल्पिक फसल लेने वाले किसानों को प्रति एकड़ 15 हजार रुपये तक की सहायता का प्रावधान है। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में जिले में किसानों को फसल विविधीकरण के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। कृषि विभाग द्वारा किसानों को वैकल्पिक फसलों की खेती, उन्नत बीज और तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। उप संचालक कृषि ने बताया कि जिले में किसानों को धान के साथ अन्य लाभकारी फसलों को अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। फसल विविधीकरण से किसानों को खेती में नए विकल्प मिलेंगे ।

जिले में 538.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज

रायगढ़, 1 अगस्त। रायगढ़ जिले में 31 जुलाई तक 538.3 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है। बीते 24 घंटे में जिले में 10.8 मिली मीटर औसत वर्षा हुई है। भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून 2026 से अब तक जिले के रायगढ़ तहसील में 727.4 मिली मीटर, पुसौर में 606.7, खरसिया में 483.8, घरघोड़ा में 370.5, तमनार में 729.8, लैलूंगा में 471.6, मुकडेगा में 418.5, धरमजयगढ़ में 351.2, छाल में 553.9 एवं कापू में 670 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई है।

राज्यपाल ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत कलेक्टोरेट परिसर में लगाया बादाम का पौधा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 1 अगस्त । राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज जिला कलेक्टोरेट परिसर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण किया। उन्होंने अपनी माता स्वर्गीय श्रीमती चंपावती डेका की स्मृति में बादाम का पौधा लगाया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि प्रकृति संरक्षण केवल पर्यावरण बचाने का प्रयास नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में प्रदूषण,

जलवायु परिवर्तन और अस्वस्थ जीवनशैली जैसी चुनौतियां बढ़ रही हैं। इनसे निपटने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझते हुए पौधरोपण और पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देना होगा। राज्यपाल ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ किए गए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की सराहना करते हुए कहा कि यह अभियान पर्यावरण संरक्षण के साथ भावनात्मक जुड़ाव का भी प्रतीक है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि वे अपनी माता की स्मृति में या उनके सम्मान में एक पौधा अवश्य लगाएं और उसके संरक्षण का संकल्प लें। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डॉ.सी.आर.प्रसन्ना, कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशिमोहन सिंह, जिला वन मंडलाधिकारी अरविंद पीएम, सीईओ जिला पंचायत अभिजीत बबन पठारे सहित प्रशानिक अधिकारी मौजूद रहे।

देवीनवागांव स्कूल के विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा व कानून की दी गई जानकारी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कांकेर, 1 अगस्त। बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं योजनान्तर्गत ऑनलाईन सुरक्षा एवं साइबर सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन महिला एवं बाल विकास विभाग कांकेर द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय देवीनावागाँव में किया गया जिसमें स्कूल के सभी छात्र एवं छात्राएँ सम्मिलित हुए। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में पुलिस विभाग के मास्टर ट्रेनर के द्वारा छात्राओं को वर्तमान में हो रहे ऑनलाईन ठगी, डिजिटल अरेस्ट, मंहगे गिफ्ट का झांसा, शीघ्र लोन प्राप्ति हेतु अनजान एप्लीकेशन का उपयोग एवं सोशल मीडिया में एआई के माध्यम से हो रहे साइबर क्राइम से सतर्क रहने और इस प्रकार की घटनाओं से स्वयं को सुरक्षित रखन के उपायों को विस्तार से बताया गया। महिला संरक्षण अधिकारी के द्वारा घरेलु हिंसा के बारे में जानकारी देते हुए गुड टच, बेड टच तथा आकस्मिक घटनाओं से बचाव एवं छेड़छाड़ से स्वयं को सुरक्षित रखने आदि के संबंध में जानकारी दी गई।

मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री रेजिमेंट का मिशन निरंतर मिलाप कार्यक्रम आयोजित

रायगढ़, 1 अगस्त। मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री रेजिमेंट द्वारा रायगढ़ में भूतपूर्व सैनिक, सैनिक विधवाओं एवं उनके आश्रितों के लिए मिशन निरंतर मिलाप के तहत संपर्क कार्यक्रम आयोजित किया गया। सशस्त्र बल भूतपूर्व सैनिकों के सम्मान एवं उनकी समस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में जिले के लगभग 40 पूर्व सैनिक, वीर नारियां एवं आश्रित शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान पेंशन एवं स्पर्श पोर्टल से संबंधित शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया गया तथा आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री रेजिमेंट के रिकॉर्ड्स विभाग के प्रतिनिधियों की टीम ने भाग लिया। कार्यक्रम को जिला सैनिक कल्याण अधिकारी (सेवानिवृत्त) कमांडर हरीश चंद्र तिवारी ने संबोधित किया। उन्होंने पूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारों के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं की जानकारी देते हुए उनकी समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। मिशन निरंतर मिलाप का उद्देश्य पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों की पेंशन संबंधी

समस्याओं का उनके निवास क्षेत्र में ही समाधान उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। देश के मध्य एवं पूर्वी क्षेत्र को कवर करने वाले इस अभियान के चौथे चरण का शुभारंभ 17 जून 2026 को मेजर जनरल आर. प्रेम राज कुमार, एसएम, वीएसएम, एडीजी मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री द्वारा किया गया था।

यह पहल लेफ्टिनेंट जनरल पी.एस. शेखावत, पीवीएसएम, एवीएसएम, एसएम, सीओएस मुख्यालय एसडब्ल्यूसी एवं मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री रेजिमेंट के कर्नल के मार्गदर्शन में संचालित की जा रही है। अभियान का नेतृत्व ब्रिगेडियर पी. सुनील कुमार, एसएम, कमांडेंट एमआईसी एंड एस द्वारा किया जा रहा है तथा इसका संचालन लेफ्टिनेंट कर्नल अशोक कुमार, मुख्य अभिलेख अधिकारी कर रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान टीम ने पूर्व सैनिकों की विभिन्न शिकायतों का निराकरण किया तथा विशेष रूप से स्पर्श से संबंधित अनेक मामलों का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया। अधिकारियों ने बताया कि मिशन निरंतर मिलाप के तहत यह संपर्क एवं सहायता अभियान देशभर में एक माह तक संचालित किया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक पूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारों को लाभ मिल सके।

नगर में गुरु पूर्णिमा महोत्सव धूमधाम ने मनाया गया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

खरसिया,1 अगस्त। धर्म नगरी खरसिया में आज गुरु पूर्णिमा महोत्सव बड़े ही भक्ति भाव से धार्मिक माहौल में धूमधाम से मनाया गया। आज 29 जुलाई बुधवार को देवी संपद मंडल खरसिया द्वारा स्थानीय रामानंद मुंशी राम शर्मा राम मंदिर गंज चौक में गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर सभी शिष्य परिवार द्वारा एक धार्मिक आयोजन कर प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी पूर्णिमा महोत्सव मनाया गया इस अवसर पर मंदिर प्रांगण को आकर्षक रूप से सजाया गया था ब्रह्मलीन परम पूज्य गुरुदेव महामंडलेश्वर स्वामी शारदानंद सरस्वती जी के चित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर विद्वान युवा पंडित बिट्टू महाराज जी के द्वारा गुरुदेव जी का पूजा अर्चना की गई सभी शिष्य परिवार द्वारा अपने परिजनों के साथ गुरुदेव जी की पूजा अर्चना कर सभी की उपस्थिति में सामूहिक आरती का आयोजन किया गया आरती के पश्चात महिला मंडल द्वारा भजन का आयोजन

कर कार्यक्रम को भक्ति मय कर दिया कार्यक्रम के अंत में सभी को जलपान के पश्चात प्रसाद वितरण किया गया देवी संपत मंडल के गोपाल शर्मा पत्रकार ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया है।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से ओमप्रकाश गोयल, अशोक अग्रवाल पत्रकार, सन्टी सोनी, कैलाश बंसल, विनोद शर्मा, प्रिंस सलूजा,नरेश गोयल, मुकेश अग्रवाल, कान्हा शर्मा, रजत शर्मा रज्जू, नीरज अग्रवाल, विष्णु अग्रवाल, संजय कंकरवाल, पवन अग्रवाल महिला मंडल से प्रेमा गोयल, कौशल्या देवी अग्रवाल, चमेली देवी शर्मा,सरिता शर्मा,उषा अग्रवाल,किरण देवी अग्रवाल,शशि शर्मा,श्वेता शर्मा,रुक्मणी शर्मा सहित अनेक भक्तजन उपस्थित थे सभी ने आपस में मिलजुल कर गुरु पूर्णिमा महोत्सव को यादगार बनाया।

बस्तर की बेटियाँ उड़ेंगी सफलता की नई उड़ान

जगदलपुर, 1 अगस्त। बस्तर की प्रतिभाएं अब देश के अग्रणी औद्योगिक मंचों पर अपनी पहचान बनाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। जिला प्रशासन बस्तर के सतत प्रयासों के फलस्वरूप जिले की 12 युवतियों का चयन विख्यात इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माता कंपनी फॉक्सकॉन बेंगलुरु में हुआ है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर कलेक्ट्रेट में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर श्री आकाश छिकारा ने नियुक्ति पत्र प्रदान कर उनके सफल, सुरक्षित एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री तन्मय खन्ना एवं सहायक कलेक्टर श्री यशवंत नायक भी उपस्थित थे।संवाद के दौरान कलेक्टर श्री ने सभी चयनित बेटियों को बधाई देते हुए उनकी चयन प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने युवतियों का हौसला बढ़ाते हुए आश्वस्त किया कि दूसरे शहर में कार्य करने के दौरान यदि उन्हें किसी भी प्रकार की समस्या या चुनौती का सामना करना पड़े, तो वे बिना किसी झिझक के तत्काल जिला प्रशासन को सूचित करें।

समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे शासन की योजनाओं का लाभ : राज्यपाल

रायगढ़, 1 अगस्त। प्रदेश के राज्यपाल श्री रमेन डेका ने अपने दो दिवसीय रायगढ़ प्रवास के प्रथम दिवस जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारियों से चर्चा कर शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की जानकारी ली। जिला कलेक्टोरेट स्थित सृजन सभाकक्ष में आयोजित बैठक में उन्होंने जल संरक्षण, पौधारोपण, पर्यावरण संवर्धन, जैविक कृषि, स्वच्छता, योग, टीबी उन्मूलन, आजीविका, सहकारिता, सड़क सुरक्षा सहित बीस से अधिक बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए अधिकारियों को पूरी गंभीरता, संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि शासन की योजनाओं का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होगा, जब उनका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी ढंग से पहुंचे। इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य करें। बैठक में राज्यपाल के सचिव डॉ.सी.आर.प्रसन्ना, कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री शशिमोहन सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे।

राज्यपाल श्री डेका ने जिले में जल संरक्षण एवं जल संचयन के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी लेते हुए कहा कि वर्षा जल की प्रत्येक बूंद का संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने अन्य राज्यों असम, त्रिपुरा एवं छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिला में जल संरक्षण के लिए किये जा रहे कार्यों की जानकारी देते हुए वर्षा जल संग्रहण, वाटर हार्वेस्टिंग तथा जल स्रोतों के संरक्षण के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। साथ ही पुराने कुओं, बावड़ियों तथा अन्य पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जल संरक्षण को जनभागीदारी का अभियान बनाया जाए, जिससे भू-जल स्तर में स्थायी सुधार हो सके।

राज्यपाल श्री डेका ने जिले में चल रहे पौधारोपण अभियान की समीक्षा करते हुए विशेष रूप से अमृत सरोवर परिसरों में लगाए गए पौधों की संख्या एवं उनकी वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि पौधारोपण केवल संख्या बढ़ाने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण का दीर्घकालीन संकल्प है। उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत प्रत्येक नागरिक को कम से कम एक पौधा लगाने के लिए प्रेरित करने तथा विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं अन्य सार्वजनिक परिसरों में व्यापक पौधारोपण सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में बताया गया कि जिले की औद्योगिक इकाइयों के सहयोग से 10 हजार पीपल के पौधे उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिन्हें आमजन तक पहुंचाकर रोपित कराया जाएगा। राज्यपाल ने सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने और मृदा की प्रकृति के अनुरूप पौधारोपण एवं जल संरक्षण की समेकित कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

राज्यपाल श्री डेका ने जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी लेते हुए रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने के लिए जीवामृत, कम्पोस्ट, ग्रीन मैन्योर, मदर कल्चर एवं ब्लू-ग्रीन तकनीकों के उपयोग को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। साथ ही विभिन्न जैविक एवं औषधीय फसलों को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। उन्होंने बड़े किसानों को खेती के साथ डबरी निर्माण एवं मत्स्य पालन अपनाने के लिए प्रेरित करने को कहा, ताकि कृषि आय के अतिरिक्त आय के अन्य स्रोत भी विकसित हो सकें। उन्होंने धान के स्थान पर दलहन, तिलहन एवं अन्य लाभकारी फसलों को प्रोत्साहित करने पर भी विशेष जोर दिया।

राज्यपाल श्री डेका ने स्वच्छ भारत मिशन की समीक्षा करते हुए व्यक्तिगत एवं सामुदायिक शौचालयों की स्थिति तथा उनके रखरखाव की जानकारी ली। उन्होंने सार्वजनिक शौचालयों की नियमित साफ-सफाई, बेहतर रखरखाव एवं उपयोगिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए ऐसे प्लास्टिक के उपयोग को हतोत्साहित किया जाए, जिनका पुनर्चक्रण संभव नहीं है, ताकि भूमि एवं पर्यावरण को प्रदूषण से बचाया जा सके।

राज्यपाल ने कहा कि स्वस्थ समाज के निर्माण में योग की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने विद्यालयों, छात्रावासों, महाविद्यालयों एवं अन्य संस्थानों में नियमित योग शिविर आयोजित करने तथा आम नागरिकों को योग को अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए।

एक नजर

कांग्रेसियों ने किया उप पंजीयक दफ्तर का भूमिपूजन,सहायक अभियंता निलंबित

डोंगरगढ़ 1 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। डोंगरगढ़ में उप पंजीयक कार्यालय भवन का भूमिपूजन कांग्रेसियों द्वारा किए जाने के बाद मचे बवाल के बाद छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल ने बड़ी कार्रवाई की है। प्रभारी मंत्री गजेन्द्र यादव तक शिकायत पहुंचने के बाद विभाग ने सहायक अभियंता सुशील कुमार लहरे को निलंबित कर दिया है। प्राप्त जानकारी अनुसार डोंगरगढ़ में गत 25 जुलाई को कांग्रेसी नेताओं व कार्यकर्ताओं द्वारा उप पंजीयक कार्यालय भवन का भूमिपूजन किया था। इस दौरान वहां सहायक अभियंता सुशील कुमार लहरे भी उपस्थित थे। उद्घाटन की जानकारी मिलते ही भाजपा नेताओं ने दोबारा भूमिपूजन किया गया। इस मामले की शिकायत डोंगरगढ़ के भाजपा नेताओं ने प्रभारी मंत्री गजेन्द्र यादव से की। इसके बाद विभाग ने पूरे मामले की जांच कराई। जांच में पाया गया कि घटना के समय सब-इंजीनियर (सहायक अभियंता) सुशील कुमार लहरे मौके पर मौजूद थे और उन्होंने स्थिति स्पष्ट करने या विभाग को जानकारी देने में लापरवाही बरती। बताया जाता है कि गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल ने डोंगरगढ़ में उप पंजीयक कार्यालय भवन के भूमिपूजन को लेकर कोई कार्यक्रम आयोजित नहीं किया था। इसके बाद भी कांग्रेसियों ने ठेठेवारपारा पहुंचकर भूमिपूजन कर दिया था। इस बात को लेकर काफी बवाल भी मचा रहा।निलंबन अवधि के दौरान सुशील कुमार लहरे का मुख्यालय गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल पर्यावास भवन नवा रायपुर अटल नगर निर्धारित किया गया है। उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता मिलेगा। विभाग ने इसे कार्य के प्रति लापरवाही और स्वेच्छाचारिता मानते छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 एवं छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के तहत सुशील कुमार लहरे को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया।

विधायक ने रोपा लगाकर सुनी समस्याएं

डोंगरगढ़ 1 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। विधायक हर्षिता स्वामी बघेल ने ईराईकला, पटेवा एवं बघेरा का दौरा कर ग्रामीणों से चर्चा की। ग्रामीणो की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को निराकरण करने के निर्देश दिए। ईराईकला में विधायक श्रीमती बघेल ने जनपद सदस्य तुलसी साहू के साथ खेतों में पहुंचकर किसानों एवं ग्रामीणों से मुलाकात की। उन्होंने खेती की स्थिति की जानकारी ली। ग्रामीणों के आग्रह पर विधायक ने खेत में उतर धान की रोपाई किया। खेत में काम करने के दौरान विधायक ने गुलगुला भजिया का स्वाद लिया ।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने टेंट एंड डेकोर एक्सपो का किया शुभारंभ

रायपुर, 1 अगस्त। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आज रायपुर के लाभांडी में छत्तीसगढ़ टेंट ओनर वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा आयोजित सीजी टेंट एंड डेकोर एक्सपो-2026 का शुभारंभ किया। उन्होंने एक्सपो का अवलोकन कर टेंट एवं डेकोरेशन से जुड़े आधुनिक उत्पादों, आकर्षक डिज़ाइनों और नई तकनीकों की सराहना की। एक्सपो के शुभारंभ के मौके पर विधायक श्री मोतीलाल साहू, टेंट एसोसिएशन के पदाधिकारी तथा देशभर से आए टेंट व्यवसायी एवं इससे जुड़े लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि टेंट व्यवसाय आज तेजी से विकसित होकर एक सशक्त उद्योग के रूप में स्थापित हो रहा है। नई थीम और लगातार हो रहे नवाचार इस क्षेत्र को नई पहचान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि कम समय में किसी भी स्थान का स्वरूप बदल देना टेंट व्यवसायियों की रचनात्मकता का उत्कृष्ट उदाहरण है। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने एक्सपो की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन कई शहरों के व्यवसायियों को एक मंच पर लाकर अनुभव साझा करने और व्यापार के नए अवसर तलाशने का अवसर देते हैं। यह एक्सपो टेंट उद्योग को बढ़ाने के साथ ही राज्य की आर्थिक गतिविधियों को और गति प्रदान करेगा।

बच्चों के स्वास्थ्य से कोई समझौता नहीं: कलेक्टर के निर्देश पर नलकूप के पास बन रहा सेप्टिक टैंक तत्काल बंद

स्वच्छ पेयजल की सुरक्षा के लिए प्रशासन की त्वरित कार्रवाई, भविष्य में जल प्रदूषण की आशंका को समय रहते टाला गया

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ़ 1 अगस्त। जिला कलेक्टर जितेन्द्र यादव के जनहितैषी निर्देशों पर डोंगरगढ़ एसडीएम विश्वास कुमार के मार्गदर्शन में प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए ग्राम मूसरा कला स्थित सरस्वती शिशु मंदिर के समीप नलकूप के पास बनाए जा रहे सेप्टिक टैंक के निर्माण को तत्काल रुकवाकर बंद करा दिया। इस कार्रवाई से विद्यालय के बच्चों और आसपास के लोगों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है।

जानकारी के अनुसार, प्रकाश निषाद द्वारा विद्यालय के समीप स्थित नलकूप के पास सेप्टिक टैंक का निर्माण कराया जा रहा था। प्राथमिक जांच में यह आशंका सामने आई कि भविष्य में सेप्टिक टैंक से होने वाले रिसाव के कारण भूजल दूषित हो सकता है, जिससे नलकूप का पानी पीने योग्य नहीं रहेगा। इसका सबसे अधिक असर विद्यालय में अध्ययनरत मासूम बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ सकता था। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

एसडीएम विश्वास कुमार के निर्देशन में नायब तहसीलदार चिराग रामटेके मौके पर पहुंचे, स्थिति का निरीक्षण किया और निर्माण कार्य को तत्काल बंद कराते हुए सेप्टिक टैंक को निष्प्रभावी कराने की कार्रवाई सुनिश्चित की। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि पेयजल स्रोतों के आसपास ऐसे निर्माण, जो जल की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकते हैं, किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

जनस्वास्थ्य की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

इस कार्रवाई की स्थानीय ग्रामीणों, अभिभावकों और विद्यालय प्रबंधन ने सराहना करते हुए कहा कि प्रशासन की समय पर की गई पहल से भविष्य में होने वाले संभावित जल प्रदूषण और स्वास्थ्य संबंधी गंभीर खतरे को टाल दिया गया है। स्वच्छ पानी प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। पेयजल स्रोतों के आसपास सेप्टिक टैंक, गंदे पानी की निकासी या अन्य प्रदूषण फैलाने वाले निर्माण न केवल पर्यावरण के लिए हानिकारक हैं, बल्कि बच्चों, बुजुर्गों और आम लोगों के स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा बन सकते हैं। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि यदि कहीं भी पेयजल स्रोतों के आसपास इस प्रकार की गतिविधि दिखाई दे, तो उसकी सूचना तत्काल प्रशासन को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई कर सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल सुनिश्चित किया जा सके।

बस्तर के मांझियों,चालकियों,जनजातीय कलाकारों का राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया आत्मीय स्वागत

रायपुर, 1 अगस्त। राष्ट्रपति भवन में बस्तर के प्रतिनिधिमंडल के लिए एक अविस्मरणीय और ऐतिहासिक क्षण साकार हुआ। महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने बस्तर से पहुंचे परगना मांझियों, चालकियों, बस्तर पंडुम के जनजातीय कलाकारों तथा समाज प्रतिनिधियों का आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने सभी अतिथियों का शॉल एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मान किया और बस्तर की समृद्ध जनजातीय परंपरा एवं संस्कृति के प्रति अपना विशेष स्नेह व्यक्त किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा तथा संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन और पहल से आयोजित इस विशेष यात्रा ने बस्तर के जनजातीय समाज को देश के सर्वोच्च संवैधानिक संस्थान से सीधे जुड़ने का अवसर प्रदान किया। राष्ट्रपति भवन में बस्तर की संस्कृति का जो सम्मान हुआ, उसने प्रतिनिधिमंडल के प्रत्येक सदस्य को गौरव और आत्मविश्वास से भर दिया।

प्रतिनिधिमंडल के लिए सबसे भावुक और प्रेरणादायी क्षण उस समय आया, जब राष्ट्रपति महोदया ने एक आत्मीय मेजबान की भूमिका निभाते हुए स्वयं अपने हाथों से सभी अतिथियों को भोजन परोसा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने प्रतिनिधियों को दाल परोसी, जबकि उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा और संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने सभी को मिठाई परोसकर उनका स्वागत-सत्कार किया। राष्ट्रपति भवन में आत्मीयता और अपनत्व से भरे इस दृश्य ने पूरे प्रतिनिधिमंडल को भावविभोर कर दिया। बस्तर से आए जनजातीय प्रतिनिधियों ने इसे अपने जीवन का अविस्मरणीय अनुभव बताया।

इस अवसर पर एक और ऐतिहासिक पल तब आया, जब बस्तर पंडुम के विजेता कलाकारों ने राष्ट्रपति भवन परिसर में अपनी पारंपरिक लोकगीत और लोकनृत्य की प्रस्तुति दी। बस्तर की लोक संस्कृति, वेशभूषा और पारंपरिक कला का यह अनुपम प्रदर्शन उपस्थित सभी लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना और राष्ट्रपति भवन पहली बार बस्तर की सांस्कृतिक रंगत से सराबोर हो उठा। माहौल ऐसा हुआ कि उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा सहित बस्तर कमिश्नर श्री डोमन सिंह, पूर्व बस्तर आई जी श्री सुंदरराज पी और सभी अधिकारी भी लोकनृत्य में झूमने लगे।

राष्ट्रपति महोदया से बात करते हुए कांकेर के पद्म सम्मान से अलंकृत काष्ठ कलाकार श्री अजय मंडावी ने कहा कि बस्तर की कला और संस्कृति विश्व में अद्वितीय है। लंबे समय तक भय और असुरक्षा के वातावरण के कारण इस विरासत को व्यापक स्तर पर प्रस्तुत करना संभव नहीं हो पाया था। उन्होंने कहा कि अब सुरक्षा बलों के साहस और सरकार के प्रयासों से बस्तर में शांति का वातावरण स्थापित हुआ है, जिससे कलाकारों को अपनी प्रतिभा दुनिया के सामने रखने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में बस्तर की कला वैश्विक पहचान बनाएगी।

गढ़िया-लोहंडीगुड़ा परगना के मांझी श्री बलराम कश्यप ने राष्ट्रपति महोदया को बताया कि पहले बस्तर के लोगों को अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं। उन्होंने मांझी समाज की ओर से राष्ट्रपति महोदया को विश्वप्रसिद्ध बस्तर दशहरा और मुरिया दरबार में शामिल होने का आमंत्रण भी दिया। जिसे राष्ट्रपति ने अपने भाषण में सहृदय स्वीकार भी किया।

बीजापुर के मिरतुर परगना के चालकी श्री भरत कश्यप ने बताया कि अब बच्चे बिना किसी भय के विद्यालय जा रहे हैं। गांवों में सड़कें बन रही हैं, दूरसंचार सुविधाओं का विस्तार हो रहा है और विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि बदलते बस्तर में लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। दंतेवाड़ा की बस्तर पंडुम विजेता गौर नृत्यांगना श्रीमती लक्ष्मी सोढ़ी ने राष्ट्रपति महोदया से कहा कि जिस बस्तर पंडुम की शुरुआत आपने की थी, उसी प्रतियोगिता की विजेता के रूप में राष्ट्रपति भवन पहुंचना उनके लिए गर्व और सम्मान का विषय है। उन्होंने कहा कि आज बस्तर में शांति का वातावरण है और लोग मेला, जात्रा एवं मड़ई जैसे पारंपरिक आयोजनों को पूरे उत्साह के साथ मना रहे हैं।

मुंशी प्रेमचंद जयंती पर कहानी लेखन प्रतियोगिता, दीक्षा चौहान रहीं प्रथम

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कांकेर 1 अगस्त। सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गढ़पिछवाड़ी कांकेर में साहित्य सम्राट मुंशी प्रेमचंद जी की जयंती पर कहानी लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बच्चों को संबोधित करते हुए विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य व साहित्यकार संतोष श्रीवास्तव सम ने कहा कि प्रेमचंद ने तत्कालीन समाज का ही चित्रण अपनी कहानियों व उपन्यास में किया है। उनका साहित्य भारतीय समाज की तत्कालीन दशा प्रस्तुत कर वैचारिक क्रांति लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। आज यदि हम भारतीय समाज में कही दुर्दशा पाते हैं तो प्रेमचंद की मसाल थामने साहित्यकारों को आगे आना होगा। इस अवसर पर कहानी लेखन की प्रतियोगिता आयोजित हुई। जिसमें बच्चों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। कहानी लेखन में प्रथम स्थान पर दीक्षा चौहान, द्वितीय स्थान पर प्रेरणा साहू, व तृतीय स्थान पर प्रियांशी यादव रही। सभी प्रतिभागी विजेताओं को प्राचार्य श्री भूपेंद्र तिवारी के हाथों पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त आचार्य दीदियां व भैया बहन उपस्थित थे।

111 के बाद 26 सक्रिय भाजपा कार्यकर्ताओं ने दिया इस्तीफा

डोंगरगढ़ 1 अगस्त। चुनाव के दौरान जिन कार्यकर्ताओं के दम पर भाजपा के अधिकृत प्रत्याशियों का प्रचार-प्रसार किया जाता था। उनमें से अधिकांश कार्यकर्ताओं ने भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया है। गत दिनों 111 भाजपा कार्यकर्ताओं ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से त्यागपत्र देकर सोशल मीडिया में जानकारी सार्वजनिक की थी। जिला भाजपा संगठन द्वारा कार्यकर्ताओं की भावना को तवज्जो नहीं मिलने से नाराज होकर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला मंत्री बलविंदर सिंह भाटिया के नेतृत्व में 26 सक्रिय कार्यकर्ताओं ने भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया। स्थानीय स्तर पर चल रहे अंतर विरोध की गूंज शुक्रवार को जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित बैठक में किसी भी जिम्मेदार नेताओं को सुनाई नहीं देना या सुनकर भी नजरअंदाज करना स्थानीय स्तर पर भाजपा के लिए कार्य करने वाले जमीनी कार्यकर्ताओं में नाराजगी को और बढ़ाने जैसा प्रतीत हो रहा है। इनके हर फैसले इन चार व्यापारी नेताओं के हिसाब से

जिला भाजपा अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत को भेजे गए पत्र में लिखा गया है कि हम सभी कार्यकर्ता डोंगरगढ़ शहर मंडल के निवासी है। डोंगरगढ़ शहर मंडल में जबसे जसमीत सिंह बन्नोआना अध्यक्ष बने है। तब से डोंगरगढ़ शहर के चार व्यापारी नेताओं के दबाव में काम कर रहे है। पार्टी के वरिष्ठ एवं निष्ठावान कार्यकर्ताओं के प्रति उनका आचरण ठीक नहीं रहा से लिए जाते है। इनके द्वारा स्वयं एवं कई कार्यकर्ताओं के लिए एक से अधिक पदों की अनुशंसा की जाती रही है एवं निष्ठावान कार्यकर्ता जिनके द्वारा लगातार चुनावों में पार्टी के पक्ष में पूरी ईमानदारी के साथ काम किया जाता रहा है। उन्हें घर बैठने मजबूर कर दिया गया है। परिवारवाद से उपजे डोंगरगढ़ शहर मंडल अध्यक्ष जसमीत बन्नोआना शहर में गुटबाजी को बढ़ावा देने का काम कर रहे है। अंततः हम सभी कार्यकर्ताओं की उपेक्षा एवं इनके काम करने के तरीके से आहत होकर भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से त्यागपत्र दे रहे है।

शिक्षा के मंदिर पर उठे सवाल, क्या बच्चों की सुरक्षा सिर्फ कागज़ों तक सीमित है?

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ़ 1 अगस्त। शिक्षा का मंदिर केवल पढ़ाई का स्थान नहीं होता, बल्कि वह जगह होती है जहां माता-पिता अपने बच्चों को इस विश्वास के साथ भेजते हैं कि वहां उन्हें ज्ञान के साथ संस्कार, सुरक्षा और सम्मान भी मिलेगा। लेकिन जब इसी शिक्षा के मंदिर से ऐसी चर्चाएं सामने आने लगें कि एक शिक्षक पर अपनी ही छात्रा के साथ अनुचित व्यवहार करने का आरोप लगा है, तो यह केवल एक स्कूल का मामला नहीं रह जाता, बल्कि पूरे समाज के लिए चिंता का विषय बन जाता है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, एक निजी विद्यालय में शिक्षक के कथित अनुचित व्यवहार से नाराज़ छात्रा के परिजनों ने स्कूल पहुंचकर शिक्षक की पिटाई कर दी। बताया जा रहा है कि यह घटनाक्रम स्कूल प्रबंधन के सामने ही हुआ। हालांकि इस पूरे मामले की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। न तो विद्यालय में कोई लिखित शिकायत किए जाने की जानकारी सामने आई है और न ही संबंधित थाने में किसी प्रकार की एफआईआर दर्ज होने की पुष्टि हुई है। यदि यह जानकारी सही है, तो कई गंभीर सवाल खड़े होते हैं। क्या बच्चों की सुरक्षा के लिए बनाए गए नियम केवल औपचारिकता बनकर रह गए हैं? क्या स्कूल प्रबंधन ऐसी शिकायतों को दबाने का प्रयास करता है? और सबसे बड़ा सवाल, यदि कोई छात्र या छात्रा अपने ही शिक्षक से असुरक्षित महसूस करे तो वह आखिर किस पर भरोसा करे? आज के समय में अभिभावक अपने बच्चों को स्कूल इसलिए भेजते हैं क्योंकि उन्हें विश्वास होता है कि शिक्षक उनके बच्चों के भविष्य के निर्माता हैं। लेकिन यदि कहीं भी इस विश्वास को ठेस पहुंचती है, तो उसका असर केवल एक परिवार तक सीमित नहीं रहता बल्कि पूरे समाज के शिक्षा तंत्र पर पड़ता है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि बिना जांच के किसी व्यक्ति को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। इसलिए आवश्यक है कि यदि इस प्रकार की कोई घटना हुई है तो संबंधित पक्ष सामने आएं, शिकायत दर्ज हो, निष्पक्ष जांच हो और सत्य जनता के सामने आए। यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो दोषी के विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई होनी चाहिए, और यदि आरोप गलत साबित होते हैं तो निर्दोष व्यक्ति की प्रतिष्ठा की भी रक्षा होनी चाहिए। फिलहाल यह मामला केवल सूत्रों से प्राप्त जानकारी के आधार पर सामने आया है, जिसकी आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है। इसलिए संबंधित प्रशासन, शिक्षा विभाग और स्कूल प्रबंधन को इस मामले की निष्पक्ष जांच कर सच्चाई स्पष्ट करनी चाहिए।

भालू दिखने से मचा हड़कंप

डोंगरगढ़ 1 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। पनियाजोब के समीपवर्ती जंगल में भालू दिखाई देने के बाद ग्रामीणों और राहगीरों में हड़कंप सा मच गया वहीं गांव में भय व दहशत का माहौल व्याप्त हो गया है। जंगल में भालू को विचरते हुए लोगों ने देखा और मोबाईल से उसका वीडियो भी बनाया। सोशल मीडिया मे भालू का विडिया वायरल होने के बाद लोगों की चिंता बढ़ गई है। जानकारी के अनुसार कुछ महीनों से वन क्षेत्र में जंगली जानवरों की गतिविधियां बढ़ गई है। बीते दो महीनों में करबारी पहाड़ी र सहित अन्य स्थानों पर भालू देखे जाने की खबर सामने आई है। गौरतलब है कि पिछले चार वर्षों से क्षेत्र में भालू ही नहीं, बल्कि तेंदुए की मौजूदगी की खबरें भी

सामने आती रही हैं। वन्य प्राणियों की लगातार आवाजाही से जंगल से लगे इलाकों के ग्रामीणों के साथ शहरवासियों में भी दहशत का माहौल है। लोगों ने वन विभाग से प्रभावित क्षेत्रों में गश्त बढ़ाने तथा लोगों को सतर्क रहने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की है।

सेवा, शिद्दत और संकल्प से करें काम: अरुण साव

रायपुर, 1 अगस्त। उप मुख्यमंत्री तथा बेमेतरा जिले के प्रभारी मंत्री श्री अरुण साव ने आज बेमेतरा जिला मुख्यालय में अधिकारियों की बैठक लेकर केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन तथा जिले के समग्र विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने बैठक में अधिकारियों से कहा कि वे सेवा, शिद्दत और संकल्प के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें तथा बेमेतरा को विकास के हर क्षेत्र में प्रदेश का अग्रणी जिला बनाने के लिए समर्पित भाव से कार्य करें। उन्होंने कहा कि बेमेतरा भौगोलिक एवं प्रशासनिक दृष्टि से अनुकूल जिला है, जहां बेहतर कार्य करने की अपार संभावनाएं हैं। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री दयाल दास बघेल, विधायक श्री दीपेश साहू और ईश्वर साहू तथा कलेक्टर श्रीमती प्रतिष्ठा ममगाई भी बैठक में शामिल हुईं।

उन्होंने कहा कि एक सफल अधिकारी वही होता है जो पूर्व नियोजित कार्ययोजना के साथ निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा करता है। सभी अधिकारी जनसेवक की भावना से कार्य करते हुए जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरें, स्वयं का नियमित मूल्यांकन करें तथा अपनी कमियों को दूर कर बेहतर परिणाम सुनिश्चित करें। उप

मुख्यमंत्री ने खरीफसीजन को देखते हुए किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद-बीज उपलब्ध कराने, मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाने तथा जल संरक्षण, जल संवर्धन और जल संचयन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने जल जीवन मिशन के तहत निर्मित योजनाओं को ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित कर उनके सुचारु संचालन पर भी बल दिया। उन्होंने बारिश के दौरान क्षतिग्रस्त सड़कों की शीघ्र मरम्मत तथा सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए ग्राम पंचायतों के माध्यम से जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश भी दिए गए।

श्री साव ने जिले में संचालित विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी स्वीकृत निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं। उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, आदिवासी विकास प्राधिकरण सहित अन्य निर्माण परियोजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बढ़ते शहरीकरण के बीच जल संकट और प्रदूषण बड़ी चुनौती बनते जा रहे हैं। इसलिए जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं। उन्होंने वर्षा जल संग्रहण, पुराने तालाबों एवं नहरों के जीर्णोद्धार, जल संरक्षण अभियान, व्यापक वृक्षारोपण, पार्कों के विकास तथा प्रदूषण नियंत्रण के प्रभावी उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, कचरे के पृथक्करण और सार्वजनिक स्थलों की नियमित सफाई पर विशेष जोर दिया। श्री साव ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ खेल गतिविधियों को भी बढ़ावा देना आवश्यक है।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) डोंगरगढ़, जिला राजनांदगांव, (छ.ग.)

रा.प्र.क्र 202607092100037
अ/6 वर्ष 2025-26

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदक परमानंद पिता स्व. प्रहलाद, जाति-तेली, उम्र 40 वर्ष, निवासी बुधवारी पारा वार्ड नं. 15 डोंगरगढ़, तहसील व थाना-डोंगरगढ़, जिला-राजनांदगांव (छ.ग.) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के नाम पर सामिलात खाते में नगर पालिका सीमान्तर्गत नजूल शहर बुधवारी पारा वार्ड नं. 15 डोंगरगढ़, तहसील-डोंगरगढ़, जिला-राजनांदगांव (छ.ग.) में भूमि स्थित है जिसका शीट क्र.-06 का भूखण्ड क्रमांक-1681 का कुल क्षेत्रफल-3575 वर्गफुट है. जिसमें सहखातेदार के रूप में मेरे पिता प्रहलाद पिता-साधूराम एवं मेरी दादी-कुंवरिया बेवा साधूराम का नाम दर्ज हैं। आवेदक के पिता प्रहलाद की फौत दिनांक 18/11/2013 को एवं मेरी दादी-कुंवरिया की फौत दिनांक 19/08/2023 को स्थान बुधवारी पारा वार्ड नं. 15 डोंगरगढ़ में हो चुका है जिनके सभी उत्तराधिकारी एवं वारिशानों का नाम पूर्व में ही उपरोक्त भूमि के राजस्व रिकार्ड में दर्ज हो चुका हैं। उक्त भूमि में से मृतक प्रहलाद एवं कुंवरिया के नाम फौती दर्ज कर उनका नाम उक्त भूमि राजस्व रिकार्ड से विलोपित कर शेष सहखातेदारों का यथावत रखे जाने का निवेदन किया है।

अतएव उक्त भूमि के नामांतरण किये जाने में किसी को कोई दावा, उजर आपत्ति हो तो वह पेशी दिनांक 05/08/2026 तक स्वयं उपस्थित होकर इस न्यायालय में मेरे समक्ष पेश कर सकते हैं, नियत अवधि बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 17/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
डोंगरगढ़ (छ.ग.)

कार्यालय कलेक्टर जिला गरियाबंद (छ.ग.)

//सार्वजनिक सूचना//

प्रकरण क्रमांक 202511220800011/अ-82::/2063 — **गरियाबंद, दिनांक 16/07/2026**

चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची में वर्णित ग्राम मोखागुड़ा प.ह.न. 09 तहसील देवभोग जिला गरियाबंद (छ.ग.) की निजी भूमि का सार्वजनिक प्रयोजन यथाः- उरमाल जलप्लावन योजनांतर्गत नहर निर्माण कार्य के लिये आवश्यकता है। अतएव राज्य शासन द्वारा छत्तीसगढ़ शासन की ''आपसी सहमति से भूमि क्रय नीति 2016'' के प्रावधानों के तहत् अनुसूची में वर्णित भूमि को छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन संभाग, गरियाबंद के पक्ष में क्रय किये जाने हेतु विचार किया जा रहा है।

अनुसूची

(क्रय की जाने वाली भूमि/भू-धारकों का विवरण)

सं.क्र.	भूमि स्वामी का नाम/पिता या पति का नाम	क्रय हेतु प्रस्तावित भूमि (हेक्टेयर में)			सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
		खसरा	रकबा	प्रभावित रकबा	
(01)	(02)	(03)	(04)	(05)	(06)
1	गुनधर, बेनुराम, लैखन, गणेश पिता लच्छी जाति माली सा.दे.भूमि स्वामी	77	1.470	0.212	उरमाल जलप्लावन योजनांतर्गत नहर निर्माण कार्य
2	डोमार पिता गोवर्धन, ललीतराम, विमलाय पिता गोवर्धन, तिरनाथ पिता दैतारी, जलोराम, राजिबो, परसूराम गोमती, रुकमणी पिता दैतारी डमरुधर पिता रुपधर, भुजबल विनोद, मकरध्वज पिता रुपधर, कन्तुला पति रूपधर, चरणसिंह पिता जयो सुन्दरसिंह पिता जयो, दिगो पिता अर्जुन गोड नि.ग्रा. भू.स्वा.	88	2.430	0.128	
3	गजेन्द्र पिता छिनूराम ना.बा. गोकुल पिता छिनूराम पालक छिनूराम माली नि.ग्रा. भू. स्वा.	105/9	0.080	0.08	
4	गोरेलाल पिता गिरधारी माली नि. ग्रा. भू. स्वा.	105/10	0.400	0.012	
5	कुमोराम पिता तुलसिंह माली नि.ग्रा. भू. स्वा.	105/21	0.180	0.020	
6	रजूला बेवा रामेश्वर विनोद पिता रामेश्वर सत्याकुमार, पघावती, जमुना, पिता रामेश्वर, सा. दे.	338/4	0.200	0.064	
7	करनो, खेमानिधी, विद्याधर पिता देवो, गजेन्द्र, गोकुल, बासमती नायक, घरमनी, चंचलाय पिता छिनु, हीरादी पति छिनु जाति माली नि. ग्रा. भू.स्वा.	105/14	3.900	0.180	
8	कुरसो पिता बुढ़ाराम, नाबा मितुला, नाबा झारण पिता तुलाराम जाति माली नि.ग्रा.भू. स्वामी	371	0.370	0.144	
9	चुमंधर, कौशल्या, सुमीधा, सावाना, सिशीला पिता मोहनो, सानो पति मोहनो माली नि. ग्रा. भू.स्वा.	456	0.360	0.012	
10	पूर्णचंद पिता श्यामसुन्दर माली नि. ग्रा. भू. स्वा.	488/1	0.160	0.076	
11	जगतराम पिता धनसिंह जाति गोंड नि.ग्रा. भूमि स्वामी	507	0.120	0.016	
		508	0.240	0.012	
	योगः-	2	0.360	0.028	

क्रय हेतु प्रस्तावित भूमिः- कुल प्रभावित खसरा नंबर 12 कुल प्रभावित रकबा 0.96 हेक्टेयर

02/- यह भी सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को भूमि के स्वत्व के विषय में कोई दावा/आपत्ति हो, तो सूचना के प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस के भीतर आधार सहित लिखित में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) देवभोग के समक्ष स्वयं अथवा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है।

भू-अर्जन अधिकारी
देवभोग

कलेक्टर गरियाबंद
एवं पदेन उप सचिव छ.ग. शासन
राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

जी-262702495/3

एक नजर

मृतक संजय यादव के वैधानिक उत्तराधिकारियों की तलाश, पुलिस ने जारी किया सार्वजनिक इश्तहार

रायपुर, 1 अगस्त। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के एक प्रकरण में मृतक संजय यादव (सेना) के वैधानिक उत्तराधिकारियों की जानकारी प्राप्त करने के लिए रायपुर कलेक्टर (वित्त शाखा) के निर्देश पर सार्वजनिक इश्तहार जारी किया गया है। इस संबंध में थाना गोलबाजार, रायपुर ने स्थानीय समाचार पत्रों से निःशुल्क इश्तहार प्रकाशित करने का अनुरोध किया है। जारी पत्र के अनुसार, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के प्रकरण क्रमांक 618/33/14/2022 के तहत मृतक संजय यादव (सेना) के परिजनों को 7 लाख 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता (क्षतिपूर्ति) स्वीकृत की गई है। हालांकि, मृतक की पत्नी का भी निधन हो चुका है, जिसके कारण वैधानिक उत्तराधिकारियों का निर्धारण आवश्यक हो गया है। इसी उद्देश्य से आम जनता एवं संभावित उत्तराधिकारियों को सूचित किया गया है कि यदि कोई व्यक्ति स्वयं को मृतक संजय यादव (सेना) का वैधानिक वारिस होने का दावा करता है, तो वह आवश्यक प्रमाण-पत्रों के साथ इश्तहार जारी होने की तिथि से 15 दिनों के भीतर कलेक्टर कार्यालय (वित्त शाखा), रायपुर में उपस्थित होकर अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित अवधि में दावा प्रस्तुत नहीं होने की स्थिति में प्रशासन स्वीकृत आर्थिक सहायता राशि के संबंध में नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई करेगा।

आतंकी हमले में छग के मजदूर की मौत, सीएम साय ने जताया शोक

रायपुर, 1 अगस्त। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में शनिवार को हुए आतंकी हमले में छत्तीसगढ़ के दो मजदूर निशाना बने। आतंकियों की गोलीबारी में एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार, हमले में छत्तीसगढ़ निवासी दीपक रात्रे (24), पिता उमाशंकर रात्रे की मौके पर मौत हो गई। वहीं भूपेंद्र (28), पिता दशरथ गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि कुलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले में छत्तीसगढ़ के एक श्रमिक की मृत्यु और दूसरे के घायल होने की खबर अत्यंत पीड़ादायक है। उन्होंने कहा कि घायल श्रमिक का स्थानीय अस्पताल में समुचित उपचार चल रहा है और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार पीड़ित परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने दिवंगत श्रमिक दीपक रात्रे को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए घायल भूपेंद्र के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

स्ट्रेंथिंग डिजिटल जस्टिस थ्रू न्यू क्रिमिनल लॉ विषय पर राज्य स्तरीय कार्यशाला 2 अगस्त को

रायपुर, 1 अगस्त। न्याय व्यवस्था को आधुनिक तकनीकों के माध्यम से अधिक सशक्त, सरल, सुगम एवं पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से आगामी 2 अगस्त 2026 को रायपुर स्थित होटल बेबीलॉन इंटरनेशनल, वीआईपी रोड में स्ट्रेंथिंग डिजिटल जस्टिस थ्रू न्यू क्रिमिनल लॉ विषय पर राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यशाला नवीन आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन तथा न्याय प्रणाली में डिजिटल तकनीकों के समावेश के माध्यम से न्यायिक प्रक्रिया को अधिक दक्ष, पारदर्शी एवं जनोन्मुखी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल होगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य न्यायाधीश, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा करेंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा, विधि एवं विधायी कार्य मंत्री गजेन्द्र यादव तथा न्यायमूर्ति चंद्रवंशी की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के अन्य न्यायाधीशगण, मुख्य सचिव विकास शील, डीजीपी अरुण देव गौतम भी कार्यक्रम में सहभागी होंगे।

आरक्षण पर आपत्तिजनक पोस्ट को लेकर चरणदास महंत ने जताई कड़ी आपत्ति

बोले- मुख्यमंत्री के विभाग के अधिकारी की भाषा प्रदेश के आरक्षित वर्ग का अपमान, सीएम की चुप्पी भी सवालों के घेरे में

रायपुर, 1 अगस्त। आरक्षण प्राप्त करने वाले लोगों को लेकर जनसंपर्क विभाग की पत्रिका के सलाहकार संपादक डॉ. अनिल द्विवेदी द्वारा सोशल मीडिया पर की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कड़ी नाराजगी जताई है।

डॉ. महंत ने कहा कि आरक्षण पाने वाले लोगों की तुलना बेहद आपत्तिजनक और अमर्यादित शब्दों से करना केवल किसी व्यक्ति विशेष का अपमान नहीं, बल्कि प्रदेश के उन करोड़ों लोगों का अपमान है, जो सामाजिक और संवैधानिक रूप से आरक्षण के दायरे में आते हैं। उन्होंने कहा कि विवाद बढ़ने के बाद पोस्ट हटाना और बाद में खेद व्यक्त करना पर्याप्त नहीं है। सवाल यह है कि ऐसी मानसिकता रखने वाले व्यक्ति को सरकार के जनसंपर्क विभाग से जुड़े महत्वपूर्ण पद पर जिम्मेदारी कैसे दी गई?

नेता प्रतिपक्ष ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय पर भी निशाना साधते हुए कहा कि जनसंपर्क विभाग मुख्यमंत्री के पास है। मुख्यमंत्री स्वयं आदिवासी समाज से आते हैं और उनके मंत्रिमंडल में भी अनुसूचित जनजाति तथा अन्य आरक्षित वर्गों का प्रतिनिधित्व है। ऐसे में मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है।

मुख्यमंत्री की चुप्पी क्यों ?

डॉ. महंत ने सवाल उठाया कि विवादित पोस्ट सामने आने के बाद शिकायतें होने लगीं, पोस्ट हटाई गई और खेद व्यक्त किया गया, लेकिन मुख्यमंत्री की ओर से अब तक स्पष्ट कार्रवाई क्यों नहीं हुई? उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की चुप्पी से प्रदेश के आरक्षित वर्गों में यह संदेश जा रहा है कि सरकार अपने विभाग से जुड़े अधिकारी की आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर गंभीर नहीं है।

डॉ. महंत ने कहा कि आरक्षण देश के संविधान द्वारा दिया गया सामाजिक न्याय का अधिकार है। इसे लेकर किसी भी वर्ग के लोगों को अपमानित करने वाली भाषा स्वीकार नहीं की जा सकती।

उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि एक तरफ सरकार सामाजिक न्याय और संविधान की बात करती है, दूसरी तरफ उसी सरकार के विभाग से जुड़े व्यक्ति की सोशल मीडिया पोस्ट पर आरक्षित वर्ग के लोगों के प्रति ऐसी भाषा सामने आती है। यह विरोधाभास बेहद गंभीर है। डॉ. महंत ने कहा कि छत्तीसगढ़ सामाजिक न्याय और समरसता की धरती है। यहां किसी भी जाति, वर्ग या समुदाय का अपमान राजनीतिक या प्रशासनिक संरक्षण में नहीं होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि संत रविदास जयंती जैसे अवसर पर देशभर में सामाजिक समानता, भाईचारे और सम्मान का संदेश दिया जा रहा है। ऐसे समय में आरक्षित वर्गों को लेकर अपमानजनक टिप्पणी सामने आना और फिर उस पर सरकार की चुप्पी बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि कांग्रेस इस पूरे मामले को प्रदेश के हर शहर और कस्बे तक ले जाएगी और सरकार से जवाब मांगेगी कि आखिर मुख्यमंत्री के विभाग से जुड़े व्यक्ति को ऐसी टिप्पणी करने की हिम्मत कैसे हुई और उसके खिलाफ क्या कार्रवाई की गई। डॉ. महंत ने स्पष्ट कहा कि सामाजिक न्याय और आरक्षण के अधिकार का अपमान किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा और इस मुद्दे पर कांग्रेस मजबूती से आरक्षित वर्गों के साथ खड़ी रहेगी।

छत्तीसगढ़ में विकसित होगी आधुनिक विज्ञान अधोसंरचना, रिसर्च व इनोवेशन को मिलेगा बढ़ावा

साइंस सिटी, रीजनल साइंस सेंटर, एआई गैलरी और साइंस पार्क परियोजनाओं की प्रगति की हुई समीक्षा

रायपुर 1 अगस्त। छत्तीसगढ़ में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की दिशा में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की आज महानदी भवन अटल नगर नवा रायपुर में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभाग की प्रमुख परियोजनाओं एवं गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने उनके क्रियान्वयन की प्रगति का आकलन किया।

साइंस सिटी और एआई गैलरी जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं पर विशेष फोकस: बैठक में रायपुर में प्रस्तावित साइंस सिटी, रीजनल साइंस सेंटर, विकसित की जा रही अत्याधुनिक एआई गैलरी तथा राज्य के विभिन्न जिलों में प्रस्तावित साइंस पार्कों की स्थापना एवं विकास कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई।

इन परियोजनाओं के माध्यम से विद्यार्थियों, शोधार्थियों और आमजन को आधुनिक, इंटरैक्टिव एवं अनुभवात्मक विज्ञान शिक्षा उपलब्ध कराने तथा समाज में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया गया।

» 22वें अखिल भारतीय विज्ञान संग्रहालय एवं विज्ञान केंद्र प्रमुख सम्मेलन की तैयारियों को समयबद्ध रूप से पूरा करने के निर्देश

» प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने गुणवत्ता, समय-सीमा और जागरूकता पर दिया विशेष जोर

समय-सीमा और गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं

प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य में आधुनिक विज्ञान अधोसंरचना के विकास को गति देने के साथ-साथ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आधारित जनजागरूकता, नवाचार और एसटीईएम शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सभी आवश्यक कार्य समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित किए जाएं।

वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों ने लिया भाग

बैठक में छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (सीसीओएसटी) तथा रीजनल साइंस सेंटर (आरसीएस), रायपुर के वैज्ञानिकों एवं विभागीय अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए उनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

राष्ट्रीय स्तर के विज्ञान सम्मेलन की तैयारियों की समीक्षा : बैठक में वर्ष 2026-27 के दौरान रायपुर में आयोजित होने वाले 22वें अखिल भारतीय विज्ञान संग्रहालय एवं विज्ञान केंद्र प्रमुख सम्मेलन की तैयारियों और कार्ययोजना की भी समीक्षा की गई। यह सम्मेलन राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (एनसीएसएम), संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए एनसीएसएम के साथ शीघ्र संयुक्त समन्वय बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए गए।

हर घर तिरंगा व तिरंगा यात्रा अभियान 11 से 15 अगस्त तक: यशवंत जैन

रायपुर, 1 अगस्त। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री और हर घर तिरंगा अभियान कार्यक्रम के प्रदेश संयोजक यशवन्त जैन ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर प्रारंभ हुआ हर घर तिरंगा अभियान आज एक राष्ट्र भक्ति का जन आंदोलन का स्वरूप ग्रहण कर चुका है। जैन ने बताया कि इस वर्ष भी राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के निर्देशानुसार व प्रदेश अध्यक्ष किरण देव के आह्वान पर पार्टी के सभी कार्यकर्ता व्यापक भागीदारी करते हुये हर घर तिरंगा तथा तिरंगा यात्रा अभियान में 11 से 15 अगस्त, 2026 तक भाग लेंगे।

भाजपा प्रदेश महामंत्री जैन ने बताया कि इस दौरान प्रत्येक घर, सभी प्रतिष्ठानों एवं कार्यालयों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने हेतु जनजागरण किया जाएगा। युवाओं एवं विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति एवं संवैधानिक कर्तव्यों के प्रति जागरूकता लाई जाएगी। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं राष्ट्र निर्माताओं के योगदान का स्मरण करने के साथ-साथ समाज के प्रत्येक वर्ग को राष्ट्र के विकास एवं विकसित भारत-2047 के संकल्प से जोड़ा जाएगा और राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता एवं एक भारत-श्रेष्ठ भारत की भावना को सुदृढ़ किया जाएगा। जैन ने कहा कि प्रत्येक मण्डल केन्द्र के अलावा उस मण्डल के पाँच बड़े गाँव या बाजार में भी तिरंगा यात्रा का आयोजन होगा। 10 अगस्त से 14 अगस्त, 2026 तक भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन कर पार्टी के कार्यकर्ता इसमें अधिक-से-अधिक जन भागीदारी सुनिश्चत करेंगे। इसमें भारतीय जनता युवा मोर्चा की भूमिका तिरंगा यात्रा में अग्रणी होगी।

कोयले की खान से भी बेदाग निकले पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह: कांग्रेस

रायपुर, 1 अगस्त। सुप्रीम कोर्ट द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के खिलाफ कोयला ब्लॉक आवंटन मामले में आपराधिक कार्यवाही समाप्त करने और सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट स्वीकार किए जाने के बाद यह पूरी तरह स्पष्ट हो गया है कि भाजपा ने वर्षों तक राजनीतिक लाभ के लिए एक ईमानदार, विद्वान और देशभक्त प्रधानमंत्री की छवि को बदनाम करने का सुनियोजित अभियान चलाया था।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह वह नेता थे जिनकी ईमानदारी पर उनके राजनीतिक विरोधी भी उंगली उठाने से बचते थे। लेकिन सत्ता की भूखी राजनीति ने उन्हें निशाना बनाया, उनकी छवि पर सवाल उठाए और देश के सामने ऐसा माहौल बनाया मानो दोष सिद्ध हो चुका हो। आज सर्वोच्च न्यायालय के फैसले ने उस पूरे नैरेटिव को ध्वस्त कर दिया है।

सबसे बड़ा सवाल भाजपा और उसके नेताओं से है कि क्या वे अब देश की जनता से माफी मांगेंगे? क्या वे स्वीकार करेंगे कि उन्होंने वर्षों तक झूठे आरोपों, आधे-अधूरे तथ्यों और राजनीतिक प्रचार के माध्यम से एक सम्मानित प्रधानमंत्री की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाई?

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि जिस व्यक्ति ने भारत को आर्थिक महाशक्ति बनने की दिशा दी, करोड़ों लोगों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा और वैश्विक मंच पर भारत का सम्मान बढ़ाया, उसी व्यक्ति को राजनीतिक लाभ के लिए कटघरे में खड़ा किया गया। आज न्यायपालिका ने स्पष्ट कर दिया है कि सच्चाई और राजनीतिक आरोपों में कितना बड़ा अंतर होता है।

दीपक बैज के बयान पर केदार कश्यप का पलटवार

आदिवासी सम्मान कांग्रेस को क्यों चुभ रहा है?

रायपुर, 1 अगस्त। वनमंत्री केदार कश्यप ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज के बस्तर पंडुम और राष्ट्रपति भवन में बस्तर के आदिवासी प्रतिनिधियों की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से हुई भेंट को लेकर दिए गए बयान पर तीखा पलटवार करते हुए कहा कि यह केवल राजनीतिक हताशा नहीं, बल्कि बस्तर के जनजातीय समाज, उसकी संस्कृति, परंपराओं और अस्मिता का खुला अपमान है। उन्होंने कहा कि बस्तर पंडुम किसी सरकार या राजनीतिक दल का कार्यक्रम नहीं, बल्कि बस्तर की हजारों वर्षों पुरानी सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं और आदिवासी गौरव का महापर्व है। जिस आयोजन ने बस्तर के लोक कलाकारों, मांझी-चालकी व्यवस्था और जनजातीय संस्कृति को राष्ट्रीय मंच पर सम्मान दिलाया, उसी पर सवाल उठाना बताता है कि कांग्रेस आदिवासी समाज के सम्मान को भी राजनीतिक चश्मे से देख रही है।

मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि कांग्रेस ने राष्ट्रपति भवन में बस्तर के आदिवासी प्रतिनिधियों की महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से हुई ऐतिहासिक भेंट का भी उपहास उड़ाने का प्रयास किया है। आज़ादी के दशकों बाद पहली बार बस्तर के पारंपरिक वेशभूषा में सजे जनजातीय प्रतिनिधियों को राष्ट्रपति भवन में सम्मानपूर्वक आमंत्रित किया गया, उनसे आत्मीय संवाद हुआ और उनकी संस्कृति को राष्ट्रीय पहचान मिली। यह हर बस्तरवासी और पूरे जनजातीय समाज के लिए गर्व का विषय है। ऐसे ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण क्षण का मज़ाक उड़ाना केवल राजनीतिक अपरिपक्वता नहीं, बल्कि आदिवासी अस्मिता का भी अपमान है। उन्होंने कहा कि जिस आदिवासी समाज को कांग्रेस ने दशकों तक केवल वोट बैंक समझकर देखा, आज जब उसी समाज को सम्मान, पहचान और राष्ट्रीय मंच मिल रहा है तो कांग्रेस को आखिर इतनी पीड़ा क्यों हो रही है? देशभर में बस्तर की संस्कृति की चर्चा हो रही है, लेकिन कांग्रेस इस गौरवपूर्ण अवसर में भी राजनीति खोज रही है।

» राष्ट्रपति भवन में बस्तर के आदिवासियों के सम्मान का उपहास करना पूरे जनजातीय समाज का अपमान : केदार

» बस्तर पंडुम और राष्ट्रपति भवन में आदिवासी प्रतिनिधियों की भेंट पर कांग्रेस की राजनीति दुर्भाग्यपूर्ण

मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि कांग्रेस को पहले यह बताना चाहिए कि अपने लंबे शासनकाल में उसने बस्तर की संस्कृति, लोक कलाकारों और पारंपरिक व्यवस्थाओं को राष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए कौन-सा ऐतिहासिक कार्य किया था। कांग्रेस के शासन में बस्तर की पहचान विकास और संस्कृति से नहीं, बल्कि नक्सली हिंसा, भय और पिछड़ेपन से जुड़ गई थी।

प्रखर मिश्रा को विधि विषय में पीएचडी

रायपुर, 1 अगस्त। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर ने अधिवक्ता प्रखर मिश्रा को विधि विषय में उत्कृष्ट शोध कार्य के लिए डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) की उपाधि प्रदान की है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण से जुड़े महत्वपूर्ण विषय ÷वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1981 का क्रियान्वयन (छत्तीसगढ़ राज्य के विशेष संदर्भ में)÷ पर अपना शोध कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किया। प्रखर मिश्रा ने यह शोध कार्य प्रो. डॉ. विनीता अग्रवाल के मार्गदर्शन में पूरा किया। उनका शोध केंद्र शासकीय जे. योगानंदम छत्तीसगढ़ महाविद्यालय, रायपुर रहा। अपने शोध में उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य में वायु प्रदूषण नियंत्रण संबंधी कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन, उनसे जुड़ी चुनौतियों तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए आवश्यक कानूनी उपायों का विस्तृत अध्ययन किया है। प्रखर मिश्रा छात्र राजनीति में भी सक्रिय रहे हैं। वे वर्ष 2015-16 में पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय तथा छत्तीसगढ़ महाविद्यालय के छात्रसंघ अध्यक्ष रह चुके हैं। इसके अलावा वे भारतीय जनता पार्टी से जुड़े रहे हैं तथा पूर्व में भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के प्रदेश मंत्री का दायित्व भी निभा चुके हैं। पीएचडी की उपाधि प्राप्त होने पर उनके परिजनों, मित्रों, शिक्षकों, अधिवक्ताओं एवं शुभचिंतकों में हर्ष का माहौल है। सभी ने उन्हें इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और सामाजिक व शैक्षणिक क्षेत्र में निरंतर योगदान की शुभकामनाएं दी हैं।

28 लोगों को बीपी-शुगर टेस्टिंग मशीन व 17 को श्रवण यंत्र का किया गया वितरण

रायपुर, 1 अगस्त। जैन संवेदना ट्रस्ट द्वारा इस वर्ष मानव सेवा व साधर्मिक भक्ति का चातुर्मास मनाया जा रहा है मानव सेवा मानव कल्याण चातुर्मास आरम्भ अवसर पर ऋषभदेव जैन मंदिर प्रांगण में 28 साधर्मिक भाई बहनों को बी पी शुगर टेस्टिंग मशीन व 17 बहरे लोगों को श्रवण यन्त्र वितरित किया गया। भगवान महावीर स्वामी के जियो और जीने दो, दया, करुणा, अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए सर्वधर्म व साधर्मिक भाई बहनों को बी पी शुगर टैस्टिंग इक्यूपमेंट निःशुल्क वितरित किया जा रहा है। जैन संवेदना ट्रस्ट के महेन्द्र कोचर व विजय चोपड़ा ने बताया कि कोरोना के बाद युवाओं की अचानक हो रही आकस्मिक मौतों पर विचार विमर्श डॉक्टरी सलाह लेकर घर घर बी पी नापने की मशीन व शुगर टैस्टिंग इक्यूपमेंट का वितरण आरम्भ किया गया। विगत वर्षों के चातुर्मास में विशेष अभियान चलाकर 4000 नग बी पी शुगर इक्यूपमेंट वितरण के लक्ष्य को पूरा कर लिया गया है।

भरोसा वही, अंदाज नया | वक्त के साथ कदमताल करते हुए एक स्ट्रेटेजिक रीब्रांडिंग

माहेश्वरी पब्लिसिटी सर्विस' का नया अवतार 'मैप्स'

रायपुर, 1 अगस्त। 1964 में अपनी शुरुआत के बाद अखबार और होर्डिंग से लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रील्स और सेकंड्स में बदल जाने वाले डिजिटल ट्रेंड्स तक का सफर माहेश्वरी पब्लिसिटी सर्विस ने बखूबी तय किया है। मध्य भारत की अग्रणी और आईएनएस मीडिया एजेंसी 'माहेश्वरी पब्लिसिटी सर्विस' ने हर दौर को बेहद करीब से देखा और समझा है। अब, समय की इसी तेज़ रफ़्तार से कदमताल करने के लिए, यह प्रतिष्ठित एजेंसी अपने मॉडर्न अवतार 'मैप्स' के साथ खुद को रीब्रांड कर रही है।

'मैप्स' ही क्यों?

इस बदलाव की ज़रुरत के बारे में बात करते हुए माहेश्वरी पब्लिसिटी सर्विस के डायरेक्टर्स प्रकाश माहेश्वरी और पंकज माहेश्वरी ने बताया कि नए दौर में आधुनिक सोच के साथ बिज़नेस संचालन करने वाली आज की युवा पीढ़ी और कंटेम्पररी ऑडियंस घंटों की बात सेकंड्स में समझना चाहते हैं। वो ऐसे शब्द पसंद करते हैं जो बोलने में आसान हों और जिनका इम्पैक्ट सीधा हो। 'मैप्स' (अंग्रेजी के शब्द मैप का बहुवचन) का सीधा सा मतलब है नक्शे या रास्ते। जिस तरह एक नक्शा किसी को अनजान रास्तों पर उसकी सटीक मंज़िल तक ले जाता है, ठीक उसी तरह 'मैप्स' की फिलॉसफी ब्रांड्स के लिए वो रास्ते तैयार करना है, जो मार्केट की भीड़ से निकलकर सीधे ग्राहकों के दिलों-दिमाग तक पहुंचते हों।

नए लोगो में लगा कोलन (:)

मैप्स के लोगो में लगा 'कोलन' (:) केवल एक डिज़ाइन नहीं है। व्याकरण जुबान में कोलन का मतलब होता है, 'फिक्र अभी बाकी है', यानी आगे कुछ आने वाला है। 'मैप्स' के साथ लगा यह कोलन दरअसल एजेंसी की विस्तृत सेवाओं को दर्शाता है। 'maps:' में 'आउट ऑफ़ द बॉक्स आईडियाज़' के साथ ब्रांड कंसल्टेंसी, इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग, कंटेंट डेवलपमेंट और डिजिटल मार्केटिंग जैसी वो तमाम सेवाएं मौजूद हैं, जो आज के मार्केट की ज़रुरत के हिसाब से 'maps:' को 360 डिग्री एडवरटाइजिंग एजेंसी बनाती हैं।

स्ट्रेटेजिक रीब्रांडिंग

यह केवल पुराना लोगो हटाकर नया रखने की औपचारिकता नहीं है, बल्कि दूर की सोच के साथ की गई एक स्ट्रेटेजिक रीब्रांडिंग है। यह रीब्रांडिंग बदलते मार्केट ट्रेंड्स, नई पीढ़ी की पसंद और टेक्नोलॉजी के इस दौर में ब्रांड्स को समय की मांग के हिसाब से रिलिवेंट बनाए रखने की एक पुख्ता तैयारी है।

maps:
Maheshwari Publicity Service
360° Brand Routes

कम्युनिकेशन का पॉवरहाउस

'maps:' क्लाइंट्स और उनके टारगेट ऑडियंस के बीच महज़ एक माध्यम नहीं होगा, बल्कि एक बेहद प्रभावशाली गेटवे का काम करेगा। प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और आउटडोर विज्ञापनों में माहेश्वरी पब्लिसिटी सर्विस का दशकों का दबदबा कायम है, लेकिन अब समय की मांग के चलते डिजिटल मीडिया को भी शामिल किया जा रहा है क्यों कि मैप्स का लक्ष्य अब सिर्फ शहर के बड़े बिलबोर्ड्स, अखबार, मैगज़ीन और रेडियो जैसे ट्रेडिशनल मीडिया तक सीमित रहना नहीं है, बल्कि ब्रांड्स को सीधे उनके टारगेट ऑडियंस के स्मार्टफोन्स तक भी पहुंचाना है, ताकि कम्युनिकेशन तुरंत और सीधा हो।

रिसर्च और ब्रांड फॉर्मूला

पब्लिक रिलेशन्स, एडवरटाइजिंग, मार्केटिंग और ब्रांडिंग के लिहाज़ से हर क्लाइंट की अपनी ख़ास ज़रूरतें होती हैं और तेज़ी से बदलते मार्केट ट्रेंड्स इसे और भी चुनौतीपूर्ण बना देते हैं, इसलिए ब्रांड्स की ज़रुरत के हिसाब से रिसर्च आधारित कैंपेन की स्ट्रैटेजी प्लान होगी जिससे सही कस्टमर्स तक सही मैसेज पहुंचे। संक्षेप में कहें तो, माहेश्वरी पब्लिसिटी सर्विस अपने 6 दशकों के भरोसे यानि रिलायबिलिटी को आज के दौर की प्रासंगिकता यानि रिलिवेंस के साथ जोड़कर अपना 'ब्रांड रिफ्रेश बटन' दबा रही है। यह रीइमेजिंड और रीडिफाइंड नया अवतार, maps: एक ऐसा बदलाव, जो यकीनन बेहतरी के लिए है यानि 'चेंज फॉर बेटर'।

माहेश्वरी पब्लिसिटी सर्विस के बारे में

माहेश्वरी पब्लिसिटी सर्विस 1960 के दशक से ही मध्य भारत में एडवरटाइजिंग और ब्रांडिंग के क्षेत्र में आज तक अग्रणी बनी हुई है। यह मीडिया एजेंसी छत्तीसगढ़ की पहली आईएनएस एजेंसी है, जिसने समय की कसौटी पर खुद तो खरा साबित करते हुए दशकों से आज तक अपने क्लाइंट्स के भरोसे को बरकरार रखा है। अपनी क्रिएटिविटी और इनोवेशन से यह एजेंसी हर एडवरटाइजिंग और कम्युनिकेशन मीडियम के साथ अपने क्लाइंट्स की परफेक्ट ब्रांड बिल्डिंग और ब्रांड प्रमोशन के लिए काम करती रही है।

रायपुर स्टेशन पर सख्त टिकट चेकिंग

कुल 235 मामलों से 2,02,345 रुपए का राजस्व हुआ प्राप्त

रायपुर 1 अगस्त। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ सुस्कर विपुल विलासराव के निर्देश पर रायपुर रेलवे स्टेशन पर किलाबंदी टिकट चेकिंग अभियान दिनांक 30 जुलाई, 2026 को चलाया गया। जिसमें स्टेशन के सभी प्लेटफार्म, एवं 12 ट्रेनों में किलाबंदी टिकट चेकिंग अभियान में कुल 235 मामलों को दर्ज कर 2, 02, 345 रुपए राजस्व प्राप्त किया गया।

किलाबंदी टिकट चेकिंग में बिना टिकट यात्रा करने वाले 147 यात्री पकड़े गए, जिससे 1, 55, 540/- राजस्व प्राप्त हुआ। अनियमित टिकट लेकर यात्रा करने वाले 64 यात्रियों से 42565/- रूपये राजस्व प्राप्त हुआ, अधिक लगेज लेकर यात्रा करने वाले 22 यात्रियों से 2240/- गंदगी फैलाने वाले 02 मामलों से 2000/- रूपये राजस्व प्राप्त हुआ। इस टिकट चेकिंग का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को टिकट लेने के प्रति जागरूक करना था। इस टिकट चेकिंग अभियान का संचालन सहायक वाणिज्य प्रबंधक अविनाश कुमार आनंद के द्वारा एवं मंडल मुख्य टिकट निरीक्षक, मुख्य वाणिज्य निरीक्षक-टिकट चेकिंग सहित 14 टिकट चेकिंग स्टाफ स्टाफ शामिल रहे। रेल प्रशासन यात्रियों को आगाह करता है कि वे यात्रा हेतु उचित टिकट एवं रेल परिसर मे प्रवेश करने के पहले प्लेटफॉर्म टिकट अवश्य खरीदें। रेलगाड़ी एवं रेल परिसर को साफ सुथरा रखने में भी रेल प्रशासन को सहयोग प्रदान करें। रेलगाड़ी एवं रेल परिसर में गंदगी फैलाते पाए जाने पर 1000 रूपये से 5000 रूपये तक जुर्माना अथवा 06 महीने का कारावास का प्रावधान है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के वाणिज्य विभाग द्वारा समय-समय पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। जिससे यात्रियों को टिकट लेने के प्रति लगातार जागरूक किया जा रहा है, साथ ही यात्रियों को जागरूक किया जा रहा है कि वे उचित टिकट लेकर सही कोच में बैठे एवं अपनी सुखद यात्रा करें एवं टिकट चेकिंग में रेलवे प्रशासन को सहयोग करें।

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26